VISION IAS
M
N 25 OCT 2015
SUBMITTED
RECEIVED

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 634)

Name of Candidate	PREMSUKH DELU		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	15301
Center	Delhi	Date	25/10/15

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) Even though women may have equal skills, qualifications and commitment as men, they face much more difficulty in rising up the leadership hierarchy. Discuss the reasons for the same. Also, explain the importance of having gender parity in positions of leadership. 10

पुरूषों के समान कुशलता, योग्यता और प्रतिबद्धता जैसे गुणों से युक्त होने के बावजूद भी महिलाओं को नेतृत्व श्रंखला मे उच्च सोपानों तक पहुँचने के लिए अपेक्षाकृत अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। समस्या की पृष्ठभूमि मे निहित कारणों पर चर्चा कीजिये | इसके साथ ही नेतृत्व के विविध स्तरों पर लैंगिक समानता के महत्व का उल्लेख कीजिए।

<u>विभिन्न कठिनाई के कारण :-</u>

(1) पितृसत्तात्मक सोच के कारण आज भी समाज में महिला को घरेलू कामकाजी में बच्चों के पालने पोषने तक सीमित समझा जाता है।

(2) जैविक भिन्नताओं के कारण महिलाओं को विभिन्न कार्यों में आने वाली कठिनाइयों को बढ़ा चढ़ा कर दिखाना

(3) सेना जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को उपयुक्त न मानना

(4) समाज में फैली अशिक्षा, रूढ़िवादिता के कारण महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाती हैं

(5) बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या के कारण वह इस स्तर तक पहुँच ही नहीं पाती हैं

लेकिन इन सब बातों के बावजूद आज महिलाएं आगे बढ़ी हैं तथा उन्होंने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महत्वपूर्ण पदों को ~~उद्योगि~~ सुशोभित किया है जैसे किरण मजूमदार, इंदिरा नूयी, इंदिरा गांधी, मायावती, जयललिता, इत्यादि

लैंगिक समानता के फलस्वरूप महिलाओं की नीति निर्माण में भागीदारी बढ़ती है उनमें आत्मविश्वास आता है तथा एक अनुमान के अनुसार भारत में महिला भागीदारी बढ़ने से GDP 4% तक बढ़ सकता है इससे महिला आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त होगी।

1. **(b)** All correct decisions are honest and all incorrect decisions are dishonest. Do you agree? How should the correctness and incorrectness of a decision be decided? 10

सभी सही निर्णय ईमानदारी भरे होते हैं ओर सभी गलत निर्णय बेईमानी भरे होते हैं। क्या आप सहमत हैं? किसी निर्णय के सही होने और गलत होने का निर्धारण किस प्रकार किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Should birth control be a voluntary exercise or a government policy in a country? In this regard, examine the ethical dimensions of having a One Child Policy in India. 10

किसी राष्ट्र में जन्म पर नियंत्रण, स्वैच्छिक प्रयास के माध्यम से होना चाहिए या सरकारी नीति के माध्यम से होना चाहिए? इस संबंध में, भारत में एक बच्चे की नीति के नैतिक आयामों का परीक्षण कीजिए।

राष्ट्र के विकास में वहां की जनसंख्या का महत्वपूर्ण योगदान होता है यदि राष्ट्र की जनसंख्या उच्च हो जाए तो वह उसके लिए समस्या बन जाती है पर अत्यधिक जनसंख्या होने से संसाधनों पर दबाव भी बढ़ता है अतः एक उचित जनसंख्या नीति आवश्यक है

जहां तक जनसंख्या नियंत्रण की बात है एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए यह महत्वपूर्ण है इसमें जनसंख्या नीति बनानी चाहिए लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए इसे बाध्यतापूर्ण नहीं बनानी चाहिए अपितु स्वैच्छिक बनाना चाहिए तथा जनता को प्रेरित करना चाहिए तथा सरकार को प्रेरक की भूमिका निभानी चाहिए।

जहां तक बच्चे की बात है भारत की वर्तमान बढ़ती हुई जनसंख्या के संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है लेकिन इसे लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए बाध्यतापूर्वक नहीं बनानी चाहिए क्योंकि अनैतिक कार्य बढ़ेंगे तथा जहां पहले से ही

पितृसत्तात्मक समाज में यहां कन्याभ्रूण हत्या जैसे मामले बढ़ सकते हैं तथा महिला सशक्तिकरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

अतः हमें एक बच्चे की नीति पर ध्यान देना चाहिए लेकिन सेलिब्रिटी एवं महात्मा का काम प्रेरक की भूमिका में एवं विभिन्न प्रोत्साहन देना तथा लोगों की मनोवृत्ति परिवर्तन हेतु विभिन्न प्रयास करने चाहिए तथा साथ ही शिक्षा का स्तर बढ़ाना चाहिए एवं लोगों को छोटे परिवार की महत्ता बताएं तथा उनके अंधविश्वासों, गरीबी और मूलभूत कारणों को दूर करें तो निश्चित रूप से हम आगे बढ़ेंगे।

2. (b) An organisation consists of a variety of individuals with varying values and degrees of motivation. What challenges do leaders face when forging a harmonious work culture in such an organisation? How can leaders engender a sense of inclusion in face of such diversity? 10

एक संगठन का निर्माण अलग-अलग मूल्यों और अलग-अलग अभिप्रेरणा स्तर वाले विविध प्रकार के व्यक्तियों से होता है। इस प्रकार के संगठन में सामंजस्यपूर्ण कार्य-संस्कृति के विकास के मार्ग में नेतृत्व के द्वारा किन चुनौतियों का सामना किया जाता है? इस प्रकार की विविधतापूर्ण स्थिति में नेतृत्व के द्वारा कार्य करने वाले व्यक्तियों में समावेशिता की अनुभूति किस प्रकार समाविष्ट की जा सकती है?

नेतृत्व द्वारा एक श्रेष्ठ कार्यसंस्कृति में निम्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।-

(1) संगठन की कार्यकुशलता को बनाए रखना
(2) सभी सदस्यों के मध्य समन्वय स्थापित करना एवं एक टीम के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करने की चुनौती
(3) विभिन्न विरोधी हितों के टकराव की चुनौती
(4) कार्य का समय पर निष्पादन की चुनौती

अतः हम देखते हैं कि अनेक चुनौतियां पैदा होती है अतः एक श्रेष्ठ कार्यसंस्कृति हेतु निम्न रणनीति अपनाई जा सकती है

(1) सेवा अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करें, विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन करके कार्मिकों में समन्वय की भावना को बढ़ावा
(2) मनोवृत्ति परिवर्तन हेतु विभिन्न लघु फिल्में, नाटकों का आयोजन कर

देशभक्ति एवं एकता से प्रेरित करना

(3) एक आदर्श संहिता बनाकर नेतृत्व स्वयं द्वारा उसका पालन कर एक उदाहरण पेश करना।

(4) श्रेष्ठ कार्य करने वालों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन देकर प्रेरित करना एवं गलत करने वालों को दण्ड देकर हतोत्साहित करना।

(5) संगठन की कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं जवाबदेहीपूर्ण बनाना।

इस तरह हम एक संगठन के आदर्श कार्य संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Notwithstanding compassion and morality, it is national interest that ultimately determines a country's decisions in international relations. Discuss this statement in the context of the current refugee crisis. 10

दया और नैतिकता जैसे मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान होते हुए भी, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के परिप्रेक्ष्य में अंततः राष्ट्र के निर्णयों को राष्ट्रिय हितों के आधार पर ही निर्धारित किया जाता है | वर्तमान शरणार्थी संकट के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।

दया एवं नैतिकता महत्वपूर्ण मूल्य है पर सभी राष्ट्रों द्वारा अपनी विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि राष्ट्रों के लिए एकता, अखण्डता, संप्रभुता की महत्ता निर्विवाद है

जहां तक शरणार्थी संकट की बात है आज संपूर्ण विश्व इससे जूझ रहा है तथा आयलान कुर्दी की तस्वीर के बाद यह आक्रोश सभी में आ गया है विश्व में, आज जहां यूरोपीय राष्ट्र मध्य-एशियाई शरणार्थियों की समस्या से जूझ रहे वहीं रोहिंग्या, तिब्बती, अफगान, अफ्रीकी शरणार्थियों ने सम्पूर्ण विश्व के सामने चुनौती पेश की है

शरणार्थियों को लेकर विभिन्न राष्ट्रों में रोजगार, शिक्षा, नृजातीय पहचान, आतंकवादी खतरे, संसाधनों पर दबाव को लेकर, अपने देश में लोगों का विरोध को लेकर विभिन्न राष्ट्रों के सामने चिंताएं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उभरती है ~~[illegible]~~, जैसे हम भारत के उत्तर पूर्व के क्षेत्र में नक्सलवादी गतिविधियों के कारण पैदा चुनौती के क्षेत्र में देख सकते हैं।

अतः हम देखते हैं कि राष्ट्र के सामने बात केवल दया एवं नैतिकता की ही नहीं शांति एवं अखण्डता की भी उभर जाती है। ~~[illegible]~~

अतः शरणार्थी समस्या के उचित हल के लिए जरूरी है एक शरणार्थी नीति बनाने साथ हमें वैश्विक शांति को बढ़ावा देना होगा। अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए लोगों को उजाड़ना करना उचित नहीं है यह पश्चिमी राष्ट्रों, अमेरिका एवं आतंकियों सभी को समझना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) What are the ethical issues involved in climate change negotiations? Suggest some strategies to address the divergence in ethical positions of different nations. 10

जलवायु परिवर्तन पर होने वाली वार्ताओं में समाहित नैतिक मुद्दे क्या हैं? विभिन्न राष्ट्रों के नैतिक मुद्दों से संबंधित दृष्टिकोण में जो भिन्नता है, उसके का समाधान के लिए अपनाई जा सकने वाली रणनीतियों का सुझाव दीजिये।

जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक वार्ताओं में समाहित नैतिक मुद्दे निम्न हैं:-

① ऐतिहासिक दायित्व का मुद्दा अर्थात, जलवायु परिवर्तन के विकसित राष्ट्रों का ज्यादा योगदान है

② विकास का मुद्दा अर्थात विकासशील देशों के सामने गरीबी के दूर करने की चुनौती है लेकिन साथ ही पर्यावरण का ध्यान भी रखना है

③ ~~तकनीकी~~ साथ ही विकसित राष्ट्रों द्वारा अल्पविकसित एवं विकासशील राष्ट्रों को गरीबी दूर करने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु फंड उपलब्ध कराने एवं तकनीकी हस्तांतरण का भी है जिसमें विकसित राष्ट्रों ने ईमानदारी नहीं दिखाई है

④ प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन का मुद्दा बनाम कुल कार्बन उत्सर्जन का मुद्दा

अतः जलवायु परिवर्तन की वार्ताओं की सफलता हेतु अपनाई जा सकनेवाली रणनीतियाँ

① विकसित राष्ट्रों को अपनी ऐतिहासिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः उत्सर्जन क्षमता को देखते हुए विकासशील राष्ट्रों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध करवानी चाहिए।

(1) प्रत्येक राष्ट्र द्वारा अपनी स्वैच्छिक कटौती की घोषणा करनी चाहिए उदाहरण भारत द्वारा 2030 तक 2005 से 33-35% कम उत्सर्जन की बात की गई है

(3) विकसित राष्ट्रों को अपने निहित स्वार्थों से ऊपर उठकर काम करने के रूप से द्वीपीय राष्ट्रों की भी माननी चाहिए

(4) विकसित राष्ट्रों की कटौती बाध्यकारी होनी चाहिए।

अतः इस संदर्भ में पेरिस सम्मेलन 2015 महत्वपूर्ण हो सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Why is there a need for Performance Management System in an outcome oriented government? Evaluate the feasibility of peer review in context of Indian civil services. 10

एक परिणामोन्मुख सरकार में "कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली" की आवश्यकता क्यों है? भारतीय लोक सेवाओं के संदर्भ में "सहकर्मी समीक्षा" (peer review) के औचित्य का मूल्यांकन कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Discretionary power in the hands of public servants is a necessary evil. Discuss. 10

लोक सेवकों के हाथों में विवेकाधीन शक्तियाँ एक आवश्यक बुराई हैं। चर्चा कीजिए।

भारत जैसे विकासशील देश में निम्न कारण से विवेकाधीन शक्तियों की आवश्यकता है :-

(1) चूंकि प्रशासकों में अनेक विकास सम्बन्धी एवं प्रशासन सम्बन्धी कार्य करने होते हैं जिनमें कई बार तात्कालिक परिस्थितियाँ पैदा हो जाती है जिन पर निर्णय तात्कालिक रूप से लेना पड़ सकता है अतः विवेकाधीन शक्तियाँ आवश्यक है

(2) भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है अतः परिस्थितियाँ न केवल तात्कालिक रूप से पैदा होती है बल्कि इनकी प्रकृति कई बार विशिष्ट एवं जटिल होती है जिनको केवल कानूनों से हल नहीं किया जा सकता है।

(3) विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के समय, या मानव निर्मित आपदाओं के समय तत्काल निर्णय लेने की आवश्यकता होती है

अतः हम देखते हैं कि विवेकाधीन शक्तियां आवश्यक है लेकिन इन शक्तियों की आड़ में प्रशासकों द्वारा कई बार विभिन्न प्रकार के घोटाले कर दिए जाते हैं

अर्थात् अधिकांश भ्रष्टाचार की जड़ यही विवेकाधीन शक्तियां है जिसे हम विभिन्न घोटालों जैसे 2G, कामनवेल्थ, व्यापम के संदर्भ में देख सकते हैं।

अतः इन विवेकाधीन शक्ति को हम समाप्त तो नहीं कर सकते हैं परंतु इन पर नियंत्रण हेतु हमें निम्न उपाय अपनाने चाहिए

(1) एक नैतिक संहिता का निर्माण होना चाहिए

(2) इसका प्रशासनिक सुधार आयोग भी यही कहता है।

(3) विवेकाधीन शक्ति वाले पदों पर सामान्यतः ईमानदार व्यक्तियों को नियुक्त किया जाना चाहिए जो अपनी साख निष्ठा तथा ईमानदारी हेतु प्रसिद्ध रहे हों (सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964, प्रथम योजना आयोग भी ऐसी सिफारिश करते हैं)

5. (a) The landmark judgment by the Supreme Court of India recognized the transgender as a third sex. What attitudes do you notice towards the transgender people in India? Discuss some steps to facilitate a dignified life for the transgender people. 10

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णय से ट्रांसजेंडर्स को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता दी गई है। आप भारतीय परिस्थितयों में ट्रांसजेंडर्स समुदाय के लोगों के प्रति किन अभिवृत्तियों की अनुभूति करते हैं | ट्रांसजेंडर्स के लिए गरिमापूर्ण जीवन निर्माण की दिशा में उठाए जा सकने वाले क़दमों के संबंध मे चर्चा कीजिए।

हाल में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रांसजेंडर को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता देना एवं उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभ देकर ~~समा~~ समाज की मुख्य धारा में शामिल करने ~~संबंधि~~ संबंधी महत्वपूर्ण पहल है।

भारत में ट्रांसजेंडर संबंधी अभिवृत्तियाँ निम्न हैं :-

(1) उपेक्षापूर्ण व्यवहार : भारत में ट्रांसजेंडर के प्रति उपेक्षा पूर्ण व्यवहार किया जाता है

(2) सामान्य धारा में शामिल नहीं करना अर्थात् कोई व्यक्ति ट्रांसजेंडर को समाज की मुख्य धारा में शामिल नहीं करना चाहता यदि कोई व्यक्ति कभी किसी ट्रांसजेंडर के साथ खड़ा दिखाई देता है तो उनकी हंसी उड़ाई जाती है तथा उन्हें विशेष नजरों से देखा जाता है।

(3) पिछले जन्म के पापों के दण्ड के रूप में देखा जाता है कि इन्होंने पिछले जन्म में बुरे कर्म किए थे अतः इन्हें इस जन्म में भोगना पड़ रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः ट्रांसजेंडर्स के भविष्य के लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं :-

(1) सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को गंभीरता पूर्वक लागू कर उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभ प्रदान किए जाए

(2) समाज की मनोवृत्ति बदलने एवं इन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने हेतु विभिन्न नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरियां, स्थानीय भाषा में पेम्पलेट्स के माध्यम से लोगों की मनोवृत्ति बदली जाए।

(3) इनके लिए उचित प्रावास, रोजगार, शिक्षा की व्यवस्था की जाए

(4) विभिन्न राजनीतिक, शैक्षणिक भागीदारी को सुनिश्चित किया जाए

हाल में कलकत्ता में एक किन्नर का स्कूल प्रधानाध्यापिका के रूप में पदभार ग्रहण करना तथा मध्यप्रदेश में नगरपालिका के चेयरमैन का पद ग्रहण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** What key characteristics of a person conveying a message make it more persuasive? When celebrities endorse a product, they do so knowing that their endorsement will persuade people to buy it. What duty do they have towards the consumers? 10

संदेश देने वाले व्यक्ति की कौन-सी महत्वपूर्ण विशेषताएँ संदेश को और अधिक आग्रहपूर्ण बनाती हैं? जब ख्याति प्राप्त व्यक्ति किसी उत्पाद का विज्ञापन करते हैं, तो वे ऐसा यह जानते हुए करते हैं कि उनके द्वारा किसी वस्तु का किया गया विज्ञापन, लोगों को वह वस्तु खरीदने हेतु प्रेरित करेगा। इस सन्दर्भ मे उपभोक्ताओं के प्रति उनके क्या दायित्व हैं?

उत्पाद को बेचने में अभिवृत्ति परिवर्तन संबंधी मनोविज्ञान उपयोग में लाया जाता है। एक सौफ्ट "परसुएशन" हेतु संदेशकर्ता में निम्न विशेषताएं होनी चाहिए

(1) विश्वसनीयता: संदेश देने वाला विश्वसनीय होना चाहिए जैसे एक टूथपेस्ट के विज्ञापन में दंत चिकित्सक की सलाह।

(2) आकर्षक: संदेश देने वाले का व्यक्तित्व आकर्षक होने पर प्रभाव ज्यादा अच्छा पड़ता है इसी कारण विज्ञापनों में मॉडल आदि का उपयोग किया जाता है जैसे महिला वस्त्रों के विज्ञापन में ऐश्वर्या राय द्वारा करना।

(3) साथ ही हम देखते हैं कि ख्याति प्राप्त लोगों के द्वारा विज्ञापन करना लोगों को प्रभावित करता है अतः उनके निम्न उत्तरदायित्व बनते हैं:-

(1) हमेशा उत्पाद का विज्ञापन करने से पूर्व अच्छी तरह से देखना चाहिए कि इससे उपभोक्ता के स्वास्थ्य पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बुरा असर तो नहीं पड़ेगा जैसे मादक पदार्थों के विज्ञापन, धूम्रपान का विज्ञापन करने से बचना चाहिए क्योंकि ख्याति प्राप्त लोग युवाओं के रोल मॉडल होते है उदा० अमिताभ बच्चन धूम्रपान विज्ञापन नहीं करते है

(2) विज्ञापन करते समय विज्ञापनकर्ता को उस कंपनी की आचरित्र का भी पता लगाना चाहिए कहीं वह उपभोक्ताओं के साथ धोखा धड़ी तो नहीं कर रही है जैसे शारदा समूह घोटाले में शारदा समूह द्वारा मिथुन चक्रवर्ती से विज्ञापन करवाया गया।

(3) विज्ञापनकर्ता को वस्तु/सेवा की गुणवत्ता का भी ध्यान रख विज्ञापन करना चाहिए

(4) विज्ञापन केवल लाभ प्रेरित नहीं होना चाहिए।

अतः विज्ञापनकर्ता ख्याति को सदैव जनहित एवं जनलाभ को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. It is said that child labor cannot be ethical at all. Do you agree? Discuss with respect to the proposed amendments to the Child Labour Act. 10

यह कहा जाता है कि बाल-श्रम किसी भी परिस्थिति में नैतिक नहीं हो सकता। क्या आप सहमत हैं? बाल-श्रम अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ कि बाल श्रम किसी भी परिस्थिति में नैतिक नहीं हो सकता है क्योंकि बाल श्रम के माध्यम से हम उन करोड़ों बच्चों में अंतर्निहित संभावनाओं को न केवल दबाते हैं बल्कि उनके मासूम बचपन के साथ भी खिलवाड़ करते हैं।

साथ ही हमारे संविधान का अनु. 23, 24 भी हमें इस बात की अनुमति प्रदान नहीं करता है तथा हम संविधान के अनु. 21(A) में उल्लेखित निःशुल्क एवं बाल शिक्षा के मौलिक अधिकार एवं अनु. 51(क) में वर्णित मौलिक कर्तव्य प्रत्येक व्यक्ति को अंतर्निहित संभावना को विकसित करने के सपना के भी यह बात खिलाफ है।

बच्चों को श्रम कार्यों में नियोजित करने से वे अपनी शिक्षा से भी वंचित हो जाते हैं तथा उनसे स्वास्थ्य शारीरिक श्रम कराने के कारण उनके शरीर का विकास भी उचित ढंग से नहीं हो पाता है।

अतः बाल श्रम को उचित नहीं ठहराया जा सकता

हाल ही में बाल श्रम अधिनियम में संशोधन प्रस्तावित है जिसमें बच्चों को घरेलू कार्यों अर्थात माता-पिता के साथ उनके जीवन को खतरे में नहीं डालने वाले कार्य करवाए जा सकते है का प्रावधान किया जा रहा है वास्तव में देखा जाए तो भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा खेती में यदि बच्चे माता पिता का काम में हाथ बटाते हैं तो इसे बुरा नहीं माना जा सकता है साथ ही हर माता चाहते हैं उनका बच्चा सफल बने एवं इन संशोधन में खतरे वाले कार्यों में सहयोग लेने पर प्रतिबंध की बात कही गई है।

लेकिन इसी तरह हमें यह भी ध्यान रखना होगा कहीं इस प्रावधान का दुरुपयोग नहीं हो जाए, एवं बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो इस हेतु हमें मानिटरिंग प्रणाली को भी सुनिश्चितता प्रदान करनी चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Are emotions an inhibiting factor in effective decision-making? Discuss in the context of public services. 10

क्या भावनाएं प्रभावपूर्ण निर्णय लेने के मार्ग में बाधक तत्व हैं? लोक सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

भावनाएं ऐसी मनःस्थिति होती हैं जिनसे हम अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझते हैं तथा महसूस करते हैं।

जहां तक लोक सेवाओं के संदर्भ में भावनाओं ~~के बात है~~ ख़तरा (अत्यधिक) के बाधक होने की बात है तो इसे पूर्णतः स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है क्योंकि जहां एक ओर भावनाओं के कारण प्रशासक ज्यादा मानवपूर्ण निर्णय नहीं ले पाता है यथा यदि कोई प्रशासक अत्यधिक [illegible] तथा उसका अपने क्रोध पर नियंत्रण नहीं है और वह पुलिस सेवा में है तो हो सकता है वह भीड़ के साथ दुर्व्यवहार कर बैठे।

वहीं दूसरी ओर किसी प्रशासक में लोक सेवा की भावना नहीं है एवं उसके पास एक बुढ़िया पेंशन के लिए आयी है उसके पास कागजात नहीं है तो प्रशासक उसके साथ संवेदनहीन हो सकता है।

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com
Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः भावना का प्रशासन में बहुत महत्व है प्रशासन के कमजोर तबके के प्रति संवेदनशील होना तो एक बुनियादी मूल्य है

अतः बात भावना के नहीं होने की तो उठती ही नहीं चाहिए बल्कि बात यह है कि भावना नियंत्रित होनी चाहिए तथा इसका उपयोग बुद्धिमता पूर्ण होना चाहिए यह एक कौशल है जिसे ट्रेनिंग द्वारा प्रशासक में विकसित करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What do you understand by the Sarvodaya philosophy of Gandhiji? Why is Sarvodaya relevant for civil servants in India? 10

गांधीजी के सर्वोदय दर्शन से आप क्या समझते हैं? भारत में लोक सेवकों के लिए सर्वोदय क्यों प्रासंगिक है?

गांधीजी के सर्वोदय का आशय है सबका सब प्रकार से उत्थान। अर्थात, अमीर, गरीब पुरुष, महिला आदि सभी का उत्थान एवं सब प्रकार से उत्थान का आशय सामाजिक उत्थान, धार्मिक उत्थान, राजनीतिक उत्थान, नैतिक उत्थान।

जहां अमीर आर्थिक रूप से सम्पन्न होते है लेकिन नैतिक एवं आध्यात्मिक रूप से कमजोर होते है वहीं गरीबों का आर्थिक उत्थान आवश्यक है।

साथ ही गांधीजी के सर्वोदय में किसी प्रकार का लिंग भेद नहीं है तथा यह अन्य पूर्ववर्ती एवं समकालीन दर्शनों यथा मार्क्सवाद, डार्विन के योग्यतम की उत्तरजीविता, उपयोगितावाद से श्रेष्ठ है क्योंकि इन सब सिद्धांतों में किसी न किसी के बलिदान की बात है जबकि गांधी के सर्वोदय में सब के हित/कल्याण का निहितार्थ है।

भारत में लोक सेवकों के संदर्भ में सर्वोदय महत्वपूर्ण है क्योंकि

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

① भारत एक विकासशील देश है जो विकास की तरफ बढ़ रहा है अतः लोक सेवकों को विकास संबंधी अनेक कार्य करने पड़ते हैं अतः उनमें भ्रष्टाचार की संभावना रहती है।

② भारत में आज भी सामाजिक स्तर पर अनेक विभिन्नताएँ यथा जातिवाद, छुआछूत, लिंग भेद विद्यमान है।

③ हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है अतः इन विविधताओं के मध्य एकता लाने हेतु।

④ हमारे देश में आज भी अमीरी-गरीबी, ग्रामीण-शहरी विभाजन मौजूद है।

⑤ विकास संबंधी विषमताएं, पर्यावरणीय समस्याएं, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता जैसी समस्याओं का हल सतत, त्वरित, समावेशी विकास हेतु।

⑥ राजनीति के अपराधीकरण को रोकने हेतु

अतः आज गांधी का सर्वोदय हमारे लिए श्रेयस्कर है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are the leader of a 5 member team that has been assigned to carry out social impact assessment of a project proposed in a Naxal area. Members have been allotted a remote village each to conduct surveys and ascertain views of local people. You are under strict instructions not to disclose the identity of respondents outside the project. While compiling data, you are puzzled by the responses from one of the villages. You accompany the point-person for that village next day for verification. You randomly pick a person from the list of respondents and ask her for clarification of the response she had given earlier. She seems confused and denies any knowledge of the survey being conducted, let alone she being questioned. You try to verify this from other respondents and get similar replies. This raises serious doubts about the integrity and credibility of the survey process.

(a) What are the ethical issues involved in the situation?

(b) As a team leader accountable for credibility of the survey and working on a hard timeline, what are the possible options before you? List their merits and demerits.

(c) Giving reasons, state the course of action you would follow. 20

आप एक पांच सदस्यीय टीम के नेतृत्वकर्ता हैं , जिसे नक्सल क्षेत्र में प्रस्तावित एक परियोजना के सामाजिक प्रभाव आंकलन का कार्य सौंपा गया है। सर्वेक्षण करने और स्थानीय लोगों के दृष्टिकोण का पता लगाने के लिए प्रत्येक सदस्य को एक सूदूरवर्ती गांव आवंटित किया गया है। आपको सख्त निर्देश दिए गए हैं कि उत्तरदाताओं की पहचान को परियोजना से बाहर प्रकट नहीं किया जाए। आंकड़ों को संकलित करते समय, आप एक गाँव से प्राप्त उत्तरों से उलझन में पड़ जाते हैं। आप उस गाँव हेतु नियुक्त व्यक्ति (प्वाइंट पर्सन) के साथ अगले दिन सत्यापन करने जाते हैं। आप उत्तरदाताओं की सूची में से यादृच्छिक रूप से एक व्यक्ति का चयन करते हैं और उससे कहते हैं कि वह पहले दिए गए अपने उत्तरों का स्पष्टीकरण करे। वह कुछ भ्रमित प्रतीत होती है और न केवल स्वयं से प्रश्न पूछे जाने, वरन् सर्वेक्षण किए जाने के संबंध में जानकारी होने तक की बात भी नकारती है। आप इस तथ्य को अन्य उत्तरदाताओं से सत्यापित करने का प्रयास करते हैं और एक समान उत्तर प्राप्त करते हैं। यह सर्वेक्षण प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है।

(a) इस परिस्थिति से सम्बंधित नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) आप इस टीम के नेतृत्वकर्ता के रूप में सर्वेक्षण की विश्वसनीयता हेतु और निश्चित समय-सीमा के अंतर्गत कार्य पूर्ण करने हेतु उत्तरदायी हैं | ऐसे में आपके सामने संभावित विकल्प क्या हैं? उन विकल्पों के लाभ और हानियों को सूचीबद्ध कीजिए।

(c) इस संबंध में आपके द्वारा की जाने वाली कार्यवाही का उल्लेख करें | इसके साथ ही कारण को भी स्पष्ट करें।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरे सामने नैतिक मुद्दे :-
1. सामाजिक प्रभाव आकलन की विश्वसनीयता
2. गांव के लोगों के हित
3. अपनी टीम की सत्यनिष्ठा

मेरे पास उपलब्ध विकल्प
1. टीम सदस्य द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्तरों को मान लूँ एवं आगे बढूँ। इस विकल्प को अपनाने से मेरे काम समयबद्ध होगा व का दबाव भी कम होगा पर अभी तक जो काम मुझे सौंपा गया है उसमें एक सिविल सेवक होने के नाते मुझसे दक्षता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, विश्वसनीयता, पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है अतः इस दृष्टि से यह विकल्प उचित नहीं है साथ ही यह विकल्प सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964, संवैधानिक दायित्वों के भी विरुद्ध है एवं साथ उस क्षेत्र के लोगों की आजीविका भी जुड़ी हुई है।

2. टीम के सदस्य को पुनः आकलन का कहूँ। यह विकल्प इस नियम से तो उचित है कि पुनः आकलन से उस क्षेत्र की सही जानकारी सामने आएगी लेकिन चूँकि मुझे समय पर रिपोर्ट भी देनी है अतः इसमें पुनः समय लगेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस दृष्टि से यह उचित नहीं था या मसलों

(3) स्वयं ओवरलैप करूँ तथा टीम के सदस्य पर कड़ी कार्यवाही की सिफारिश करूँ तथा साथ ही अतिरिक्त समय निकालकर अन्य सदस्यों को निर्देशन देता रहूँ। यह विकल्प इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इससे मेरी विश्वसनीयता बनी रहेगी तथा चूँकि परियोजना पहले से ही नक्सल प्रभावित इलाके से है अतः उस क्षेत्र को उचित ओवरलैप से सेवा मेरी सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी साथ ही लोगों का प्रशासन पर विश्वास और बढ़ेगा जो किसी नक्सल क्षेत्रों में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है साथ ही टीम सदस्य पर कड़ी कार्यवाही करके उसे दण्ड देना भी उचित होगा क्योंकि उसने लापरवाही बरती है तथा सिविल सेवा के बुनियादी मूल्य सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता का उल्लंघन किया है साथ ही सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 में वर्णित प्रत्येक सिविल सेवक कार्य को उच्च गुणवत्ता से संपादित करेगा की भी अनदेखी की है।

अतः मैं तीसरे विकल्प को चुनूँगा क्योंकि इससे टीम की विश्वसनीयता, सत्यनिष्ठा

एवं ईमानदारी बनी रहेगी साथ ही दोषी को दण्ड भी मिलेगा तथा अतिरिक्त समय में कार्य का कार्य को समय पर पूरा किया जाने की बात है तथा साथ ही कार्य की गुणवत्ता प्रभावित न हो इसलिए कर्मों को समय समय पर निरीक्षण एवं जाँच की बात भी कर विश्लेष में है साथ ~~[illegible]~~ में इस बात से उच्च अधिकारियों को अवगत भी कराऊँगा ताकि ~~सामाजिक~~ संगठित प्रतिबद्धता बनी रहे एवं इससे जवाबदेहीता एवं ~~स्वच्छ~~ पारदर्शिता सुनिश्चित होगी साथ ही मैं उनसे समयावधि बढ़ाने का विनम्र अनुरोध भी करूँगा ताकि पूर्ण गुणवत्ता के साथ रिपोर्ट दे सकूँ

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Gajendra, once a struggling film actor, was accused and later exonerated of rape charges, which the jury found out to be motivated and fake. Not able to cope up with the situation, he changed profession and moved on. Thirty years later, while his closest friends know about the incident but his co-workers do not. One day, out of curiosity, he searches for his name on the internet, and to his surprise, finds that the third entry that comes up is an old report in a local newspaper about the rape charges he faced.

Gajendra is upset; after all these years, he would like to be able to disclose the event only to whomever he wants. He has heard about the decision of European Court of Justice which allows individuals to submit requests to a search engine to remove certain results from searches on their names, and citing the same, requests the search engine and media outlet to remove the results.

Valid arguments can be advanced for making the Right to be Forgotten a fundamental right? What those arguments could be? What limitations, if any, can it be subjected to? Should there be any obligations on the search engines regarding cases which are no longer relevant, as the one mentioned above? 20

गजेन्द्र एक संघर्षरत फिल्म अभिनेता था। पहले तो उसे अभियुक्त बनाया गया और फिर बाद में उसे बलात्कार के आरोपों से मुक्त कर दिया गया। इन आरोपों को न्यायिक पीठ ने दुर्भावना से अभिप्रेरित और झूठा पाया। इस स्थिति का सामना न कर पाने के कारण उसने अपने पेशे में परिवर्तन करते हुए आगे का जीवन निर्वाह किया। तीस वर्ष पश्चात्, उसके घनिष्ठतम मित्रों को इस घटना के बारे में पता है किन्तु उसके सहकर्मी इस बात को नहीं जानते हैं। एक दिन उत्सुकतावश वह इंटरनेट पर अपने नाम की खोज करता है और आश्चर्यजनक रूप से यह पाता है दृष्टिगत तीसरी प्रविष्टि एक स्थानीय समाचारपत्र में उसके द्वारा सामना किए गए बलात्कार के आरोपों के बारे में एक पुरानी रिपोर्ट की है।

गजेन्द्र परेशान है; इतने वर्षों के बाद, वह इस घटना को केवल अपनी पसंद के लोगों के समक्ष प्रकट करना चाहेगा। उसने यूरोपीय न्यायालय के उस निर्णय के बारे में सुना है, जो व्यक्तियों को अपने नाम से की जाने वाली खोज संबंधी कुछ परिणामों को हटाए जाने हेतु सर्च इंजन को निवेदन प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता है और उसी का उद्धरण देते हुए, सर्च इंजन और मीडिया आउटलेट को परिणामों को हटाए जाने हेतु निवेदन करता है।

क्या "भुला दिए जाने के अधिकार" को मौलिक अधिकार बनाने हेतु वैध तर्क दिए जा सकते हैं? वे तर्क क्या हो सकते हैं? यदि उनकी कोई सीमाएं हैं तो वे सीमाएं क्या होंगी? ऊपर उल्लिखित प्रकरण की भांति अन्य अप्रासंगिक प्रकरणों के संबंध में क्या सर्च इंजनों का कोई दायित्व होना चाहिए?

उत्तर गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने के अधिकार में भुला दिए जाने का अधिकार भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाता है इस संदर्भ में निम्न तर्क दिए जा सकते हैं

(1) जिस तरह अभिव्यक्ति की आजादी में वह

क्या अभिव्यक्त करना चाहता है उसका मौलिक अधिकार है उसी प्रकार क्या याद नहीं रखना है यह भी अनु० 19(1)(a) के तहत मूल अधिकार होना चाहिए

(2) प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार अनु० 21 में भुलाने के अधिकार बिना गुणवत्ता पूर्वक जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है

(3) निजता का अधिकार मानव गरिमा एवं स्वतंत्र जीवन से जुड़ा है तो इसमें भुलाने का अधिकार भी शामिल होना चाहिए

(4) बेल्जियम के नागरिक के विरुद्ध में यूरोपीय न्यायालय द्वारा भी भुलाने के अधिकार को मूल अधिकार माना है।

जहाँ तक इसकी सीमा की बात है तो निम्न सीमाएं हो सकती हैं :-

(1) चूंकि संविधान के अनु० 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय रिकॉर्ड न्यायालय है अतः इनका हर फैसला एक कानून है अतः इसे छिपा नहीं सकते है।

(2) केस स्टडी में ऐसे मामले उपयोगी हो सकते हैं

(3) अभी तक संपूर्ण विश्व में इस विषय में कोई सर्वमान्य कानूनी ढांचा बना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नहीं है।

(4) रोजगार तकनीकी के युग में यह बहुत कठिन कार्य है।

जहाँ तक गूगल देखने के दायित्व की बात है तो निम्न दायित्व बनते हैं -

(1) वे व्यक्ति की निजता के स्वीकार करें तथा एक ऐसी प्रणाली विकसित करें जिसमें कोई व्यक्ति कोई ऐसी बात जो सार्वजनिक न करना चाहे उसे तुरंत लिखित सूचना प्राप्त होते ही हटा दें।

(2) किसी व्यक्ति से संबंधित सूचना एवं सामग्री जारी करते समय उसको उसके बारे में जानकारी देनी चाहिए तथा उसके आज्ञा ~~लेनी~~ लेने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

अंततः इस तकनीकी का विकास मानवजीवन को आनंददायी बनाने के लिए हुआ है न कि परेशानी के लिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the officer in charge of overseeing refugees' related issues in a multilateral humanitarian organisation. There is an ethnicity based civil war going on in a region and as a result, many people are being displaced. Hitherto, the economically better-off neighbouring countries have accommodated the streams of migrants with financial support from your organisation. The violence in the region has increased recently and the flux of people seeking refuge has grown substantially. With countries sealing their borders, the refugees are left in a vulnerable situation. You are sent to negotiate for humanitarian settlement of refugees with the neighbouring countries, who also happen to be a powerful economic bloc. However, they refuse any more accommodation on the following grounds:

(a) Drainage of resources in face of subdued economic conditions.

(b) Domestic political repercussions.

(c) Rehabilitation will encourage more influx and indirectly fuel the persecutors.

(d) Permanency of settlement in face of better prospects than at home.

What are the counter-arguments that can be cited to convince the countries for an immediate solution? Suggest some long term measures as well that should be followed to address the problem. 20

आप एक बहुपक्षीय मानवतावादी संगठन में शरणार्थियों से संबंधित मुद्दों के निरीक्षण हेतु प्रभारी अधिकारी हैं। एक क्षेत्र में नस्ल आधारित गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है, परिणामस्वरूप अनेक लोग विस्थापित हो रहे हैं। अभी तक, आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति वाले पड़ोसी देशों ने आपके संगठन से प्राप्त वित्तीय सहायता से प्रवास करने वाले लोगों के जत्थों को स्थान दिया है। हाल ही में क्षेत्र में हिंसा बढ़ गयी है और शरण चाहने वाले लोगों का प्रवाह अत्यधिक बढ़ गया है। देश अपनी सीमाओं को सील कर रहे हैं, जिससे शरणार्थी सुभेद्य स्थिति में हैं। आपको उन पड़ोसी देशों से शरणार्थियों हेतु मानवतावादी आधार पर रहने की व्यवस्था करने हेतु वार्ता के लिए भेजा गया है। वे पड़ोसी देश आर्थिक रूप से शक्तिशाली गुट हैं। हालांकि वे निम्नलिखित आधारों पर और अधिक शरणार्थियों को स्थान देने से मना कर सकते हैं:

(a) गिरती हुई आर्थिक स्थिति करने के कारण संसाधनों की कमी।

(b) घरेलू राजनैतिक प्रभाव।

(c) पुनर्वास और अधिक अंतर्वाह को प्रोत्साहित करेगा और अप्रत्यक्ष रूप से उत्पीड़कों या अत्याचारियों को उत्तेजित करेगा।

(d) अच्छी संभावनाओं के कारण अपने मूल देश की अपेक्षा यहीं पर स्थायी रूप से बस जाना।

इन विकल्पों के विपक्ष मे दिए जाने वाले तर्क कौन से हैं, जिनके माध्यम से राष्ट्रों को तत्काल समाधान के लिए राजी किया जा सकता है। कुछ दीर्घावधिक उपायों का सुझाव भी दीजिए जिनका समस्या के समाधान के लिए पालन किया जाना चाहिए।

विकल्प (a) गिरती हुई आर्थिक स्थिति के कारण संसाधनों में कमी। इस विकल्प के विपक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि मानव जीवन बेहद मूल्यवान है तथा इसे बचाना चाहिए

है साथ ही शरणार्थियों को शरण दिए जाने से भागी नहीं है कि राष्ट्र पर बोझ बनें वे अपनी क्षमता एवं मेहनत के बल पर राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में अपनी भागीदारी निभा कर राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक भी ले जा सकते हैं तथा श्रम निर्माणों का निर्माण भी हो सकते हैं।

विकल्प (b) चालू राजनीतिक प्रयास। इस विकल्प के विपक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि लोकतांत्रिक राष्ट्रों में राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद हो सकते हैं पर उनमें विभिन्न संयुक्त बैठकों के माध्यम से एक उपयुक्त हल भी निकाला जा सकता है तथा जनमत को भी इस दिशा में प्रेरित किया जा सकता है हां, यह कठिन अवश्य है लेकिन असंभव तो नहीं है।

विकल्प (c) जहां तक संदिग्ध आतंकवादी एवं अप्रत्यक्ष रूप से उत्पीड़कों को उत्तेजित करने की बात है तो इसके विपक्ष में यह कहा जा सकता है और आतंक के भय से भागे हुए लोगों के साथ तो खिलवाड़ नहीं किया जा सकता है तथा यह भी हो सकता है इससे आतंकवादियों पर कार्यवाही न करने का दबाव बढ़े।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प (4) अच्छी भावनाओं के आधार स्थायी रूप से बस जाने के विपक्ष में यह तर्क दिया जा सकता है कि राष्ट्र अपनी एक तात्कालिक एवं दीर्घकालिक नीति बना सकता है जिसमें तात्कालिक रूप से शरण दे लेकिन दीर्घकालिक नीति में वैश्विक समुदाय पर इस दिशा में दबाव डाले के शांतिपूर्ण कार्य करके चाहिए तथा संयुक्त राष्ट्र सेना आदि के माध्यम से उचित शांति स्थापित करवाकर लोगों को पुनः अपने देश में पुनर्वास किया जा सकता है जैसा भी हो जाए क्योंकि अपनी मातृभूमि से एक नैसर्गिक लगाव होता ही है।

~~इस दीर्घकालिक उपाय~~

अतः हम निम्न दीर्घकालिक उपाय कर सकते हैं।

(1) वैश्विक शांति संस्थाओं को और मजबूत बनाकर, उनकी कार्यवाही एवं पद्धति को तेज और लोकतांत्रिक बनाना होगा।

(2) आतंकी गतिविधियों के प्रति एक वैश्विक रणनीति एवं आतंकी गुटों एवं आतंक प्रोत्साहित करने वाले राष्ट्रों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का अंतर्राष्ट्रीय बहिष्कार करे

(3) आतंकी गुटों के फंडिंग स्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण लगाना।

(4) राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना अर्थात् पंचशील अपनाकर

(5) शरणार्थी संबंधी एक वैश्विक नीति बनाना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are a Divisional Forest Officer (DFO) in an urban district. The forest cover in the district is as low as 11% and it needs to be increased as per government guidelines. By ecological and environmental perspective also it is imperative that more trees should be planted.

However, you find out that while there is a grant of Rs. 1.5 crore for your division to plant trees under the Hariyali Scheme, most of this fund is lying unused. Since, it is December and as per government rules all the unused grant should be returned to the government as the financial year closes, it seems you will have to return the money completely.

Also, there are strong indications from the ministry that government is mulling over a budgetary cut on Hariyali mission because most of the funds go unused. There is a strong possibility that if you return the money in this financial year you wont get it in the next financial year and even if you get, it will be a very insignificant amount.

Indicate various options that you think are available in this situation. Evaluate these options and choose the most appropriate path to be adopted? 20

आप एक शहरी जिले में मंडल वन अधिकारी (डी.एफ.ओ.) हैं। जिले में वनाच्छादन 11 प्रतिशत कम है और इसे सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार बढ़ाया जाना है। पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी अधिक संख्या में वृक्षारोपण किया जाना अनिवार्य है।

यद्यपि आप यह पाते हैं कि आपके मंडल (डिवीजन) में हरियाली योजना के अधीन वृक्षारोपण हेतु 1.5 करोड़ रुपए का अनुदान है, लेकिन इस फंड का अधिकांश भाग अप्रयुक्त है। चूंकि यह दिसंबर का महीना है और सरकारी नियमों के अनुसार, समस्त अप्रयुक्त अनुदान सरकार को लौटा दिया जाना चाहिए क्योंकि वित्तीय वर्ष समाप्त हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि आपको पूरी राशि लौटानी होगी।

साथ ही, मंत्रालय से इस बात के निश्चित संकेत हैं कि सरकार हरियाली योजना के अंतर्गत बजट कम करने पर विचार कर रही है क्योंकि फंड का अधिकांश भाग अप्रयुक्त रह जाता है। इस बात के निश्चित संकेत हैं कि यदि आप वित्तीय वर्ष में राशि लौटाते हैं तो अगले वित्तीय वर्ष में यह आपको नहीं मिलेगा और यदि मिल भी जाता है तो वह राशि बहुत कम होगी।

स्वंय के अनुसार इस स्थिति में उपलब्ध विभिन्न विकल्पों के संबंध में बताएं। इन विकल्पों का मूल्यांकन करें और अपनाए जा सकने वाले सर्वाधिक उपयुक्त मार्ग का चयन करें।

विकल्प (1) ~~[illegible]~~ पूरी राशि को लौटा दूं। कानून पर उचित है तथा इससे मैं वित्तीय रूप से पाक साफ रहूंगा तथा मेरे ऊपर वित्तीय अनियमितता के आरोप भी नहीं लगेंगे। लेकिन इसी तरह मैं ऐसे क्षेत्र का मण्डल वन अधिकारी हूं जहां मात्र 11% ही वन क्षेत्र है ~~[illegible]~~ साथ ही अगले वर्ष अनुदान

राशि में कमी के भी संकेत हैं अतः यदि मैं पूर्ण राशि लौटाता हूँ तो मैं वनारोपण नहीं कर सकता हूँ अर्थात मैं अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण ईमानदारी, सत्यनिष्ठा से नहीं निभा रहा हूँ तथा साथ ही मार्ग एवं उद्देश्य एवं नागरिक केन्द्रित प्रशासन के भी विपरीत है क्योंकि यहां मैं नागरिक कल्याण न देकर प्रक्रिया को ज्यादा महत्व दे रहा हूँ

विकल्प (2) राशि नहीं लौटाऊँ तथा सम्पूर्ण राशि का उपयोग कर लूँ। इस विकल्प से वृक्षारोपण हो जाएगा तथा राशि का भी उचित उपयोग होगा लेकिन चूंकि ऊपर से राशि वापस लौटाने का आदेश है अतः ऐसा करना नागरिक प्रतिबद्धता के विपरीत तो है ही सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 के अनुसार भी गैर वैधानिक होगा साथ ही इसके सिलसिले में गलत धारणा पड़ेगी एवं मेरे स्वयं के ऊपर वित्तीय अनियमितता जैसे आरोप भी लग सकते हैं।

विकल्प (3) राशि को लौटा दूँ लेकिन उस क्षेत्र के वनों की ~~...~~ वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट बनाकर भेजूँ तथा साथ ही उस राशि को अगले वर्ष दी जाने वाली राशि

के साथ साथ उसे पुनः हरियाली योजना में देने की विनम्र निवेदन करूंगा। इससे एक तरफ मेरी सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता बनी रहेगी तथा उच्च अधिकारियों को भी वास्तविक स्थिति का पता चलने पर एवं राशि के उचित उपयोग का निवेदन करने पर अगले साल की हरियाली परियोजना में इसे पुनः भी प्रदान किया जा सकता है।

अतः मैं तीसरे विकल्प को चुनूंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You, an anthropologist, have developed cordial relations with a tribal community which was hitherto isolated from rest of the humanity. Notwithstanding increased interest of researchers and media for the newly discovered tribe, you are the only person from outside whom they trust. They are ardent believers in their goddess and, trusting you, take you to her abode on a holy mountain. To your surprise, you find that the mountain is a reservoir of Uranium that can be used in your power-starved country's nuclear power plants. Besides, you are aware that Uranium being radioactive, it is highly risky to go near the mountain. You try to convince the people about harmful effects it can have and the utilitarian value that it possess for the country. However, they are in no mood to argue and politely ask you to leave. You fear that very soon the outside world will find about this and the vulnerable tribe would be displaced from their land.

(a) Evaluate the following courses of action which you can take for their ethical merits and demerits:

i. You would continue to convince the people yourself about the possible consequences and urge them to relocate.

ii. You would call in local and national NGOs for protecting the rights of the people against the State and file a PIL in Supreme Court if the State proceeds with dispossession.

iii. You would yourself tell the government and the scientific community about the reserves and let them proceed in their own way.

(b) Without restricting yourself to the above options, state the course of action that you would take and why? 20

आप एक नृविज्ञानी हैं और आपने वैसे जनजातीय समुदाय के साथ मधुर संबंध बनाए हैं जो अब तक शेष मानवजति से पृथक था। नई खोजी गई जनजाति में मीडिया और शोधकर्ताओं की बढ़ती रूचि के पश्चात् भी आप अकेले ऐसे बाहरी व्यक्ति हैं जिन पर वे विश्वास करते हैं। वे अपनी देवी के अनन्य उपासक हैं और आप पर विश्वास करते हुए एक दिन वे आपको एक पवित्र पहाड़ पर स्थित उसके वास स्थल पर ले जाते हैं। आप इस बात से आश्चर्यचकित हो जाते हैं कि वह पहाड़ यूरेनियम का भंडार है जिसका उपयोग ऊर्जा की कमी से जूझते आपके देश के नाभकीय ऊर्जा संयंत्रों में किया जा सकता है। साथ ही, आप इस बात से भी अवगत हैं कि यूरेनियम के रोडियोधर्मी होने के कारण पहाड़ के निकट जाना अत्यधिक संकटपूर्ण है। आप लोगों को इसके क्षतिकारक प्रभावों और राष्ट्र के लिए इसकी उपयोगिता के मूल्य के संबंध में समझाने का प्रयास करते हैं। चूंकि वे अभी किसी तर्क-वितर्क की मुद्रा में नहीं हैं और आपसे सविनय चले जाने को कहते हैं। आपको इस बात का भय है कि शीघ्र ही बाह्य जगत इस संबंध में जान जाएगा और सुभेद्य जनजातीय लोग अपनी भूमि से विस्थापित हो जाएंगे।

(a) नैतिक औचित्य और अनौचित्य के आधार पर आपके द्वारा उठाए जाने वाले कदम का मूल्यांकन करें:

i. आप लोगों को संभावित परिणामों के संबंध में समझाना जारी रखेंगे और उन्हें पुनर्स्थापित होने को प्रेरित करेंगे।

ii. आप राज्य के विरुद्ध निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थानीय एवं राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों को आमंत्रित करेंगे और यदि राज्य निर्वासन की दिशा में बढ़ता है तो आप सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका प्रस्तुत करेंगे।

iii. आप स्वयं सरकार एवं विज्ञान जगत को भंडार के संबंध में बताएंगे तत्पश्चात उन्हें उनकी इच्छानुसार कार्यवाही के लिए स्वंतत्र छोड़ देंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) अपने आपको उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित न करते हुए, उन उपायों को बताएं जिन्हें आप अमल में लाना चाहेगें। ऐसा करने का कारण भी बताएं।

विकल्प (1) यह विकल्प इस विषय में एक उचित विकल्प है कि लोगों को समझाना जारी रखूंगा इसके फायदे यह है कि यूरेनियम के खनन से उस जाति पर पड़नेवाले दुष्प्रभाव से उन लोगों को बचा लूंगा तथा साथ ही राष्ट्र के लिए बढ़ती हुई ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्रोत उपलब्ध हो जाएगा। परंतु इसके एक जनजाति जो इस क्षेत्र में निवास कर रही है उनके विस्थापित होने का भय है साथ ही चूंकि वह अभी लोगों में घुली मिली भी नहीं है तो इन लोगों के साथ वह विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य, सामाजिक, आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़े। साथ ही उनके अस्तित्व पर भी खतरा आ सकता है।

विकल्प (2) यह विकल्प जनजाति के अधिकारों की सुरक्षा की दृष्टि से उचित है तथा ऐसा करने से जनजाति के अधिकार सुरक्षित हो सकते है लेकिन साथ ही यहां कुछ समस्याएं भी पैदा हो सकती है जैसे

तस्करों का यहां पर प्रभाव बढ़ जाए तथा गैर कानूनी गिरोहों को आमंत्रित करने से हो सकता है उस क्षेत्र में आवाजाही बढ़ जाए जो पर्यावरण एवं लोगों के स्वास्थ्य दोनों की दृष्टि से हानिकारक हो तथा लोगों की आजीविका भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी तथा मेरी विश्वसनीयता पर भी अंगुली उठेगी क्योंकि मैंने आदिवासियों की विश्वसनीयता को तोड़ा है।

विकल्प (3) यह विकल्प समाज की ऊर्जा जरूरत पूरी करने के संदर्भ में तो उपयुक्त है लेकिन चूंकि आदिवासियों ने मेरे पर विश्वास करके मुझे इस बारे में जानकारी दी अतः सरकार की इच्छा उनका कार्यवाही पर छोड़ना विश्वासघात तो होगा ही साथ ही यह मेरी पलायनवादी प्रवृत्ति को भी दर्शाता है।

अतः मैं आदिवासियों को समझाने वाली रखूंगा तथा साथ ही साथ उनका विश्वास और अर्जित करने का प्रयास करूंगा इस दिशा में मैं विभिन्न नवाचारी उपाय के रूप में आधुनिक उपकरणों यथा टेबलेट के माध्यम से उन लोगों को कुछ ऐसी आदिवासी जातियों के बारे दिखाकर उनके सामान्य लोगों के साथ मेलजोल बताकर तथा

विभिन्न पोस्टरों, नाटक करके उनकी अभिवृत्ति में परिवर्तन लाने का प्रयास करूँगा। तथा उनकी स्थानीय भाषा में उन्हें ~~समझ~~ समझाने, पढ़ाने का प्रयास करूँगा। तथा उनमें यह विश्वास दिलाने का प्रयास करूँगा। कि लोग उनके सहयोगी है दुश्मन नहीं।

साथ ही सरकार से तात्कालिक रूप से उन लोगों के लिए उचित स्वास्थ्य शिक्षा की व्यवस्था की सुधारिश करूँगा। तथा जब तक लोग एक सामान्य जीवन की समझ पैदा न कर लें तब तक वहां दखल न करने हेतु निवेदन करूँगा। साथ ही उन लोगों में सामान्य शिक्षा के बाद उनके लिए वैकल्पिक रोजगार के अवसर पैदा करने के बाद वहाँ पर पेसा अधिनियम के तहत विशेष ग्राम सभा आदि से अनुमति लेना उसके उचित प्रावधान के बाद आदिवासी और वनाधिकार अधि०-2006 के अनुसार व्यवस्था का ध्यान की सिफारिश करूँगा। ताकि आदिवासियों के अधिकारों की भी सुरक्षा हो तथा राष्ट्र की ऊर्जा जरूरत भी पूरी हो।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. A junior member of staff has just returned to work after taking special leave to care for her elderly mother. For financial reasons she needs to work full-time. She has been having difficulties with her mother's home care arrangements, causing her to miss a number of team meetings (which usually take place at the beginning of each day) and to leave work early. She is very competent in her work but her absences are putting pressure on her and her overworked colleagues. You are her manager, and you are aware that the flow of work through the practice is coming under pressure. One of her male colleagues is beginning to make comments such as "a woman's place is in the home", and is undermining her at every opportunity, putting her under even greater stress.
What possible steps can you take to ensure that the work of the team does not suffer while also taking other humanitarian considerations into account. 20

अपनी बुजुर्ग मां की देखभाल के लिए विशेष छुट्टी पर रहने के पश्चात् एक कनिष्ठ कर्मी कार्य पर लौटी है। वित्तीय कारणों से उसे पूरे समय कार्य करने की आवश्यकता है। उसे अपनी मां के लिए घर पर देखभाल की व्यवस्था करने में कठिनाई आ रही है जिस कारण वह कई टीम बैठकों (जो प्रायः प्रति दिन, दिन के आरंभ में होते हैं) में उपस्थित नहीं हो पा रही है और वह कार्यालय से घर भी जल्दी चली जाती है। वह अपने कार्य में बहुत ही सक्षम है, लेकिन उसकी अनुपस्थित उसके ऊपर और काम के बोझ तले दबे उसके सहकर्मियों के ऊपर दबाव का कार्य कर रही है। आप एक प्रबंधक हैं और आप इस बात से अवगत हैं कि इस चलन से कार्य प्रवाह पर दबाव पड़ रहा है। उसके एक पुरुष सहकर्मी ने "एक महिला का स्थान घर में होता है" जैसे ताने भी मारने आरंभ कर दिये हैं और वह उसे प्राप्त हो सकने वाले प्रत्येक अवसर के संबंध मे कमजोर बना रहा है जिससे वह और भी गहन तनाव का अनुभव कर रही है।
सभी मानवीय पहलुओं का ध्यान रखते हुए, इन परिस्थितयों मे टीम का कार्य प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आप कौन से कदम उठायेंगें?

मैं निम्न कदम उठाऊँगा :-

(1) सबसे पहले उस कनिष्ठ महिला कर्मी से इस संदर्भ में बातचीत करूंगा एवं उनकी इस समस्या के सभी पहलुओं से अवगत होने का प्रयास करूँगा तथा इस संदर्भ में उनकी माँ की देखभाल के कुछ वैकल्पिक तौर तरीकों के संदर्भ में भी उनसे बड़ी विनम्रता से जानकारी प्राप्त करूंगा।

(2) जहाँ तक प्रातः देर से आने की बात है जिससे वह कई बैठकों में भाग नहीं ले पाती है तो इस संदर्भ में मैं यह प्रयास करूँगा कि वह प्रातः दिन आरंभ की बैठकों में उपस्थित हो इस हेतु सामने आ रही समस्या पर उससे बातचीत करूँगा तथा उसकी माँ के लिए उस समय यदि कोई आवश्यकता हो तो उसे आया रखने तथा इस संदर्भ में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों जैसे 'हेल्पेज इंडिया' वृद्धाश्रम के लोगों से सहायता लेने में मदद करूँगा ताकि उसकी मीटिंग के दौरान भी लोग उसकी माँ की ~~हेल्प~~ सहायता कर सकें।

(3) जहाँ तक शाम को जल्दी घर जाने की बात है इस संदर्भ में भी उपरोक्त उपाय ~~[illegible]~~ उठाऊँगा।

(4) जहाँ तक उसके कार्यों का प्रभाव दूसरे कर्मियों की दक्षता को भी प्रभावित कर रहा है तो उसके हल के लिए मैं स्वयं भी अपने ऑफिस टाइम के अतिरिक्त समय पर उसके बचे हुए कार्यों तथा खाना खाने के समय का उपयोग कर अन्य कर्मियों का सहयोग करूँगा तथा वो उस महिला से बात कर उसको फ्लेक्सिबल कुछ वैकल्पिक समय जैसे रविवार आदि में भी उसकी सुविधानुसार व्यवस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करने का प्रयास करूंगा। साथ ही अन्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करूंगा।

(5) जहाँ तक प्रबंध सहकर्मी द्वारा ताने मारने की बात है इसके लिए मैं निम्न कदम उठाऊंगा

→ सबसे पहले महिला की लिखित शिकायत ग्रहण करूंगा तथा इसकी जाँच के लिए कार्यालय में महिला यौन उत्पीड़न समिति से जाँच करवाऊंगा तथा जाँच में दोषी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की सिफारिश करूंगा क्योंकि कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय के विशाखा दिशा निर्देश, यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 भारतीय दण्ड संहिता एवं सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 के अनुसार एक दण्डनीय अपराध है। तथा साथ ही संवैधानिक मूल्यों (SIR) के भी विपरीत है।

साथ ही कार्यालय में महिलाओं के प्रति सम्मान को बढ़ाने के लिए एक अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करने हेतु एवं पुरुषवादी मानसिकता को

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन लोगों हेतु कार्मिकों के लिए ~~एक~~ नियत
समय पर लघु फिल्मों एवं नाटकों का
आयोजन कर उनकी मनोवृत्ति परिवर्तन
करने का प्रयास भी करूंगा तथा
साथ ही इस विषय में कठोर रवैया हेतु
का संकेत भी निर्देशित अधिकारियों को
देना उचित होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N
08 NOV 2015
SUBMITTED [illegible] HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 636)

Name of Candidate	PREMSUKH DELU		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	15301
Center	Delhi	Date	8/11/15

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	12.5	
2	12.5	
3	12.5	
4	12.5	
5	12.5	
6	12.5	
7	12.5	
8	12.5	
9	12.5	
10	12.5	
11	12.5	
12	12.5	
13	12.5	
14	12.5	
15	12.5	
16	12.5	
17	12.5	
18	12.5	
19	12.5	
20	12.5	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWENTY questions printed in HINDI and ENGLISH.
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

All the questions are compulsory and carry 12.5 marks each. NOT MORE THAN 200 WORDS.

1. While the judiciary should be insulated from political interference, yet the executive should have a say in its appointment in order that flawed choices do not erode its credibility. Examine in context of the decision of the Supreme Court w.r.t. NJAC.

यद्यपि न्यायपालिका को राजनीतिक हस्तक्षेप से पृथक होना चाहिए, तथापि इसकी नियुक्तियों पर कार्यपालिका को राय देने का अधिकार होना चाहिए ताकि त्रुटिपूर्ण चयन इसकी विश्वसनीयता को नष्ट न कर सकें। एन.जे.ए.सी. के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की जांच कीजिए।

हाल में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के निर्णय में 99वें संविधान संशोधन को न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं मूल ढांचे के विपरीत बताते हुए रद्द कर दिया।

वास्तव में न्यायिक नियुक्ति आयोग से ~~अब~~ न्यायधीशों की नियुक्ति हेतु तीन न्यायधीशों के केस (1981, 93, 98) के बाद ~~अस्त~~ अस्तित्व में आए कॉलेजियम सिस्टम को हटाकर गठन किया गया था जो न्यायधीशों की नियुक्ति एवं स्थानांतरण संबंधी कार्य देखता।

वास्तव में कॉलेजियम सिस्टम में ~~व्याप्त~~ व्याप्त अपारदर्शिता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जवाबदेहीता का अभाव, कार्यपालिका
के आरोप लगते रहे हैं जबकि दुनिया
में कहीं भी न्यायाधीशों की न्यायाधीशों
द्वारा नियुक्ति नहीं होती है इस
कारण न्यायिक नियुक्ति आयोग
महत्वपूर्ण परिवर्तन था लेकिन
सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया

वास्तव में इस निर्णय की
समीक्षा करें तो पाते हैं कि सभी
राजनीतिक दलों की सर्वसम्मति एवं
20 राज्यों की विधायिका द्वारा
पारित कानून को सर्वोच्च न्यायालय
द्वारा अवैध घोषित जाना चकित
करने वाला रहा है लेकिन साथ ही
महत्वपूर्ण बात यह भी है कि सर्वोच्च
न्यायालय द्वारा कॉलेजियम के
बारे में पारदर्शिता, जवाबदेहीता के
अभाव को माना तथा इस सिस्टम में
सुधार एवं आगे चलता में
सुधार करने की बात स्वीकारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पालन है इसे साथ कौन ले कि यद्यपि भी न्यायपालिका एवं कार्यपालिका के बीच तनाव है रूप में नहीं देखना चाहिए।

इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है और न्यायपालिका लोगों की इच्छाओं पर खरी भी उतरी है दूसरी तरफ न्यायपालिका ने कार्य इच्छा की पालन की है तथा ही इसे व्यावहारिक ने हमारी जन भावनाओं का प्रतिबिम्ब है को उचित सम्मान जानी है अतः संविधान के तीनों अंगों को मिलकर काम करने में उचित हल निकालना चाहिए ताकि विधायी स्वतंत्रता बनी रहे न्यायिक स्वतंत्रता भी बनी रहे एवं सभी हितों एवं डाटा की नियमों की भांति होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. What do you understand by the concept of 'Equality'? Does it imply the elimination of all differences? How does the ideal of 'Equality' differ from 'Equity'? Discuss in light of affirmative action programs in India.

'समानता' की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? क्या इसका निहितार्थ सभी अन्तरों का उन्मूलन है? 'समानता' का आदर्श 'साम्य (इक्विटी)' से किस प्रकार भिन्न है? भारत में सकारात्मक कार्रवाई कार्यक्रमों के प्रकाश में चर्चा कीजिए।

समानता का आशय है सभी असमानताओं की समाप्ति। भारतीय संविधान के अनु० 14 से 18 तक समानता के मूल अधिकार का उल्लेख है लेकिन यहां ध्यातव्य तथ्य यह है कि कुछ युक्तियुक्त अपवादों का उल्लेख भी किया गया है।

अतः भारतीय संदर्भ के देखें तो समानता का आशय सभी के साथ एकसमान व्यवहार नहीं किया जाता है अर्थात् इसको संविधान की सामाजिक न्याय की अवधारणा के अनुरूप विशेष है साथ विशेष व्यवहार किया जा सकता है अर्थात् महिला, बच्चे, SC

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ST, OBC के संबंधित कुछ प्रावधान शामिल हैं लेकिन उनका लाभ उन को विकसित या सामान्य समान है बनाया जाता है

अतः समानता को साम्य भी समझा जा सकता है।

भारत में समानता हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम यथा SC, ST, OBC आरक्षण, अनु० 17 के तहत अस्पृश्यता अंत, अनु० 18 के तहत उपाधि अंत तथा महिला और बच्चों के संबंधित विभिन्न कार्यक्रम यथा समन्वित महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. "Vocational skill is a great tool to usher in inclusive growth and an effective hedge against poverty". In this regard, evaluate the performance of skill development programmes in India. Discuss the problems that have been withholding their success and suggest remedies with special reference to the report of NSDA panel.

"व्यावसायिक कौशल, समावेशी विकास आरंभ करने और गरीबी को रोकने हेतु एक उत्कृष्ट उपकरण है।" इस संबंध में, भारत में कौशल विकास कार्यक्रमों के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन कीजिए। इनकी सफलता को बाधित करने वाली समस्याओं की चर्चा कीजिए और एन.एस.डी.ए. पैनल की रिपोर्ट का विशेष संदर्भ देते हुए उपचार सुझाइए।

व्यावसायिक कौशल समावेशी विकास के निर्माण में महत्वपूर्ण है क्योंकि "कौशल विकास को सफल उद्यमिता की कुंजी" कौशल विकास एवं उद्यमिता नीति 2015 में माना गया है।

भारत में कौशल विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए तथा विभिन्न संस्थान यथा ITI, पॉलिटेक्निक, इन्जीनियरिंग संस्थान स्थापित किए गए फलस्वरूप व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त लोगों का प्रतिशत बढ़कर 4% तक पहुँचा था। हाल में जारी एक रिपोर्ट में पाया गया कि कौशल शिक्षा प्राप्त युवा भी उद्योगों के अनुकूल नहीं है

अतः हम पाते हैं कि कौशल विकास कार्यक्रमों में हम कहीं न कहीं असफल रहे हैं। यदि हम इन कार्यक्रमों की असफलताओं के कारणों पर गौर करें तो हम निम्न कारण पाते हैं

(1) कार्यक्रम निर्माण तो केंद्र पर, कार्यक्रम क्रियान्वयन के स्तर पर कोई व्यवस्था का न होना।

(2) इन निर्माणों द्वारा केवल सरकारी नौकरी की तरफ ही रुचि रखना

(3) आधारभूत ढाँचे का अभाव

(4) पाठ्यक्रमों एवं औद्योगिक आवश्यकताओं का कोई तालमेल न होना

(5) प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की कमी

(6) केवल सरकारी प्रयास

अतः हाल में इसे दुबारा लाने हेतु एन.एस.डी.P. पैनल रिपोर्ट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हैं कि निम्न प्रयास कर सकते हैं

→ उचित कौशलगत विकास

→ प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की व्यवस्था

→ स्वतंत्र मूल्यांकन निकाय की स्थापना जो स्वतंत्र मूल्यांकन करे

→ पाठ्यक्रम औद्योगिक आवश्यकताओं पर बने।

→ छात्रों को प्रेरित किया जाए, उचित धनराशि उपलब्ध करवाई जाए, निजी क्षेत्र का सहयोग लिया जाए।

इन निर्देशों के लिए सरकार प्रयास यथा कौशल विकास मिशन, कौशल विकास योजना, प्रत्यक्ष्योंं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. A demand to make the CAG accountable to the Parliament has been gaining ground recently. How will this step affect the independence of CAG? What steps could be taken to strengthen CAG-PAC relationship?
कुछ समय से सी.ए.जी. को संसद के प्रति उत्तरदायी बनाने की मांग जोर पकड़ रही है। यह कदम सी.ए.जी. की स्वतंत्रता को कैसे प्रभावित करेगा? सी.ए.जी. और पी.ए.सी. के संबंधों को मजबूत करने हेतु कौन-से कदम उठाए जा सकते हैं?

CAG यानि "कम्पट्रोलर एवं ऑडिटर जनरल" जिसका उल्लेख भारतीय संविधान के अनु. 148 से 151 तक किया गया है जो भारत के वित्त का संरक्षक समझा जाता है जिसने अपनी भूमिका का बखूबी निर्वाह किया है।

CAG द्वारा सरकार द्वारा स्वीकृत बजट से खर्च होने वाले ऑडिट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि खर्चा निर्धारित मद एवं प्रक्रिया से हुआ है। और इसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्वारा संसद के सामने रखते हैं

हाल में CAG को संसद के प्रति उत्तरदायी बनाने की मांग जोर पकड़ रही है जिसमें ... का

दिया जाता है कि CAG बजट के वास्तविक परिणामों की तरफ ध्यान न देकर प्रक्रियाओं पर ज्यादा ध्यान देता है तथा प्रक्रिया के रूप में यह चोरला मानता है जिनसे देश में निराशा है प्रति व्यापक अनैतिकता फैलता है साथ ही CAG के नियंत्र जो जनता का प्रतिनिधि होती है प्रति उत्तरदायी होना चाहिए

लेकिन इस देखते है इस कदम से CAG की स्वतंत्रता का हनन हो जाता है क्योंकि इसी स्वतंत्रता के बदौलत ही 2G, कॉमनवेल्थ जैसे घोटाले उजागर हुए हैं नियंत्र के प्रति उत्तरदायित्व बदौलत से बहुमत प्राप्त दल का CAG पर दबाव बढ़ जाएगा अतः देश इस मोड़ पर और व्यापक विचार की आवश्यकता है।

PAC अर्थात लोक लेखा समिति CAG द्वारा जारी रिपोर्ट की परीक्षा करती है तथा CAG द्वारा मापदंड

करती है दोनों के मध्य टकराव रोकने हेतु निम्न कदम उठाये जा सकते हैं

1. खर्च के बाद ऑडिट की बजाए खर्च के दौरान ऑडिट हो ताकि अपव्यय जड़ से ही खत्म हो जाए।

2. CAG और PAC में समन्वय को बढ़ाया जाए

5. The debates related to problems of higher education have been mainly limited to IITs/IIMs. However, the need of the hour is to improve 665 universities where around 30 million students are enrolled. Discuss.
उच्च शिक्षा की समस्याओं से संबंधित बहस मुख्य रूप से आई.आई.टी./आईआई.एम. तक ही सीमित रहे हैं। जबकि समय की मांग 665 विश्वविद्यालयों में सुधार करने की है जिनमें लगभग 3 करोड़ छात्र नामांकित हैं। चर्चा कीजिए।

~~भारत में उच्च~~

तीव्र आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक राजनीतिक विकास हेतु उच्च शिक्षा का महत्व ~~निर्वि~~ निर्विवाद है लेकिन भारत में उच्च शिक्षा के विषय में हम सामान्यतः ~~का~~ IIT एवं IIM तक ही बात करते हैं जबकि सारे मात्र देश के .01% छात्र भी नहीं पढ़ते हैं हां, यह माना कि इन ~~संस्था~~ संस्थानों की ~~तकनीकी~~ तकनीकी, शोध प्रबंधन, रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

लेकिन राष्ट्र के समावेशी, त्वरित, पोषणीय विकास हेतु अन्य विश्वविद्यालयों की तरफ भी ध्यान देना आवश्यक है ~~क्यों~~ क्योंकि बिना उचित ध्यान दिए हम उन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में उचित कौशल एवं दक्षता का विकास ही नहीं कर पाएंगे तथा बेरोजगारों की फौज खड़ी करेंगे साथ ही हमारी नव उद्योगों के लिए कुशल श्रम शक्ति का अभाव होगा तथा हम "पॉपुलेशन डिविडेंड" से वंचित होंगे। तथा देश में आंतरिक अशांति भी पैदा होने का खतरा रहता है।

अतः हाल में सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में सुधार हेतु शुरू किया गया "रूसा" अभियान तथा भारतीय संस्थानों की रैंकिंग वाली फ्रेम के प्रयास, कौशल विकास कार्यक्रम, इन विश्वविद्यालयों में पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया, पाठ्यक्रम निर्धारण में स्वायत्तता देना साथ ही पाठ्यक्रम को आधुनिक उद्योगों के साथ सम-वय वाला बनाना

हेतु प्रेरित कर, हेरिटेज विश्वविद्यालय की शिक्षा बढ़ाकर, योग्य प्रोत्साहन देकर इस ओर में कदम बढ़ा सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. While tribunals are responsible for adjudicating cases, which require technical expertise and specialization, they are rot to be understood as a court. Elaborate. Also, discuss whether the recent rulings, such as banning mining or old diesel vehicles, are an example of overreach.
तकनीकी दक्षता एवं विशेषज्ञता की आवश्यकता वाले मामलों का निर्णय करने के बावजूद न्यायाधिकरण न्यायालय नहीं समझे जाते हैं। कथन पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें। इसके अतिरिक्त, चर्चा कीजिए कि क्या न्यायाधिकरण द्वारा खनन या पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाना अपनी सीमाओं के अतिक्रमण के उदाहरण हैं।

भारतीय न्यायपालिका के निर्णयों में न्यायाधिकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन इन्हें अर्द्ध न्यायिक निकाय ही माना जाता है ये वास्तव में किसी क्षेत्र विशेष से सम्बन्धित होते हैं यहां उच्च या निचली न्यायालय में [illegible] नहीं चला विवाद अधिकार अनु. 262 की उच्च [illegible] एवं परिस्थितियों से [illegible] गठित किए गए है यथा हरित न्यायाधिकरण

जहां तक न्यायालय की निर्णय [illegible] का प्रश्न है ये क्षेत्र विशेष से सम्बन्धित होते हैं तथा इनमें न्यायिक विशेषज्ञों के साथ साथ उस क्षेत्र के गैर-न्यायिक विशेषज्ञ व्यक्ति भी शामिल होते हैं यथा हरित न्यायाधिकरण

के पर्यावरण विशेषज्ञ

जहाँ तक न्यायाधिकरण द्वारा डीजल एवं पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध का सवाल है तो उचित ही माना जाना चाहिए क्योंकि इसके न्यायाधिकरण पर्यावरण विशेषज्ञों से भी परिपूर्ण है ~~[illegible]~~ साथ ही इसके गठन उद्देश्य भी पर्यावरणीय मामलों की तेजी से सुनवाई का पर्यावरण निर्धारण को ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ इस बात का निर्णय के लिए ही हरित न्यायाधिकरण द्वारा दिल्ली में 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों की रोक लगाए, रोहतांग दर्रे में डीजल वाहनों पर रोक उल्लेखनीय है

चूँकि इसने पेरिस समझौते पर "राष्ट्रीय निर्धारित योगदान" के तहत 33-35% कटौती का वादा किया है तो इन निर्णयों से इसे मदद मिलेगी है

लेकिन साथ ही ऐसे इन निर्णय

में लोगों की आजीविका एवं प्रवासन पर पड़ने वाले प्रभावों का भी ध्यान रखना होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. The 2nd generation reforms vital for the development of the nation are contingent upon the states as most of them fall in the concurrent list. Discuss with examples.
राष्ट्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण समझे जाने वाले दूसरी पीढ़ी के सुधार राज्यों पर निर्भर हैं क्योंकि उन सुधारों से संबंधित अधिकतर विषय समवर्ती सूची में आते हैं। उदाहरण के साथ चर्चा करें।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Discuss, with examples, the role of Civil Society in making governance citizen centric. What are the factors that are hindering their growth in developing countries, like India?
शासन को नागरिक केंद्रित बनाने में नागरिक समुदाय (सिविल सोसायटी) की भूमिका पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। वे कारक कौन-से हैं जो भारत जैसे विकासशील देशों में इनकी वृद्धि को बाधित कर रहे हैं?

शासन को नागरिक केन्द्रित बनाने में सिविल सोसाइटी की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि एक जागरूक सिविल सोसाइटी प्रशासनिक अमले में फैले व्यापक भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, अपारदर्शिता, गोपनीयता, और निरंकुशतापूर्ण व्यवस्था में परिवर्तन ला सकती है।

सिविल सोसाइटी की भूमिका को एक अरुणा राय द्वारा स्थापित MKKS नामक NGO द्वारा चलाए गए जन सुनवाई कार्यक्रम से देख सकते हैं जिसके बाद राजस्थान में भ्रष्टाचार को लेकर व्यापक जागरूकता और साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों के अपने रवैये में भी परिवर्तन लाया

भारत जैसे देश में सिविल सोसायटी के विकास को बाधित करने वाले कारक निम्न हैं :-

(1) देश में व्यापक पैमाने पर फैली गरीबी, अशिक्षा, रूढ़िवादिता के कारण से नागरिक उचित भाग नहीं ले पा रहे हैं।

(2) व्यापक जन जागरूकता का अभाव भी इसके विकास में बाधक है

(3) सरकार तथा सरकारी अमले का इन संगठनों को हतोत्साहित करने के विभिन्न प्रयास जिसमें सर्वाधिक RTI कार्यकर्ताओं की हत्या तक करवा दी जाती है।

(4) समाज सुधारकों की सर्वाधिक हत्याएं उदा० नरेन्द्र दाभोलकर

(5) पंजीयन कानूनों की जटिलता तथा विभिन्न प्रकार के प्रतिबन्ध

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस तरह हम देखते है अनेक कारणों से भारत विकास नहीं हो पा रहा है अतः आधुनिक व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली को उचित करके तथा भारत विकास को लोकतंत्र के कल्याणकारी सोचों से लाभ से बढ़ाया जा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The passing of the Mines and Minerals (Development and Regulation) Amendment Bill, 2015 marks a significant step towards reforming the mining sector. Discuss its salient features along with highlighting the apprehensions against the act. Further analyse the role of District Mineral Foundation in ensuring equitable benefit for all.

खान और खनिज (विकास एवं नियमन) संशोधन विधेयक, 2015 का पारित होना, खनन क्षेत्र में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत देता है। अधिनियम के विरुद्ध व्यक्त की गई आशंकाओं को उजागर करने के साथ-साथ इसकी विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। साथ ही, सभी के लिए समान लाभ सुनिश्चित करने में जिला खनिज फाउंडेशन की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Discuss the role of PESA as an effective tool in ensuring participative democracy and development of the tribal people. Also, examine the reasons for its poor implementation.
सहभागी लोकतंत्र और जनजातीय लोगों का विकास सुनिश्चित करने में एक प्रभावी उपकरण के रूप में पी.ई.एस.ए. की भूमिका की चर्चा कीजिए। साथ ही, इसके खराब कार्यान्वयन के कारणों की जांच कीजिए।

73वें संविधान संशोधन के माध्यम से लाए गए त्रिस्तरीय पंचायती राज को भारतीय संविधान की 5वीं एवं 6वीं अनुसूची में शामिल क्षेत्रों में लागू नहीं किया गया था इन क्षेत्रों की अपनी विशिष्टताओं को देखते हुए 1996 में पेसा अर्थात "पंचायत एक्सटेंशन इन शेड्यूल्ड एरियाज़ एक्ट" लाया गया ताकि इन क्षेत्रों में सहभागी स्वशासन लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण को लागू किया जा सके।

चूँकि जनजातीय समाजों की अपनी विशिष्टताओं, परम्पराओं के कारण अपनी एक अलग पहचान रखते थे अतः इन क्षेत्रों में पंचायती राज को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता था साथ ही इन क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट आवश्यकताएं थी।

इस दिशा में पेसा एक्ट महत्वपूर्ण रहा है जिसने इस लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित कर पाए तथा इन क्षेत्रों में कानून के तहत व्यापक स्वायत्तता प्रदान की गई तथा ग्राम सभा को शक्तिशाली बनाया गया तथा प्राकृतिक संसाधनों के खनन हेतु पहले इन ग्राम सभा से मंजूरी लेना आवश्यक है तथा प्राप्त रायल्टी से स्थानीय विकास का कार्य किया जाता है. लोगों द्वारा अपने विकास की प्राथमिकताओं को स्वयं तय किया जाता है।

लेकिन हम देखते है कि जिन उद्देश्यों को लेकर पेसा कानून लाया गया था उन उद्देश्यों को प्राप्त करने में निम्न कारणों से सफल नहीं हो पा रहा है

1) अशिक्षा : इन क्षेत्रों में व्यापक रूप अशिक्षा फैली हुई है साक्षरता दर बहुत कम है

2) गरीबी: गरीबी के कारण भी उचित क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है

3) सरकारी हस्तक्षेप : अत्यधिक सरकारी हस्तक्षेप के कारण से निष्पक्ष ढंग से कार्य नहीं कर पा रही है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी अधिकारियों की उदासीनता भी इसकी असफलता का कारण बनती जाती है साथ ही और परम्परागत खतरे जैसे तस्करी, आतंकवाद, नक्सलवाद इत्यादि के कारण से निकाय ढंग से कार्य नहीं कर पा रही है।

अतः हमें लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण हेतु सरकारी अधिकारियों की मनोवृत्ति परिवर्तन, उचित वित्तीय अनुदान, शिक्षा का विस्तार करके, स्वायत्तता प्रदान करके, चुने हुए प्रतिनिधियों का उचित प्रशिक्षण प्रदान करके, महिलाओं के सशक्तिकरण से हम लोकतांत्रिक जड़ों को धरा पर गहरा रोप सकते हैं।

11. What do you mean by lifestyle diseases? What are the factors leading to the increased occurrence of lifestyle diseases in India? Discuss their impact on the economic conditions of the individuals and productivity of the economy.
जीवन शैली (लाइफ स्टाइल) जनित रोगों से आप क्या समझते हैं? भारत में जीवन शैली संबंधी रोगों को बढ़ाने वाले कारक कौन-से हैं। व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति और अर्थव्यवस्था की उत्पादकता पर उनके प्रभाव की चर्चा कीजिए।

जीवन शैली जनित रोगों से आशय है अपने जीवन जीने के तरीकों द्वारा पैदा हुए रोग अर्थात् अपनी दिनचर्या, खानपान, रहन सहन इत्यादि से पैदा रोग यथा। मधुमेह, उच्च रक्तचाप इत्यादि

भारत में जीवन शैली संबंधी रोगों को बढ़ाने वाले कारक निम्न है:-

1) खानपान: आज आधुनिक जीवन में व्यक्ति उचित समय पर खाना नहीं खा पाता है पुनः वह डिब्बाबंद खाने पर अत्यधिक निर्भर है फलस्वरूप विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रस्त हो जाता है।

2) दिनचर्या: आधुनिक युग में मनुष्य की दिनचर्या बुरी तरह से गड़बड़ा गई है फलस्वरूप वह समय पर सोना, खाना पीना नहीं कर पाता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) तनाव : बढ़ते भौतिकतावाद एवं उपभोक्ता व अधिकता समय इलेक्ट्रोनिक मेज़ों के साथ कार्य करने के कारण वर्तमान समय तनाव में रहता है फलस्वरूप वह उच्च रक्तचाप जैसे रोगों से ग्रसित हो जाता है।

(4) मिलावट : बाजार में अधिकता खाद्यान्नों में मिलावट की रही है जिसे हम लोकप्रिय उत्पाद मैगी के संदर्भ में देख सकते हैं।

एक राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है कि मानव संपदा स्वस्थ हो क्योंकि यदि मानव विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रस्त होगा तो वह अपनी पूर्ण क्षमता से कार्यक्षमता को योगदान नहीं दे पायेगा साथ ही उसे अपनी आमदनी का अधिकतर हिस्सा दवाओं पर खर्च करना होगा जिसके कारण वह अपनी बालकों से महरूम रहेगा साथ ही सरकार को भी स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादा खर्च करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

होगा जिससे उनके पास विकास कार्यों हेतु धन भी उपलब्ध होगा।

अतः स्वस्थ मानव ही स्वस्थ राष्ट्र बनाता है तथा देश विकास की तरफ उन्मुख होता है अतः एक बेहतर जीवन शैली जिसमें व्यक्तिगत कल्याण एवं राष्ट्र कल्याण हो अपनायी जानी है जिसमें 'योग' की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

12. In a country, where one-third of the population is already economically excluded, prescribing minimum qualifications for elections to the Panchayati Raj will be the final nail in the coffin of a genuine grass-roots democracy. Discuss.

एक ऐसे देश में, जहां एक-तिहाई जनसंख्या पहले से ही आर्थिक रूप से अलग-थलग है, पंचायती राज के चुनाव हेतु न्यूनतम योग्यता निर्धारित करना एक वास्तविक आधारभूत लोकतंत्र के ताबूत में आखिरी कील सिद्ध होगा। चर्चा कीजिए।

हाल में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन हेतु शैक्षिक योग्यता का मानदण्ड एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय रहा है जो कि इन राजस्थान एवं हरियाणा में देखे गये हैं।

इन संस्थाओं में शैक्षिक योग्यता का निर्धारण करने वाले निम्न तर्क हैं

(1) इन संस्थाओं में पढ़े लिखे लोग आएंगे जिनसे विकास कार्य तीव्र होंगे क्योंकि वे ऐसी जानकारी रखते हैं

(2) भ्रष्टाचार कम होगा

(3) जिम्मेदारी तय होगी क्योंकि जो कार्य करेगा वह भला बुरा अच्छी तरह समझेगा वह यह नहीं कह सकेगा उसे तो जानकारी ही नहीं थी ग्राम सचिव ने अंगूठा लगवा लिया।

(4) महिलाएं अधिक सक्रियता से भागीदारी निभाएंगी क्योंकि वे पढ़ी लिखी होंगी।

(5) इनके साक्षरता दर बढ़ेगी क्योंकि इनके लोग स्कूल जाने को प्रेरित होंगे।

आलोचक इसके विरोध में निम्न तर्क देते हैं

(1) यह भेदभाव पूर्ण है क्योंकि ऐसा विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में नहीं है

(2) राज्य जहां महिला साक्षरता 52.1% थी वहां 48% महिला आबादी प्रत्यक्ष साक्षरता 79% वहां 20% आबादी को चुने जाने के अधिकार से वंचित कर दिया यह लोकतंत्र की बुनियादी अवधारणा के विपरीत है।

(3) ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जहां पढ़े लिखे कोई भ्रष्टाचार नहीं करते हों

(4) लोकतंत्र की बुनियादी सोच प्रत्येक व्यक्ति को निर्णय में भागीदार बनाने के विपरीत है

अतः हम देखते हैं कि पक्ष एवं विपक्ष दोनों में ही मजबूत तर्क दिए जा सकते हैं राज० में कोर्ट आधार पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनाव हो चुके हैं जहां एक तरफ युवा आबादी चुन कर आई है लेकिन दूसरी तरफ गलत डिग्रियों भी लोगों ने लगाई है फलस्वरूप कई मामले दर्ज हुए हैं दूसरी तरफ हरियाणा का मामला सर्वोच्च न्यायालय में है यहां दोनों पक्ष विपक्ष दोनों को देखते हुए एक उचित निर्णय लेना चाहिए जिससे लाखों लोग इन नियमों से चुनाव लड़ने से वंचित नहीं हो इस हेतु देश में एक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए साथ ही लोगों को 10 वर्ष का ग्रेस पीरियड भी देना चाहिए।

13. Ever since the National Commission for Women (NCW) came into existence in 1992, its composition and functioning have been contentious and controversial. Discuss.

वर्ष 1992 में महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग (एन.सी.डब्ल्यू.) की स्थापना के बाद से ही, इसकी संरचना और कार्य पद्धति विवादास्पद और विवादग्रस्त रही है। चर्चा कीजिए।

महिला अधिकारों के उचित क्रियान्वयन महिलाओं संबंधित योजनाओं, कानूनों के क्रियान्वयन, निगरानी, उचित सुझाव हेतु 1992 में गठित महिला आयोग इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

महिला आयोग में एक अध्यक्ष तथा पांच सदस्य होते हैं तथा अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति केन्द्र की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

महिला आयोग महिला अधिकार संबंधी मामलों में पीड़िता की शिकायत या स्वतः ~~संज्ञा~~ संज्ञान द्वारा मामले को अपने हाथ में ले सकती है तथा यह जांच कर सकती है क्षतिपूर्ति हेतु सिफारिश कर सकती है महिलाओं को कानूनी सलाह देती है। इस आयोग के पास दीवानी न्यायालय की शक्तियां हैं पर कोई दस्तावेज देख सकती है या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सकती है तथा जाँच कर सकती है लेकिन यह स्वयं दण्ड नहीं दे सकती है यह दण्ड देने की सिफारिश कर सकती है।

पिछले कुछ सालों से महिला आयोग विवादास्पद रहा है अगर आंकड़ों में हम जाए तो हम पाते है कि महिला आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति सक्रिय राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों की होती है फलस्वरूप कार्यवाही राजनीतिक रूप ले लेती है जैसे हम दिल्ली महिला आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग सदस्यों की गुवाहाटी मामले के निर्णय में देख सकते है।

अतः सरकार हेतु इसमें नियुक्ति निर्णय में सुधार की जरूरत है जो पद गैर राजनीतिक एवं पेशेवर व्यक्ति को नियुक्त किया जा सकता है नियुक्ति हेतु एक कमेटी बनाई जा सकती है

साथ ही महिला आयोग की कार्यप्रणाली भी विवादास्पद रही है मामला

देखा गया है जब तक मामला मीडिया में नहीं उछलता है महिला आयोग निष्क्रिय रहता है पुनः महिला आयोग के पास दण्ड देने की शक्ति नहीं है ~~अतः इसे~~ यह केवल सिफारिश कर सकती है अतः इसे महिला आयोग को जांच निरीक्षण में और शक्तिशाली बनाना होगा साथ ही इसे लोगों की मनोवृत्ति परिवर्तन हेतु भी कार्य करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Discuss the importance of mid-career performance appraisal for civil servants. Also evaluate the feasibility and effectiveness of compulsorily retiring serving bureaucrats after such a review.
लोक सेवकों के लिए मिड-करियर (कार्यकाल के मध्य में) कार्य निष्पादन मूल्यांकन के महत्व की चर्चा कीजिए। इसके अतिरिक्त, इस प्रकार की समीक्षा के पश्चात् सेवारत नौकरशाहों के अनिवार्य अवकाश ग्रहण की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें।

हाल ही में लोक सेवकों के मिड-करियर कार्य निष्पादन मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय रहा है मिड कार्यमूल्यांकन का आशय है एक निश्चित समय बाद किसी नौकरशाह के द्वारा अपने करियर में किस तरह से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया गया जाँच करना है

पिछले कुछ समय से जब नौकरशाहों पर भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, लालफीताशाही, अपारदर्शिता, गैरजिम्मेदाराना व्यवहार के मामले ज्यादा सामने आए हैं साथ ही साथ भी ज्यादा देखे गये PSU, ~~विभिन्न~~ मिड के मिल जैसे संस्थानों के बावजूद इन [illegible] 10 वें नम्बर पर विद्यमान है तब इसकी महत्ता और बढ़ जाती है इसी प्रकार

इन्हों पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू, इंदिरा गांधी इत्यादि ने भी विभिन्न संस्थाओं के निष्फल न होने के पीछे नौकरशाही की औपनिवेशिक मानसिकता को जिम्मेदार ठहराया था।

आज की इन्हीं संविधान के सामाजिक न्याय की अवधारणा को साकार करने हेतु नौकरशाही में ~~प्रतिबद्धता~~ कार्य के प्रतिबद्धता बढ़ाने हेतु, पेशेवर स्वरूप लाने हेतु, पारदर्शिता लाने हेतु, नागरिक केन्द्रित बनाने हेतु, उद्देश्य प्राप्ति हेतु, दक्षता एवं कौशल को बढ़ाने हेतु, परिणामोन्मुखता लाने हेतु सिद्ध करियर कार्य निष्पादन मूल्यांकन महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार की समीक्षा के पश्चात अनिवार्य अवकाश प्राप्ति की व्यवहार्यता एवं प्रभावशीलता की जहाँ तक बात करें तो यहाँ पर संविधान के प्रावधानों यथा अनुच्छेद 309, 310, 311 का भी ध्यान रखना चाहिए जो नौकरशाही को

संवैधानिक निकाय प्रदान करते हैं यदि इन संवैधानिक पदों के रक्षा [illegible] होगा तो ~~के~~ ईमानदार नौकरशाह प्रेरित होंगे तथा भ्रष्ट हतोत्साहित होंगे तथा निकायों के पारदर्शिता ~~आएगी~~ एवं जवाबदेहिता आएगी लेकिन साथ ही इन पदों पर यह भी ध्यान रखना होगा कि कहीं इन प्रावधानों का उपयोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए नहीं होना चाहिए अन्यथा इन spoil तंत्र की तरह बन जाएंगे जो कि कदापि उचित नहीं होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The Polio eradication programme is a widely acknowledged success story with vital lessons for other immunisation initiatives as well. Highlight the challenges faced by immunisation efforts in India. In this context, what does Mission Indradhanush seek to achieve? Explain the rationale, objectives and strategies for implementation of the mission.

पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम व्यापक रूप से स्वीकृत सफलता की कहानी है। इसने अन्य टीकाकरण पहलों हेतु भी महत्वपूर्ण दृष्टांत प्रस्तुत किए हैं। भारत में टीकाकरण संबंधी प्रयासों के समक्ष प्रस्तुत चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। इस संदर्भ में, *मिशन इन्द्रधनुष* का लक्ष्य क्या है? इस मिशन के औचित्य, उद्देश्यों और कार्यान्वयन की रणनीतियों की व्याख्या कीजिए।

भारत में 1995 से शुरू पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम विश्व के सामने एक प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत करता है जिसके बदौलत सन 2013 में पोलियो मुक्त हो गए।

लेकिन इस कार्यक्रम की सफलता के पीछे लोगों की व्यापक भागीदारी, सिविल सोसाइटी योगदान, सरकारी कर्मियों की मनोवृत्ति, कार्यक्रम रणनीति का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जहाँ तक भारत में टीकाकरण की चुनौतियों का सवाल है यहाँ पर फैली व्यापक गरीबी, अशिक्षा, रूढ़िवादिता, धार्मिक आस्था, विषम भौगोलिक परिस्थितियाँ, सरकारी कर्मियों की उदासीन रवैया, भ्रष्टाचार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~स्वास्थ्य~~ स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगजनित अभाव, जन जागरूकता का अभाव इत्यादि महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं।

इस दिशा में हाल में शुरू किया गया मिशन इंद्रधनुष महत्वपूर्ण है जिसका लक्ष्य है 90% टीकाकरण करना। आज भी देश में मात्र 65% ही टीकाकरण हो पाया है प्रतिवर्ष जन्म लेने वाले 2.7 करोड़ बालकों में से 18.3 करोड़ बालक अपना पोषाहार पूरा फिर भी नहीं ले पाते हैं।

अतः इस अभियान में लोगों को 7 बीमारियों टिटनेस, काला कुकर, हेपेटाइटिस-B पोलियो, खसरा इत्यादि हेतु यह अभियान शुरू किया गया है जिसमें पहले चरण में 201 जिले शामिल किए गए हैं जो पर यह अभियान व्यापक सफल रहा है हाल में दूसरा चरण शुरू कर दिया गया है।

इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु व्यापक अभियान चलाया जा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

रहा है जिसमें सिविल सोसायटी, NGO सरकारी समिति, स्वयंसेवकों का सहयोग लिया जा रहा है उनका नारों, कर्तव्यों के माध्यम से जागरूकता फैलायी जाती है। तथा नियमित मॉनिटरिंग की ~~जाती रह~~ जा रही है तथा फीडबैक लिया जा रहा है।

जहां तक कौशल का सवाल है इसके लिए एक स्वच्छ भारत का नियोग का पालन।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Promulgation of the newest constitution of the region has thrown up new challenges for the oldest constitutional democracy in South Asia. Examine India's role, concerns and dilemmas vis-à-vis the constitutional process in Nepal.

दक्षिण एशियाई क्षेत्र में एक नवीनतम संविधान के लागू होने से दक्षिण एशिया के सबसे पुराने संवैधानिक लोकतंत्र हेतु नई चुनौतियाँ उत्पन्न हो गई हैं। नेपाल में संवैधानिक प्रक्रिया के विषय में भारत की भूमिका, चिंताओं और दुविधाओ की जांच कीजिए।

हाल में दक्षिण एशियाई देश नेपाल द्वारा अपना संविधान स्वीकृत किया गया जो लोकतांत्रिक विकास के संदर्भ में महत्वपूर्ण कदम रहा। लेकिन साथ संविधान के कुछ प्रावधानों के कारण वहां पर हुए व्यापक प्रदर्शनों के कारण भारत के सामने नई चुनौती एवं दुविधाएं पैदा हो गई हैं।

नव स्वीकृत नेपाली संविधान के कुछ प्रावधानों का वहां ~~की~~ के मधेशी एवं अन्य ~~अल्प~~ अल्प संख्यक समुदायों द्वारा विरोध किया जा रहा है। चूंकि मधेशी लोग तराई प्रदेश में रहते हैं तथा वे भारत से गए हुए लोग हैं अतः उनके द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन से भारत के कुछ राज्यों यथा बिहार, U.P में भी असंतोष का खतरा पैदा हुआ है साथ ही एक अशांत नेपाल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी भारत के लिए कभी भी महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है नेपाल की भारत से खुली सीमा है अतः चिंता और ज्यादा बढ़ जाती है। पुनः मधेशियों के हिंसक विरोध एवं घेराबंदी के कारण नेपाल भुखमरी नेपाल में भारत विभिन्न आवश्यक वस्तुओं तथा पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति नहीं कर पा रहा है फलस्वरूप वहाँ पर काफी किल्लत पैदा हो गई है तथा नेपाल के इस कारण भारत की आलोचना की है तथा चीन से सहायता मांगी है फलस्वरूप वहाँ पर चीन का हस्तक्षेप बढ़ सकता है जो कि भारत के लिए चिंताजनक है।

साथ ही नेपाली राजनीतिक दलों द्वारा मधेशियों के कारण भारत पर आरोप लगाए जा रहे हैं जो कि वैश्विक स्तर पर भारत की छवि के प्रतिकूल है और भारत UN सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट हेतु महत्वपूर्ण दावेदार है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

साथ ही भारत के लिए पड़ोसी सम्प्रभु चीनी निकटता भारत के लिए खतरनाक है तथा नेपाल भी खतरनाक अतः एक दुविधा उपस्थित हो जाती है

अतः इस विषय में भारतीय नेतृत्व को उचित, शांतिपूर्ण हल के लिए नेपाल सरकार से हल का प्रयास करना चाहिए ताकि उचित समाधान निकल सके। चीनी पड़ोसियों के अधिकार भी सुरक्षित रहें। नेपाल की सफलता की नई इबारत लिखे।

17. India continues to host a large population of refugees without being a signatory to either the 1951 United Nations Refugee Convention or its 1967 Protocol. What are the reasons and implications of such a scenario? Is it time for India to reconsider its stand and become a signatory to this convention?

भारत संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी कन्वेंशन 1951 या इसके 1967 के प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्ता न होते हुए भी शरणार्थियों की एक बड़ी संख्या निरंतर स्वीकार कर रहा है। ऐसे परिदृश्य के कारण और निहितार्थ क्या हैं? क्या यह भारत हेतु अपने रूख पर पुनर्विचार करने और इस कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता बनने का समय है?

भारत व्यापक रूप या वैश्विक शरणार्थियों का महत्वपूर्ण गंतव्य बना हुआ है जिसे हम बांग्लादेशियों के विषय में देख सकते हैं।

यहां तक इसके कारण की बात है हम निम्न बिंदुओं में देख सकते हैं :-

(1) चूंकि भारत सदैव वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है तथा मानव कल्याण को सर्वोच्च स्थान दिया है अतः यहां आने वाले लोगों को शरण दी जाती है

(2) भारत मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसा करता है

(3) यहां वसुधैव कुटुम्बकम् एवं सर्वधर्मसमभाव की भावना को ध्यान में रखते हुए भारत ऐसे

इस उठा रहा है जिसे रोज हिंदू, सिख, मुस्लिम शरणार्थियों के निर्णय में देखा सकते हैं

(4) विश्वास की धर्मनिरपेक्ष, समानतावाद, सामाजिक न्याय अवधारणा के मार्ग हेतु।

जहाँ तक नीतियों पर प्रश्नचिह्न कोई भी बात है इसके लिए हमें भारत की परिस्थितियों को भिन्न नजरिये से परखना होगा

(1) शरणार्थियों के कारण असम भी इसका दृष्टान्त अर्थात् जहाँ पर जन समस्या के कारण जनजातीय संघर्ष, पहचान संकट आदि पैदा हो रहे हैं

(2) भारत इस दुनिया के ~~[illegible]~~ दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या रखने वाला देश है अतः अन्य प्रवासियों की संख्या और बढ़ सकती है जिससे संसाधनों पर दबाव और बढ़ जाएगा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) इससे भौतिक असमानता एवं विषमता में गहनता के नया तरह का खतरा पैदा हो सकता है

(4) भौतिकवाद जैसी धारणाएं बढ़ सकती हैं

अतः इसके सम्बन्ध में कोई जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य निकायों के माध्यम से शांति बहाली का प्रयास करना चाहिए ताकि ऐसी समस्याएं कम से कम पैदा हों तथा मानवीय दृष्टिकोण से नैतिक इसके शासकीय स्वामित्व तो होने चाहिए लेकिन व्यापार इसका के साथ। अतः विधि पर बनी और निर्णय लेना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Has India's resistance to CTBT lost relevance? Examine in view of the evolution of India's policy and the changing global scenario.
क्या सी.टी.बी.टी. पर भारतीय प्रतिरोध अप्रासंगिक हो चुका है? भारतीय नीति के विकास और परिवर्तनशील वैश्विक परिदृश्य के दृष्टिकोण से कथन की जांच कीजिए।

सी.टी.बी.टी अर्थात "व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि" जिसमें सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों पर ~~प्रतिबंध~~ सभी जगह अर्थात नभ, थल, जल इत्यादि में रोक लगाई गई है।

भारत ने अभी तक सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर नहीं किए है क्योंकि

(1) भारत को भेदभाव पूर्ण मानता है क्योंकि यह P-5 को कई छूट देती है।

(2) भारत के पड़ोस में चीन तथा पाकिस्तान परमाणु बम सम्पन्न है अतः न्यूनतम प्रतिरक्षा संतुलन आवश्यक है और साथ ही हमारा चीन से 1962, पाक से 1965, 1971, 1999 में विवाद हो चुका है अतः दोनों सामने खतरा बरकरार है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) भारत ने पहले से ही पहले परमाणु बम इस्तेमाल न करने की नीति घोषित कर रखी है।

(4) भारत ~~निरस्त्र~~ पूर्णतः निरस्त्रीकरण में विश्वास करता है।

अतः भारत ने अब तक इन संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं यहां तक भारतीय नीति के विकास एवं परिवर्तन शील वैश्विक हृदय की बात है भारत के लिए अब यह नीति और ज्यादा प्रासंगिक हो चुकी है क्योंकि चीन भारत को घेरने के लिए "स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स" की नीति अपना रहा है तथा पाक बार बार परमाणु हमले की धमकी देता है तथा हाल में अमेरिकी थिंक टैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी परमाणु जखीरा भारत से ज्यादा एवं बढ़ता जा रहा है। पाक के पास परमाणु जखीरा आतंकवादियों के हाथ भी जा सकता है अतः इसे व्यापक तैयारी की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जहाँ तक हमारी विश्वसनीयता की बात है हमारे बिना सन्धि पर हस्ताक्षर किए 2008 में अमेरिका के साथ सिविल परमाणु समझौता, NSG समूह द्वारा ऐतिहासिक आदि छूट हमारी नीति को उचित ही ठहरा रहे हैं।

अतः हमें पूर्ण निशस्त्रीकरण की हमारी नीति पर कायम रहना चाहिए तथा कभी हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए लेकिन हमें वैश्विक विश्वसनीयता को बढ़ाने हेतु और प्रयास करने चाहिए।

19. "Despite being set up more than a decade ago, Mekong- Ganga Cooperation has remained a non-starter." Do you agree? Give reasons for your answer. Discuss the potential of this cooperation for India.

"अपनी स्थापना के एक दशक से अधिक समय पश्चात् भी, मेकांग-गंगा सहयोग का आरम्भ नहीं हो सका है। क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए। भारत हेतु इस सहयोग की अन्तर्निहित संभावनाओं पर चर्चा कीजिए।

2000 में स्थापित मेकांग-गंगा सहयोग एशिया की दो बड़ी महत्वपूर्ण नदियों गंगा एवं मेकांग के बेसिन में अवस्थित भारत, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, थाईलैण्ड का एक क्षेत्रीय सहयोग संगठन है। जिसमें पर्यटन, शिक्षा, ऊर्जा, परिवहन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं निहित हैं।

जहाँ तक सहयोग की बात है यह संगठन अभी तक पूर्णतः सफल नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज भी भारत का इस क्षेत्र के साथ व्यापारिक संबंध में बहुत कम व्यापार होता है यदि हम ऐसा होने के कारणों की तरफ जाए तो हम पाते हैं कि उत्तर पूर्व भारत जो इस क्षेत्र का प्रवेश द्वार हो सकता है वहां अभी भी आधारभूत सुविधाओं का अभाव है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

म्यांमार लेकर ग्रामण तक सैन्य शासन के अधीन, इन राष्ट्रों के आपसी विवाद भी इस तरह उचित क्रियान्वयन न होने के प्रमुख कारण रहे हैं। साथ ही इन्होंने लुक ईस्ट नीति पर भी व्यावहारिकता पर ज्यादा कार्य किया नहीं है। परन्तु इन राष्ट्रों में बौद्ध धर्म का व्यापक प्रभाव है अतः भारत बौद्ध पर्यटन का हब बन सकता था लेकिन पर्यटन आंकड़े बताते हैं हम ऐसा नहीं कर पाए हैं।

जहाँ तक भारत के लिए निहितार्थों की बात है पर सिक्किम भारत के लिए आसियान का प्रवेश द्वार, ~~बन सकता~~ बौद्ध पर्यटन का केन्द्र बन सकता है भारत अपनी ऊर्जा जरूरतें यथा म्यांमार तेल एवं गैस सम्पन्न है ~~अतः~~ साथ ही भारत का नवोदित पिछड़ा क्षेत्र पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम के माध्यम से भारत के विकास का द्वार बन सकता है तथा इस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सहयोग नियम को गैरपारम्परिक मुद्दों यथा आतंकवाद, तस्करी, इत्यादि में विस्तार करते हैं।

अतः भारत द्वारा हाल ही में उठाए गए कदम यथा कालादान मल्टीमॉडल प्रोजेक्ट, भारत-म्यांमार-थाइलैंड महामार्ग, लुक ईस्ट की जगह एक्ट ईस्ट की नीति की घोषणा से जारी डोनर आपदा राहत जैसे कार्य इन्हें साथ होने में आगे बढ़ा सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. The success of the India Africa Forum Summit as well as the future of India-Africa relations not only depends on India's ability to develop an attractive and sustainable approach to Africa, but also on the willingness of African leaders to look beyond Beijing when partnering up with foreign investors. Discuss.

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन की सफलता और साथ ही साथ भारत-अफ्रीका के संबंधों का भविष्य न केवल अफ्रीका के लिए आकर्षक और संधारणीय दृष्टिकोण विकसित करने की भारत की क्षमता पर निर्भर करता है, वरन् विदेशी निवेशकों के साथ साझेदारी में अफ्रीकी नेताओं की बीजिंग से परे देखने की तत्परता पर भी निर्भर है। चर्चा करें।

हाल ही में दिल्ली में आयोजित भारत अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन द्वारा लिए आशा की नई किरण लेकर आया है। अफ्रीका के 54 राष्ट्रों में से उच्च राष्ट्रों अथवा नाइजीरिया घाना आदि की वृद्धि दर पिछले 8-10% तक रही है अतः भारत के लिए नए अवसर की तरह है लेकिन अफ्रीका के संदर्भ में सभी राष्ट्रों की प्रतिस्पर्धा में भारत एवं चीन की प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण रही है।

चीन द्वारा अफ्रीका में व्यापक निवेश किया गया है चीन द्वारा ऊर्जा, खनन, आधारभूत ढांचे में लगभग 90 मिलियन डॉलर का निवेश किया जा चुका है तथा चीनी तेल, गैस कंपनियों द्वारा कई महत्वपूर्ण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रोफेसर तीव्रता से साल रही है अतः मधुमेह रोगों का एक विश्व प्रमुख चीन ही बनता रहा है

इसी तरह भारत स्वास्थ्य मधुमेह में अभी तक 20 लाख डालर है इनके पास निवेश किया गया है तथा भारतीय व्यापार भी 90 लाख डॉलर ही रहा है (चीन 200 लाख डॉलर) साथ ही भारत स्वास्थ्य मधिरता निवेश क्षमता निर्माण, मानव विकास विकास, शिक्षा लोकतांत्रिक मजबूती में किया गया है

अतः वास्तव में देखा जाए तो भारतीय निवेश गुणात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है साथ ही अफ्रीकी देशों से दिल्ली सम्मेलन में दी गई रियायतें भी महत्वपूर्ण है।

लेकिन भारत अफ्रीकी निवेश बहुत दूर तक अफ्रीकी देशों की तोड़ पा भी नहीं है भारत गांधी नेहरु, गुटनिरपेक्षता की वजह से अफ्रीका के निकट मित्र रहा है अतः

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान: कृषि हितधारकों के भविष्य में भारत कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ने की संभावना है जिसकी सफल [illegible] हम कृषि राज्यों/ समस्याओं के समाधानों को देख सकते हैं।

VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N
27 NOV 2015
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 638)

Name of Candidate	PREMSUKH DELU		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	15301
Center	Delhi	Date	27/11/15

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** What is the role of education in bringing about social change? Discuss in the context of India with relevant examples. 10

सामाजिक परिवर्तन लाने में शिक्षा की क्या भूमिका है? प्रासंगिक उदाहरणों के साथ भारत के संदर्भ में चर्चा करें।

सामाजिक परिवर्तन लाने के विषय में शिक्षा की भूमिका

- समाज की विभिन्न बुराइयों की जड़ अशिक्षा है अतः शिक्षा को व्यापकता प्रदान कर समाज के विभिन्न अंधविश्वासों, रूढ़िवादियों को दूर किया जा सकता है
- समाज में वंचित तबकों यथा दलित, पिछड़ों के प्रति फैले पूर्वाग्रहों को शिक्षा के माध्यम से दूर किया जा सकता है
- समाज में शिक्षा के प्रसार से जातिवाद टूटने के ~~विभिन्न~~ उदाहरण भारत में शहरी जीवन में देख सकते हैं वहां जाति बंधन कमजोर है
- शिक्षा बढ़ने के साथ अंतर्जातीय विवाह, सगोत्र विवाह भी देखे

होने बढ़े हुए दिखाई देते है।

- शिक्षा, जनजागरूकता बढ़ने से ~~[illegible]~~, सती प्रथा, बाल विवाह जैसे कुछ अपराध घटे है।
- शिक्षा की वजह से अधिकतर सरकारी कार्य और विकास कार्य उन क्षेत्रों में बेहतर सफल रहे हैं जहाँ शिक्षा का स्तर बेहतर है। बजाय कमजोर शिक्षा स्थिति वाले जैसे केरल में ज्यादा सफल बिहार की तुलना में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Where the roots of private virtues are diseased, the fruits of public probity cannot but be corrupt. Discuss this statement in the context of civil services in India. 10

जहाँ निजी सद्गुणों की जड़ें व्याधिग्रस्त होती हैं, वहाँ सार्वजनिक सत्यनिष्ठता (पब्लिक प्रोबिटी) का लाभ/प्रतिफल नहीं मिलता, बल्कि इसका पतन होता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।

सार्वजनिक सत्यनिष्ठा का आशय अपने सार्वजनिक आधिकारिक कर्तव्य का ईमानदारी पूर्वक निर्वाह करना। अतः हम देखते है कि इन सत्यनिष्ठा की जड़े ईमानदारी, दया, निष्पक्षता, और सद्गुणों से जुड़ी हुई है।

अतः हम कई उदाहरणों से पाते है कि जहां व्यक्तिगत सद्गुण कमजोर होते है वहां सार्वजनिक सत्यनिष्ठा भी कमजोर होती है क्योंकि सार्वजनिक पदों पर बैठे लोग भी तो उसी समाज का हिस्सा होंगे।

साथ ही सार्वजनिक सत्यनिष्ठा को प्रेरित करने वाले नियम कानून, कायदों के साथ साथ अंतरात्मा भी महत्वपूर्ण स्रोत होती है निजी सद्गुणों के अभाव में

अवधारणा तो कमजोर होगी। अतः ऐसी परिस्थिति में उनसे नागरिक सत्यनिष्ठता की आशा नहीं की जा सकती है।

भारतीय सिविल सेवा के संदर्भ में देखें तो हम पाते हैं कि देश के विकास में इन सेवा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन इन सेवा के स्वभाव के संदर्भ में कई बार हम एक औपनिवेशिक मानसिकता, कमजोर वर्गों के प्रति असंवेदनशीलता, कार्यप्रणाली तटस्थता, उदासीन रवैया, सब चलता वाला रवैया, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, लाल फीताशाही इत्यादि देखने को मिलती है।

अतः ऐसे संदर्भ में हम एक उचित प्रतिफल की आशा नहीं कर सकते हैं अतः पहले हमें विभिन्न प्रशिक्षणों, काउंसलिंग, भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से मनोवृत्ति परिवर्तन की तरफ ध्यान देना होगा।

इन्हें उत्तम मानवीय गुणों, देशभक्ति
से भरना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

2. (a) What do you understand by political attitude? What are the factors that shape the political attitude of a person? Discuss. 10

राजनीतिक अभिवृत्ति से आप क्या समझते हैं? किसी व्यक्ति में राजनीतिक अभिवृत्ति के निर्माणकारी कारक कौन से हैं? चर्चा करें।

किसी व्यक्ति के सार्वजनिक जीवन जैसे चुनाव, चुनाव व्यवस्था, राजनीतिक नेताओं, प्रदर्शनों, रैलियों इत्यादि के प्रति विचार, पसंद नापसंद एवं व्यवहार राजनीतिक अभिवृत्ति कहलाते हैं।

किसी व्यक्ति में राजनीतिक अभिवृत्ति के निर्माणकारी तत्व :-

- व्यक्ति की विचारधारा इस दिशा में महत्वपूर्ण है कि वह किस विचारधारा को पसंद करता है साम्यवादी, दक्षिणपंथी, रूढ़िवादी इत्यादि
- व्यक्ति की रुचि जैसे राजनीतिक प्रदर्शनों, रैलियों में भाग लेना तथा उस दिशा में अपनी पसंद नापसंद प्रदर्शित करना
- विभिन्न प्रकार की प्रेरणाएं जैसे पद, सेवा प्रवृत्ति इत्यादि भी व्यक्ति की राजनीतिक अभिवृत्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

- व्यक्ति की नैतिक बौद्धिकता, अभिक्षमता, इत्यादि भी राजनीतिक अभिवृत्ति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) The Vienna Convention on Diplomatic Relations provides blanket cover to the activities of diplomats and their family members? What are ethical issues arising out of such a wholesale cover? What would you suggest to address those problems? 10

राजनयिक संबंधों पर आधारित वियाना अभिसमय, राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों की गतिविधियों को व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। इस प्रकार के व्यापक सुरक्षा प्रदान किये जाने से उत्पन्न होने वाली नैतिक समस्याएं कौन सी हैं? इन समस्याओं के समाधान हेतु आप क्या सुझाव देंगे?

विआना अभिसमय राजनयिकों एवं उनके परिवार के संदर्भ में महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय है जिसके कारण उत्पन्न नैतिक समस्याएँ :-

- इस अभिसमय अनुसार राजनयिकों एवं उनके परिवार को विभिन्न अपराधों के बावजूद गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है फलस्वरूप इस कारण कई बार वे महत्वपूर्ण अपराध कर बैठते है उदा० हाल में भारत में सऊदी अरब के राजदूत पर नेपाली नौकरानी के देह शोषण का आरोप लगा, अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी पर घरेलू नौकरानी के शोषण का आरोप।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

• विभिन्न कर्तव्य प्रतिनिधियों के लिप्त रहने की समस्याएँ।

• मानवाधिकार, महिलाधिकार हनन संबंधी समस्याएँ।

अतः इन समस्या के हल के लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं:-

• गंभीर अपराध यथा यौन शोषण इत्यादि विषय में नियुक्ति कर्ता देश नियुक्त देश की सरकार से सलाह करके तुरंत सौंप दिया कर दोषी पाए जाने पर दंडित करे।

• गंभीर अपराधों पर विभाग अधिकारियों में कुछ कठोर प्रावधान जोड़े जाए।

• पीड़ित को उचित मुआवजा एवं पुनर्वास की व्यवस्था दी जाए तथा उसे कानूनी सलाह दी जाए तो नियुक्ति कर्ता देश में ही वहाँ अभियुक्त पर मुकदमा चलाया जाए एवं पीड़ित के बयान हेतु आधुनिक तकनीकों को उपयोग में लाया जा सकता है।

3. Given below are two quotations of great moral thinkers/philosophers. For each of these quotations, bring out what it means to you in the present context:

(a) "Educating the mind without educating the heart is no education at all."—Aristotle. 10

महान नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के दो उद्धरण नीचे दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक उद्धरण के लिए यह स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आप के लिए इनके क्या अर्थ हैं:"

(क) "हृदय को शिक्षित किए बिना, केवल मस्तिष्क को शिक्षा प्रदान करना कोई शिक्षा नहीं है।" - अरस्तू

[illegible]

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** "The whole problem with the world is that fools and fanatics are always so certain of themselves, but wiser people so full of doubts."- Bertrand Russell. 10

"विश्व में प्रमुख समस्या यही है कि मूर्ख और कट्टरपंथी सदैव स्वयं के प्रति बहुत निश्चित होते हैं, लेकिन समझदार लोग अत्यधिक संदेह से भरे होते हैं।" - बर्ट्रेंड रसेल।

बर्ट्रेंड रसेल का यह कथन बहुत महत्वपूर्ण है कि मूर्ख एवं कट्टरपंथी सदैव स्वयं के प्रति बहुत निश्चित होते है जैसे हम विभिन्न समकालीन उदाहरणों में देख सकते है जो ISIS के आतंकवादी अपनी विचारधारा को लेकर इतने ~~अवश्य~~ आश्वस्त है कि अपने प्राण तक न्योछावर कर रहे उन्हें यह विश्वास है कि जीतने पर साम्राज्य एवं मरने पर जन्नत मिलेगी तथा अंततः चाहे कुछ भी हो वे एकदिन विजयी होंगे।

वहीं दूसरी तरफ बर्टेंड के अनुसार समझदार लोग अत्यधिक संदेह से भरे होते है वे किसी गलत चीज का भी विरोध कर पाने डर मा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

संदेह से मुक्त नहीं हो पाते हैं वास्तव में देखा जाए तो शील के इस कथन को पूर्णतः सत्य नहीं कहा जा सकता है संभवतः लोग सदैव अत्यधिक संदेह से नहीं भरे रहते है जैसे राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी का उदाहरण हमारे सामने है उन्होंने प्रत्येक कदम पूरी तरह विश्वास के साथ उठाया सदैव अपनी विचारधारा एवं तरीके को लेकर निश्चित थे

साथ ही अहंकारी सदैव स्वयं के प्रति बहुत निश्चित होते हैं ऐसा भी नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** "Persuasion makes society work smoothly while physical coercion grinds it to a halt". Giving examples, compare the effectiveness of persuasion as an influence tactic vis-a-vis coercion in bringing change in society. In what ways persuasion can be used by civil servants to remove social evils existing in society? 10

"अनुनय से समाज सुचारू रूप से काम करता है जबकि भौतिक दबाव (शारीरिक बलप्रयोग) इसे ठहराव की स्थिति में ला देता है।" उदहारण प्रस्तुत करते हुए, समाज में परिवर्तन लाने के लिए प्रभावकारी भूमिका के तौर पर अनुनय की प्रभावशीलता की तुलना भौतिक दबाव के साथ करें। समाज से वर्तमान सामाजिक बुराइयों को दूर करने में लोक सेवक किस प्रकार अनुनय का उपयोग कर सकते हैं?

अनुनय का आशय है समझा बुझाकर अभिवृत्ति परिवर्तन करना। सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में अनुनय एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

वहीं भौतिक दबाव का आशय है विभिन्न प्रकार के बाहरी भय, दबाव, पुलिस इत्यादि माध्यम से अभिवृत्ति परिवर्तन करने का प्रयास करना।

अनुनय एवं भौतिक दबाव में प्रभावशीलता को हम एक उदा० जैसे ट्रैफिक नियम पालन होना चाहिए प्रत्येक व्यक्ति को यदि हम बाह्य कानून, भय, छापेमारी दिखाएंगे तो हो सकता है व्यक्ति कभी गलत रास्ते जैसा हवाला घोटाला इत्यादि

ऐसे हेल्मेट क्यों लगा जाए, वहीं यदि हम प्रत्येक नागरिक को एक सम्मान देने की बात करके हेल्मेट देने को देश सेवा से जोड़ने की बात करेंगे या फिर यदि कोई व्यक्ति हेल्मेट नहीं पहनेगा तो ढोल बजाकर मोहल्ले में उसका नाम पुकारेंगे तो पूरी संभावना है वह हेल्मेट पहना करवायेगा/

वर्तमान सामाजिक बुराइयों यथा कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए हम केवल कानून नहीं अपितु "सेल्फी विद डॉटर" जैसी प्रेरणा, एक दिन बेटी के नाम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं में गुड्डा गुड्डी बोर्ड पर नाम लिखना, ग्राम पंचायत द्वारा बेटी जन्म पर मिठाई बांटना ये ऐसे अनुनय साधन हैं जिनके द्वारा समस्या को कम कर सकते हैं ऐसे ही दूसरी समस्याएं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

यथा विधवा पुनर्विवाह, सती प्रथा, इत्यादि के विरुद्ध में लघु फिल्में, डाक्यूमेंट्री, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इन कानून की तुलना में ज्यादा परिवर्तन ला सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) What do you understand by emotional sensitivity? Elaborate how emotional sensitivity is important for ethical behavior. What measures have you taken to enhance our emotional sensitivity? 10

आप भावनात्मक संवेदनशीलता से क्या समझते हैं? नैतिक व्यवहार के लिए भावनात्मक संवेदनशीलता किस प्रकार महत्वपूर्ण है, वर्णन करें। अपने भावनात्मक संवेदनशीलता में वृद्धि हेतु आपने क्या उपाय किए हैं?

अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझना एवं महसूस करना, प्रबंधन करना, ~~[illegible]~~ आत्मप्रेरित होना, मोनिटर करना ही भावनात्मक संवेदनशीलता है।

जहां तक नैतिक व्यवहार की बात है उसके लिए व्यक्ति के अंदर परार्थ का भाव आना जरूरी है परार्थ के भाव का संबंध भावनात्मक संवेदनशीलता से है इसी कारण ही हम समाज के वंचित वर्ग महिला, बच्चे, अल्पसंख्यक, दलित इत्यादि की कठिनाइयों को समझ पाते है महसूस कर पाते है तथा स्वयं को गलत रास्ते पर जाने से रोकते है ~~[illegible]~~ समाजोपयोगी कार्य हेतु अनुप्रेरित होते है

मैंने स्वयं में भावनात्मक संवेदनशीलता की वृद्धि हेतु निम्न उपाय किए है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

- वंचित वर्गों की समस्याओं के प्रति सदैव संवेदनशील रहना।
- जब भी गलत रास्ते की तरफ जाने के लिए प्रेरित हो उस समय समाज के सबसे कमजोर तबके का सोचूं कि इस कदम का उस पर क्या प्रभाव पड़ेगा ताकि मैं ऐसा गलत कदम न उठाऊं
- नियमित मेडिटेशन करता हूं
- स्वयं को सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों एवं अंधविश्वासों से ~~मुक्त~~ मुक्त करने का प्रयास करता हूं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) There are no universal moral rules which apply to all persons. Examine by giving relevant examples. 10

सभी व्यक्तियों पर लागू होने वाला कोई सार्वभौमिक नैतिक नियम नहीं हैं। प्रासंगिक उदाहरण देते हुए परीक्षण करें।

वास्तव में नैतिक नियम देश काल के सापेक्ष होते हैं तथा देश काल बदलने पर नैतिक नियम भी बदल जाते हैं जिसे हम निम्न उदाहरणों के माध्यम से देख सकते हैं

- वैष्णव वेदांतियों में बलि देना अनैतिक माना जाता है वहीं शैव शाक्त (देवीपूजा) सम्प्रदायों में बलि देने को ईश्वर प्राप्ति का एक माध्यम माना जाता है
- हिंदू धर्म में सामान्यत: एक से अधिक विवाह को अनैतिक माना जाता है जबकि इस्लाम में चार विवाह तक को नैतिक माना जाता है
- कई आदिवासी समाजों की परम्पराएं उनकी संस्कृति के लिए नैतिक है वहीं सामान्य समाज उन क्रियाओं को अनैतिक मानता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस तरह हम देखते हैं कि नैतिक नियम देश काल सापेक्ष हैं लेकिन साथ ही कुछ नैतिक नियम यथा "सत्य बोलना" सभी देश एवं काल में नैतिक रहा है

अतः निष्कर्षतः हम कह सकते हैं अधिकतर नैतिक नियम सापेक्ष होते हैं कुछ नैतिक नियम सार्वभौमिक भी होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

5. (b) Some decisions, which are in the best interest of the organisation, require deviation from the existing policies, rules and guidelines. As a civil servant how would you deal with such situations. Illustrate. 10

संगठन के सर्वोत्तम हित में कुछ निर्णयों के लिए वर्तमान नीतियों, नियमों और दिशा निर्देशों से इतर कार्य करने की आवश्यकता होती है। एक लोक सेवक के रूप में आप इस प्रकार की स्थितियों से कैसे निपटेंगे, स्पष्ट करें।

किसी भी संगठन में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्ति में उस संगठन की नीतियां, नियम, दिशा निर्देश महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है ये संगठन संगठन की कार्य संस्कृति, कुशलता, दक्षता, प्रेरणा के स्रोत होते है तथा सामान्यतः इन्हें अनुकरण करने की आशा प्रत्येक कार्मिक से की जाती है।

लेकिन एक वर्ग का ऐसा भी मानना है कि उच्च कुशलता प्राप्ति हेतु, प्रत्येक देश एवं काल में एक जैसी नीतियों, नियमों एवं दिशा निर्देशों से संगठन के हित नहीं बढ़ पाते है तथा संगठन पिछड़ जाता है अतः देश, काल के कारण कई बार इनसे हटना भी

उपयुक्त रहता है जैसे आज को गाँव से एक बुजुर्ग महिला जिलाधीश महोदय के पास पैंशन हेतु आती है तथा वो बताती है वह आया था है उसके पास ~~कुछ~~ काम कोई कागजात नहीं है ~~अतः~~ तो उसे भगाना प्रशासनिक निवेदन शीलता नहीं होगा बल्कि नियमों के इतर जाकर वैकल्पिक रास्ते भी तलाश कर उसकी पैंशन बनानी चाहिए ताकि संगठन की मूल भावना सध्य सके।

मैं निम्न तरीके से ऐसी परिस्थितियों से निपटूंगा :-

- एक ऐसा निगरानी तंत्र विकसित करने का प्रयास करूंगा जो कहीं जन हित के नाम से अपना फायदा उठाने के लिए ~~तो~~, जान बूझकर कर्मचारी नियम कायदे तो नहीं तोड़ने लगे है यदि ऐसा होता है तो कठोर कार्रवाई की व्यवस्था होगी।
- समय समय पर संगठन में विभिन्न लघु फिल्मों, लघु नाटकों, डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से नियम कायदों के

पालन हेतु प्रेरित करना साथ ही उनको सुहृदय प्रशासन, नागरिक केंद्रित प्रशासन के लिए प्रेरित करना

- संगठन में एक अच्छी कार्य संस्कृति (टीम भावना) विकसित करने का प्रयास करूंगा।
- संगठन में सभी साथियों से बातचीत का एक लिखित कोड का निर्माण करूंगा।
- संगठन की जवाबदेही एवं पारदर्शिता बढ़ाने हेतु सरल शिकायती व्यवस्था को बढ़ावा देना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

6. Developing 'scientific temper' is one of the fundamental duties of Indian citizens under Article 51A of the Constitution. What do you understand by scientific temper? Explain its role in increasing tolerance in the society. What have you done to develop your scientific temper? 10

'वैज्ञानिक मनोवृत्ति' का विकास करना संविधान के अनुच्छेद 51-ए के अंतर्गत भारतीय नागरिकों का एक मौलिक कर्तव्य है। 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति' से आप क्या समझते हैं? समाज में सहिष्णुता बढ़ाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए। अपनी 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति' का विकास करने के लिए आपने क्या किया है?

वैज्ञानिक मनोवृत्ति का आशय है स्वयं को विभिन्न प्रकार के पूर्वाग्रहों से मुक्त कर, आधुनिक ज्ञान विज्ञान के अनुसार हर चीज को अपने विवेक एवं तर्क कसौटी पर कस कर फैसला लेना न कि किसी चीज का अंधानुकरण करना। ~~इसके साथ सहिष्णुता अस्पृश्यता से छुटकारा~~

समाज में सहिष्णुता के संवर्धन में वैज्ञानिक प्रवृत्ति की महती भूमिका है।

समाज की महत्वपूर्ण समस्याएं यथा दहेज प्रथा, विधवा पुनर्विवाह का विरोध, जाति प्रथा का समर्थन, अन्य धर्मों एवं संस्कृतियों के प्रति घृणा का भाव, कन्या भ्रूण हत्या में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखो)

सब रूढ़िवादिता एवं संधाउकरण के कारण ही विद्यमान है अतः यदि वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास होगा तो तर्क बुद्धि स्वयंमेव इनको काट देगी
समाज मे सहिष्णुता अर्थात् विभेदों के बावजूद सहअस्तित्व के प्रति सम्मान का भाव पैदा होगा।
स्वयं मे वैज्ञानिक प्रवृत्ति विकास हेतु निम्न प्रयास किए हैं:-

- स्वयं को सभी पूर्वाग्रहों से मुक्त करने का प्रयास करता हूँ
- देश के संविधान, संवैधानिक आदर्शों स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा ग्रहण करने का प्रयास करता हूँ
- अधिक से अधिक लोगों से मिलकर उनकी संस्कृति, सभ्यता, विचार समझने का प्रयास करता हूँ
- कई बार सामने वाले के विचार से सहमत नहीं होता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हूँ तो बहुमत विनम्रता से असहमति बताता हूँ

- महान लोगों यथा गांधी, कलाम इनकी जीवनी पढ़ता हूं
-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

7. There are only crimes, no criminals. In the light of this statement, examine retributive and reformative forms of punishment from moral perspective.10

यहां केवल अपराध है, कोई अपराधी नहीं। इस कथन के आलोक में नैतिक दृष्टिकोण से दंड के दंडात्मक और सुधारात्मक रूपों का परीक्षण कीजिए।

दण्ड के निषेध में मुख्यतः दण्डात्मक सुधारात्मक, विचार प्रचलित है।

जहाँ दण्डात्मक विचारधारा इस बात की समर्थक है कि यदि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है तो उसको दण्ड मिलना ही चाहिए ताकि वह भविष्य में ऐसा अपराध न करे तथा उसे दिए गए दण्ड से दूसरा अन्य भी हतोत्साहित हो।

वहीं सुधारात्मक रूप विचारधारा के पीछे यह धारणा है कि व्यक्ति प्रति अपराध विवश होता या परिस्थिति वश करता है अतः उसे दण्ड देने से पूर्व उन परिस्थितियों को जानना चाहिए तथा उसमें सुधार का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह निश्चित मनुष्य को मूलतः अच्छा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानता है अतः उन्हें परिस्थिति अनुकूल का सुधार का मौका देना चाहता है क्योंकि वह मानता है कि दण्ड देने से व्यक्ति प्रतिक्रियावादी भी हो सकता है

आधुनिक विश्व में हम जब सभ्यता के उस दौर में विकास के चरम स्तर पर खड़े हैं तब दण्ड के दण्डात्मक नहीं अपितु सुधारात्मक स्वरूप की तरफ ही गमन करना चाहिए एवं यूरोपीय देशों में उदार कई बेहतर परिणाम भी सामने आए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखो)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

8. What do you understand by 'belief'? How does it shape into value system? Illustrate with examples from your personal life. 10

'आस्था/विश्वास' से आप क्या समझते हैं? हमारी मूल्य प्रणाली में यह कैसे आकार लेता है? अपने व्यक्तिगत जीवन से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए व्याख्या कीजिए।

किसी भी दृढ़ आश्वासन की अवस्था को ही आस्था या विश्वास कहा जाता है यह अभिवृत्ति का महत्वपूर्ण आधार होता है।

हमारी मूल्य प्रणाली में विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि मूल्य वे होते हैं जिनके अच्छा होने का विश्वास किया जाता है अर्थात मूल्य के आधार के रूप में विश्वास उपस्थित है जब किसी बात का केवल विश्वास दृढ़ हो जाता है तो वह मूल्य में बदल जाता है।

जहां तक मेरे व्यक्तिगत जीवन की बात है मैंने एक बार पिताजी की जेब से पैसे निकाल लिए और उन पैसों से मैंने बाजार में जंक फूड खा लिया उस जंक फूड से मुझे दस्त लगी ऐसा मेरे जीवन में दो तीन बार हुआ तो मेरे अंदर यह विश्वास का उदय की चोरी करना पाप

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

है तथा "चोरी का माल मोरी" में जाता है तो मैंने सीख लिया ईमानदारी जीवन का सर्वोच्च महत्वपूर्ण मूल्य है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. Ram is an Indian student in Oxford University. His best friend ' Harry' is a Britisher. Recently they both watched the debate where an Indian MP argued that Britain owes an apology and reparations to India for the historical wrongs committed during its rule. Harry objects the idea on these grounds: "I never exploited any Indian. None of my family members ever worked for British East India Company. I don't know why I should have to pay for someone who exploited Indians, generations before I was born". Making present-day citizens to pay reparations for the past wrongs, seems to raise some concerns. They both come to you (an Ethics professor) and ask you to decide who among them is correct. Critically analyze their arguments and bring out the ethical issues involved. 20

राम ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भारतीय छात्र है। उसका सबसे अच्छा मित्र 'हैरी' अंग्रेज़ है। हाल ही में उन दोनों ने एक ऐसी बहस देखी जिसमें एक भारतीय सांसद तर्क देता है कि ब्रिटेन को अपने शासन के दौरान की गई ऐतिहासिक गलतियों के लिए भारत से क्षमा मांगनी चाहिए और उनका प्रायश्चित करना चाहिए। हैरी अग्र उल्लिखित आधारों पर इस विचार का विरोध करता है: "मैंने कभी किसी भारतीय का शोषण नहीं किया है मेरे परिवार के किसी भी सदस्य ने कभी भी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए काम नहीं किया। यह मेरी समझ से परे है कि मुझे क्यों किसी ऐसे कृत्य के लिए भुगतान करना चाहिए जिसने मेरे जन्म से पीढ़ियों पहले भारतीयों का शोषण किया।" अतीत की गलतियों के लिए वर्तमान नागरिकों से क्षतिपूर्ति का भुगतान कराना थोड़ा चिंताजनक प्रतीत होता है। वे दोनों आप (एथिक्स प्रोफेसर) के पास आते हैं और आपसे इस बात का निर्णय करने को कहते हैं कि उनमें से कौन सही है। आलोचनात्मक रूप से उनके तर्कों का विश्लेषण करें और इसमें सम्मिलित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

यहां पर उपस्थित नैतिक मुद्दे निम्न हैं।

(1) अतीत के शोषण की वर्तमान पीढ़ी पर जिम्मेदारी

(2) राष्ट्रीय दायित्व बनाम व्यक्तिगत दायित्व के जिम्मेदारी

(3) दोनों के बीच वैचारिक मतभेद की सीमा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

हेरी के तर्कों का विश्लेषण

हेरी का तर्क है मैंने, मेरे परिवार ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए काम नहीं किया अतः वह भुगतान हेतु उत्तरदायी नहीं हो सकता है यह कथन इस संदर्भ में तो सही है कि जो अपराध करे उसे ही दण्ड मिलना चाहिए। लेकिन सूक्ष्मता से देखा जाए तो हेरी का यह व्यक्तिगत मामला मात्र नहीं है हेरी उस देश का निवासी है हेरी उस देश के संसाधनों का उपयोग कर रहा है उन्हीं संसाधनों को कभी भारतीयों का शोषण करके खड़ा किया गया था जब हेरी इनका उपयोग कर रहा है तो भुगतान का दायित्व बनता है

जहां तक अतीत की गलतियों के लिए वर्तमान नागरिकों से क्षतिपूर्ति के भुगतान की बात है यह इस संदर्भ में तो ठीक नहीं कहा जा सकता है कि इनकी जवाबदेही का हनन होता है लेकिन दूसरी तरफ देखें तो इनके शोषणकर्ता जब शोषण होगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तब सदैव उसके जेहन में यह बात रहेगी की उसका भविष्य में उठाने वाली पीढ़ी द्वारा भुगतान करना पड़ सकता है इससे और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार या नियंत्रण पाया जा सकता है साम्राज्यवादी एवं नव उपनिवेशवादी प्रवृत्ति को रोक सकते है

इससे पीड़ित पक्ष को जो आपदा भोगी में भी रहा है उसे क्षतिपूर्ति मिलेगी तथा शोषणकर्ता देश के प्रति उसकी घृणा भी कम होगी जिससे वैश्विक शांति व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. A common sight in India at traffic signals, railway stations and urban markets, is that of a destitute woman, begging, with a child in her arms. At times, out of pity or out of fear, from being cursed by God, or out of irritation, we tend to give them some coins or money and drive them away. In this context, bring out the ethical issues associated with beggary. Indicate the socio-economic reasons behind it. Also, discuss the attitudinal aspects of people towards beggars. What feasible steps can be taken to effectively control this serious problem of our country? 20

ट्रैफिक सिग्नलों, रेलवे स्टेशनों और शहरी बाजारों में एक बच्चे को लिए हुए, भीख मांगने वाली असहाय महिला का दृश्य आम है। कभी-कभी दयावश या भगवान द्वारा शाप दिए जाने के भयवश या क्षोभवश, हम उन्हें कुछ सिक्के या रुपए दे कर दूर भगा देते हैं। इस संदर्भ में, भिक्षावृत्ति से जुड़े नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए। इसके पीछे के सामाजिक-आर्थिक कारणों को स्पष्ट करें। इसके साथ ही, भिखारियों के प्रति लोगों की अभिवृत्ति से संबंधी पहलुओं पर चर्चा करें। हमारे देश की इस गंभीर समस्या के प्रभावी नियंत्रण हेतु कौन-से व्यवहार्य कदम उठाए जा सकते हैं?

भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए नैतिक मुद्दे :-

(1) जीवन जीने की न्यूनतम आवश्यकताओं का अभाव का मुद्दा
(2) अमीर बनाम गरीब का मुद्दा
(3) संसाधन वितरण का मुद्दा
(4) समावेशी विकास का मुद्दा
(5) तस्करी, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, बाल शोषण के मुद्दे

भिक्षावृत्ति के पीछे के सामाजिक-आर्थिक कारण :-

अशिक्षा समाज में व्यापक पैमाने पर फैली अशिक्षा के कारण लोग परिवार नियोजन का महत्व ही नहीं समझ पाते हैं फलस्वरूप बड़े परिवारों के कारण व्यापक स्तर पर फैली निर्धनता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

और बढ़ावा देती है।

बेरोजगारी : समाज में फैली व्यापक बेरोजगारी एवं रोजगार के अवसरों का अभाव लोगों को भिक्षावृत्ति की तरफ धकेल रही है

निर्धनता : समाज में फैली व्यापक निर्धनता, गरीबी, भुखमरी लोगों को भिक्षावृत्ति की तरफ धकेल देती है इनके अलावा बीमारियां, मांगने की प्रवृत्ति इत्यादि भी उत्तरदायी है।

भिखारियों के प्रति लोगों की अभिवृत्ति :-

- ये चोर, धोखेबाज लोग होते है
- ये विभिन्न अवैध गतिविधियों तस्करी इत्यादि में लिप्त रहते है
- ये कमाना नहीं चाहते है
- ये अनपढ़, गंवार, पिछड़े लोग है

लेकिन वास्तव में देखे तो लोगों की इनके प्रति ऐसी अभिवृत्ति पूर्णतः उचित नहीं माना जा सकता है क्योंकि कई बार इनकी मजबूरी होती है तथा कई बच्चे एवं औरते ट्रैफिकिंग के माध्यम से लाकर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्र में धकेल दिए जाते हैं अतः इस समस्या के निदान हेतु निम्न कदम उठाये जा सकते हैं

- जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रयास किए जाने चाहिए इस विषय में उचित जन-जागरण, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरियों, स्थानीय भाषा में पोस्टर, विभिन्न प्रेरणाओं, डॉक्यूमेंट्री इत्यादि के माध्यम से लोगों को प्रेरित करना चाहिए।
- शिक्षा तक सभी की पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए तथा लोगों का कौशल विकास करके उन्हें माइक्रो फाइनेंस के माध्यम से माइक्रो ऋण उपलब्ध करवाके स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना चाहिए इस हेतु विभिन्न N.G.O.s, सिविल सोसाइटी का उपयोग किया जा सकता है।

• इन लोगों से संबंधित कार्यक्रमों के उचित क्रियान्वयन हेतु लघु फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री, पैनल विमर्श, इनसे बातचीत के माध्यम से सिविल सेवकों की मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करना चाहिए ताकि इनके प्रति पूर्वाग्रह दूर हो तथा कार्यक्रमों का उचित क्रियान्वयन हो।

• इनसे विभिन्न बुनियादी सेवाएं उपलब्ध करवाई जाए पुनर्वास किया जाना चाहिए।

इस तरह से हम इस समस्या पर नियंत्रण पा सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are an A.C.P. in New Delhi. There has been a steep rise in incidents of racial discrimination in the area falling under your jurisdiction. Recently, a young boy from North East was beaten badly by a mob in a market area. This has led to protest by students from the North East region. They have gathered outside your office and are demanding strict action against the culprits. **(a)** What will be your strategy to manage the situation. Bring out a plan to counter such incidents in the future. **(b)** What is the use of emotional intelligence in such situations? **(c)** What are the social and attitudinal factors responsible for racial discrimination. 20

आप नई दिल्ली में ए.सी.पी. हैं। आपके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में नस्लीय भेदभाव की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। हाल ही में, उत्तर-पूर्व के एक युवा लड़के को बाजार में भीड़ ने बुरी तरह से पीटा था। इसने पूर्वोत्तर के छात्रों को विरोध करने के लिए प्रेरित किया। वे आपके कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए हैं और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।**(a)** इस स्थिति का प्रबंधन करने के लिए आपकी रणनीति क्या होगी ? भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से निपटने हेतु योजना बताएं। **(b)** इस प्रकार की स्थितियों से निपटने में भावनात्मक समझ किस प्रकार उपयोगी है? **(c)** नस्लीय भेदभाव हेतु उत्तरदायी सामाजिक और अभिवृत्ति से सम्बंधित विभिन्न कारक कौन-से हैं ?

विकल्प (a) कार्यालय से बाहर एकत्रित भीड़ के सामने सबसे पहले मैं अफसोस व्यक्त करूंगा की मेरे क्षेत्र में ऐसी घटना हुई है तथा भीड़ से एक प्रतिनिधि मंडल बातचीत के लिए एक प्रतिनिधि मंडल को कार्यालय के अंदर मिलने के लिए भेजने का आग्रह करूंगा। प्रतिनिधि मंडल की सभी बातों एवं समस्याओं को ध्यानपूर्वक नम्रता के साथ सुनूंगा तथा अपनी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

सांवेगिक संवेदनशीलता से उनकी समस्या को समझने एवं महसूस करने का प्रयास करूंगा तथा उन्हें ~~आश्वा~~ आश्वस्त करूंगा कि आपकी बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचायी जाएगी तथा भविष्य में पूरी चाक चौबंद व्यवस्था रखी जाएगी की ऐसी घटना की घटित ना हो तथा वर्तमान घटना के दोषियों को तुरंत पकड़ने का आश्वासन भी दूंगा।

भविष्य में इस प्रकार की घटना से निपटने हेतु निम्न कदम उठाऊंगा :-

(1) सबसे पहले मैं से पूर्व मेरे क्षेत्र में रहे अधिकारियों की इस विषय में रही रणनीतियों का अध्ययन करूंगा।

(2) बीट व्यवस्था को मजबूत एवं चाक चौबंद बनाऊंगा ताकि ऐसी घटनाएं हो ही नहीं एवं हो तो तुरंत जानकारी मिल जाए एवं तुरंत कार्यवाही की जा सके ताकि लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े।

(3) लोगों में पुलिस एवं अन्य लोगों के प्रति भाईचारा की भावना होने

वाले भेदभाव के संदर्भ में विभिन्न नुक्कड़ नाटकों, प्रभात फेरियों, डॉक्युमेंट्री इत्यादि से मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करूंगा।

- पुलिस समुदाय बैठकें नियमित करूंगा।
- तकनीकी प्रयोग से जैसे पुलिस नं., मोबाइल ऐप जारी करूंगा ताकि तत्काल में तुरंत सहायता मिल सके
- पुलिस व्यवहार में परिवर्तन हेतु नियमित प्रशिक्षणों की व्यवस्था करूंगा।

विकल्प (b) भावनात्मक समझ ऐसी घटनाओं के हल में बेहद उपयोगी होती है क्योंकि बिना भावनात्मक समझ के उनके साथ उचित संवाद एवं समन्वय स्थापित नहीं हो सकता है जिससे लोग भड़क सकते हैं और अनियंत्रित हो सकती है जिससे कानून व्यवस्था बिगड़ने का भय रहता है अतः एक प्रशासक के लिए ऐसी परिस्थिति में तात्कालिक कदम उठाने, जवाबदेही को समझने, लोगों को शांत करने, पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने में भावनात्मक समझ बेहद उपयोगी होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

नस्लीय भेदभाव के कारण उत्तरदायी सामाजिक एवं मनोवृत्ति संबंधी कारक :-

- पूर्वोत्तर लोगों की शारीरिक संरचना (मंगोलॉयड) को लोगों द्वारा अपनी तुलना में कमजोर मानना तथा उनकी हंसी मजाक उड़ाना एवं स्वयं को श्रेष्ठ मानना।
- ~~आपसी मेलमिलाप एवं~~ सांस्कृतिक भिन्नता को भेदभाव के स्तर तक ले जाना
- आपसी मेलमिलाप कम होना
- पूर्वोत्तर की समस्याओं का ज्ञान कम लोगों को मानकर कम ही पूछा जाना।

अतः विभिन्न माध्यमों से इन मनोवृत्तियों में परिवर्तन लानी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are an officer in the Labour department. You went to your brother's wedding and saw that minors were employed by the wedding band company to carry their electric instruments. You know that it is an unlawful activity and it is your responsibility to take action against it. However, since it is a family wedding so they have asked you to look the other way. Some of the options available to you to handle this situat on are as follows: 1. You will not take any action as this could be seen by the others as a deliberate action to spoil the wedding. 2. You will act strictly and remove them from the wedding and file a case against the band company. 3. You will talk to the band personal and give a notice to them that they should not employ any minor children after this marriage. Suggest any other possible option. Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reason for it. 20

आप श्रम विभाग में एक अधिकारी हैं। आप अपने भाई की शादी में जाते हैं और देखते हैं कि शादी की बैंड कंपनी ने अपने विद्युत उपकरणों को ढोने के लिए अल्पवयस्कों (नाबालिग) को काम पर लगा रखा है। आपको पता है कि यह गैर-कानूनी गतिविधि है और इसके विरुद्ध कार्रवाई करना आपका उत्तरदायित्व है। हालांकि, यह आपके परिवार की शादी है इसलिए वे आपसे अन्य उपाय तलाशने को कहते हैं। इस स्थिति से निपटने हेतु आपके समक्ष उपलब्ध कुछ विकल्प इस प्रकार हैं: 1. आप कोई भी कार्रवाई नहीं करेंगे क्योंकि इसे अन्य लोगों द्वारा शादी को खराब करने के लिए जानबूझकर की गई कार्रवाई के रूप में देखा जा सकता है। 2. आप कठोरता पूर्वक कार्य करते हुए उन्हें शादी से हटा देंगें तथा बैंड कंपनी के विरुद्ध मुक़दमा दायर करेंगे। 3. आप बैंड के कर्मचारियों से बात करेंगे और इस बात का नोटिस देंगे कि इस शादी के बाद उन्हें किसी भी अल्पवयस्क (नाबालिग) को काम पर नहीं लगाना चाहिए। किसी अन्य संभव विकल्प का सुझाव भी दीजिए। इन सभी विकल्पों का मूल्यांकन करें और कार्रवाई हेतु कारण के साथ सर्वोत्तम विकल्प का सुझाव दीजिए।

विकल्प (1) पहला विकल्प इस दृष्टि से तो उचित है कि कोई कार्यवाही नहीं करने पर शादी अच्छे से नाचगान के साथ हो जाएगी तथा समाज के अन्य लोगों से भी मेरे संबंध बने रहेंगे पर पर दूसरी तरफ देखा जाए तो एक लोक सेवक के नाते मैं सिविल सेवकों के बुनियादी मूल्य सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, कमजोर के प्रति संवेदनशीलता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भेदभाव रहितता, गैरतरफदारी, वस्तुनिष्ठता का उल्लंघन माना जा सकता है जो कि अनैतिक है।

विकल्प (2) यह विकल्प अच्छा है लेकिन इस विकल्प के अवगुण यह है कि इनके शादी का उत्साह ठण्डा हो जाएगा तथा अन्य परिवार वाले भी नाराज हो सकते हैं लेकिन ऐसा करने से मैं अपने पद के कर्तव्य, न्यायनिष्ठा, निष्पक्षता, भेदभाव रहितता, गैर तरफदारी, वस्तुनिष्ठा जैसे सिविल सेवा के बुनियादी मूल्यों की सुरक्षा कर सकूंगी। तथा बैंड कंपनी का गलत कृत्यों के कारण उचित दण्ड हेतु मुकदमा दायर करना भी उचित कदम होगा।

विकल्प (3) यह विकल्प इस दृष्टि से तो उचित है कि इनके मेरे भाई की शादी धूमधाम से हो जाएगी तथा परिवारजनों एवं अन्य की नाराजगी भी मुझे झेलनी नहीं पड़ेगी लेकिन इसके अवगुण यह है कि सिविल सेवा के बुनियादी मूल्य भेदभाव रहितता, गैरतरफदारी, न्यायनिष्ठा,

का यहाँ पर सीधा उल्लंघन होगा तथा मेरी ऐसी छवि बनेगी की स्वयं के स्वार्थ के लिए बच्चों के हित को भी दाव पर लगा दिया। अतः मैं इस विकल्प को नहीं चुनूंगा।

मैं इन्हीं विकल्प को उचित मानता हूं तथा इनके साथ ही अपने परिवार को मैं समझाने का प्रयास करूंगा कि गैर कानूनी गतिविधियों को शादी जैसे पवित्र स्थान पर बढ़ावा नहीं देना चाहिए तथा शादी बिना बैंड बाजों का कोई वैकल्पिक व्यवस्था करके भी धूमधाम एवं सोम्यता पूर्वक की जा सकती है साथ ही बच्चों के उचित पुनर्वास हेतु उनके परिवारों से संपर्क करूंगा तथा उनके लिए उचित शिक्षा की व्यवस्था करूंगा, तथा परिवारों की समस्या जानकर उनकी समस्याओं का निदान या उनके लिए नियमानुसार व्यवस्था, पेंशन की व्यवस्था का प्रयास करूंगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

13. You are a working as a junior engineer in second year of your job. A senior engineer has been on sick leave, and you are due to go on study leave. You have been told by your manager that, before you go on leave, you must complete some complicated repair and maintenance work. The deadline suggested appears unrealistic, given the complexity of the work. You feel that you are not sufficiently experienced to complete the work alone. You would need additional supervision to complete it to the required standard, and your manager has stated his inability to offer the necessary support. If you try to complete the work within the proposed timeframe but fail to meet the expected quality, you could face repercussions after your return from study leave. You feel slightly intimidated by your manager, and also feel pressure to do what you can for the company and ensure long term job security. Indicate various options that are available with you in this situation. Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reasons for it. 20

आप अपनी नौकरी के दूसरे वर्ष में जूनियर इंजीनियर (कनिष्ठ अभियंता) के रूप में काम कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इंजीनियर बीमारी के कारण अवकाश पर है और आपको भी अध्ययन अवकाश पर जाना है। आपके प्रबंधक ने आपसे से अवकाश पर जाने से पूर्व कुछ जटिल मरम्मत और रखरखाव के कार्य को पूरा करने को कहा है दी गई समय सीमा काम की जटिलता को देखते हुए कम प्रतीत होती है। साथ ही, आप स्वयं को अकेले काम पूरा करने लिए पर्याप्त रूप से अनुभवी भी नहीं पाते हैं। इसे आवश्यक मानक के अनुसार पूरा करने के लिए आपको अतिरिक्त पर्यवेक्षण की आवश्यकता है और आपके प्रबंधक ने आवश्यक सहायता प्रदान करने में अपनी असमर्थता जता दी है। यदि आप प्रस्तावित समय सीमा के भीतर, काम पूरा करने का प्रयास करते हैं और वांछित गुणवत्ता देने में विफल रहते हैं, तो अध्ययन अवकाश से लौटने पर इसके परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। आप अपने प्रबंधक से थोड़े भयभीत हैं। साथ ही, अपनी नौकरी की दीर्घकालिक सुरक्षा की सुनिश्चितता हेतु आप कंपनी के लिए जो कर सकते हैं, उसे करने के लिए दबाव का भी अनुभव कर रहे हैं। इस स्थिति में स्वयं के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों को स्पष्ट कीजिए। उन सभी का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए सर्वोत्तम कार्यवाही का सुझाव दीजिए।

विकल्प (1) प्रबंधक की बात मान लूं एवं दी गई समय सीमा में काम करके अध्ययन अवकाश पर चला जाऊं। यह विकल्प इस दृष्टि से उपयुक्त है कि इसमें मेरे प्रबंधक की बात भी मान ली जाएगी मेरी संगठन के प्रति प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी तथा अपने भावी के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

क्रिया के लिए पढ़ाई का अवकाश भी प्राप्त हो जाएगा लेकिन इसके अवगुण यह है कि चूंकि कार्य की गई समय सीमा में पूरा किसी हालत में हो नहीं सकता एवं स्वयं को पर्याप्त अनुभव भी नहीं है इससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है जिसका सीधा संबंध उपभोक्ता हित एवं संगठन की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है अतः यह विकल्प अनैतिक एवं अव्यावहारिक होगा।

विकल्प (2) काम करने के लिए सीधा मना कर दूं तथा आवेदन देकर अध्ययन अवकाश पर चला जाऊं यह विकल्प किसी भी दृष्टि से उचित नहीं हो सकता क्योंकि मैं यहां पर सत्यनिष्ठा, संगठनिक प्रतिबद्धता जैसे मूल्यों की अवहेलना कर रहा हूं जो अनैतिक एवं अव्यावहारिक है।

विकल्प (3) प्रबंधक से मिलं अपनी समस्या बताऊं तथा उनके द्वारा दी गई समय सीमा बढ़ाने का विनम्र निवेदन करूं तथा प्रबंधक के न मानने पर उच्च अधिकारियों को सूचित भी करूं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. यह विकल्प उचित है क्योंकि मानव प्रबन्धक से व्यक्तिगत मिलकर बताने प्रबन्धक समस्या को समझ कर समय सीमा बढ़ा सकते हैं प्रधान करे सहयोगी भी उपलब्ध करवा सकते हैं ताकि कार्य की गुणवत्ता बनी रहेगी जिससे निगम प्रतिष्ठा एवं उपभोक्ता हित भी सुरक्षित रहेगा तथा निगम प्रतिष्ठा बनी रहेगी मेरा कैरियर भी सुरक्षित रहेगा तथा मुझे समय पर कार्य करने पर अध्ययन अवसर भी प्राप्त होगा। यदि प्रबन्धक नहीं मानता है तो उचित अधिकारियों को लिखित में अवगत करवा रहा है अतः काम समय सीमा में पूरा नहीं होने पर भी दण्ड नहीं भुगतना पड़ेगा

अतः मैं तीसरे विकल्प को चुनूंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखो)

14. Euthanasia is the practice of intentionally ending the life of someone who's suffering from an incurable illness or is in an irreversible coma. In the last stages of a terminal illness, for instance, patients who don't want to live the rest of their life in agonising pain may ask a doctor or family member to help them end their lives. Euthanasia may be active or passive and Euthanasia may be voluntary or involuntary. All these aspects raise different ethical concerns for the patient, doctor as well as the relatives of the patient. Discuss these ethical issues and the various social and attitudinal factors that play a role in the decision in euthanasia. Should there be a uniform policy to tackle cases related to euthanasia? Explain with relevant examples. 20

इच्छामृत्यु जानबूझकर किसी ऐसे का जीवन समाप्त करने की प्रक्रिया है जो लाइलाज रोग से पीड़ित है या स्थाई रूप से कोमा में है। उदाहरण के लिए लाइलाज रोग के अंतिम चरण में ऐसे रोगी जो पीड़ादायी कष्ट में अपना शेष जीवन नहीं जीना चाहते हैं, अपना जीवन समाप्त करने में सहायता करने के लिए चिकित्सक या परिवार के किसी सदस्य से कह सकते हैं। इच्छामृत्यु सक्रिय या निष्क्रिय हो सकती है और इच्छामृत्यु स्वैच्छिक या अनैच्छिक भी हो सकती है। ये सभी पहलु रोगी, चिकित्सक और रोगी के संबंधियों के लिए अलग-अलग नैतिक चिंताएं खड़ी करते हैं। इच्छामृत्यु संबंधी निर्णय में भूमिका निभाने वाले इन नैतिक मुद्दों तथा विभिन्न सामाजिक व अभिवृत्ति से सम्बंधित कारकों पर चर्चा करें। इच्छामृत्यु से संबंधित प्रकरणों से निपटने के लिए क्या एक समान नीति होनी चाहिए? इसे प्रासंगिक उदाहरणों के साथ समझाएं।

इच्छा मृत्यु आज एक महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दा है जिनको लेकर विभिन्न देशों में विभिन्न नैतिक चिंताएं:-

(1) क्या जीने के साथ मरने का अधिकार सम्मिलित है

(2) इसे आत्महत्या के समान मानकर आपराधिक कृत्य मानना

(3) जीवन जीना बनाम मरना

(4) गुणवत्ता पूर्वक जीवन जीना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इच्छा मृत्यु संबंधी समाज में विभिन्न सामाजिक एवं अभिव्यक्ति संबंधी कारक विद्यमान हैं समाज मानव जीवन को ईश्वर प्रदत्त मानता है तथा मनुष्य को जीवन के संघर्ष की प्रेरणा की बात करता है तथा मरने को कायरता समझता है समाज धार्मिक दृष्टि से भी ईश्वरीय व्यवस्था में हस्तक्षेप समझता है जो कि अनैतिक है समाज सोच एक समाज के सामने गलत उदाहरण के रूप में लेता है तथा जो कि आने वाली पीढ़ी एवं किसी पर आश्रित लोगों के लिए उचित नहीं माना जाता है।

इच्छा मृत्यु से संबंधित प्रकरणों के निपटने हेतु जहां तक एक समान नीति की बात है पर सभी निर्णय में उचित कही जा सकती है कि इससे विभिन्न कानूनों की जटिलता का कोई फायदा नहीं उठा पाएगा जिससे इच्छा मृत्यु धारी के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। तथा इससे किसी भी केस में निर्णय लेने में आसानी रहेगी, पारदर्शिता रहेगी।

लेकिन दूसरी तरफ देखे तो एक समान नीति से इस समस्या का समग्र हल नहीं हो पाएगा क्योंकि इनके विभिन्न रोगों, रेबीज एवं उन रोगों पर चिकित्सकों की राय में भिन्नता हो सकती है कई बार बुद्ध, बुजुर्गों को भी जानबूझकर भी इस ओर में धकेला जा सकता है।

अतः इस केस में विधायिका में समाज में एक व्यापक बहस की जरूरत है तथा इस केस में उच्चतम न्यायालय के अरुणा शान बाग निर्णय का भी महत्वपूर्ण संदर्भ लिया जा सकता है।

VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N 26 SEP 2015
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 701)

Name of Candidate	PREMSUKH DELU		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	15301
Center	Delhi	Date	26/9/15

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
   इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

All the questions are compulsory and carry 12.5 marks each.

1. (a) "If instead of insisting on rights everyone does his duty, there will immediately be the rule of order established among mankind." - Mahatma Gandhi. Bring out what this statement means to you in the present context. (150 words) 10

"यदि अधिकारों पर बल देने के बजाय प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्य का पालन करे तो मानवजाति के बीच शीघ्र ही शासन व्यवस्था प्रतिष्ठित हो जाएगी।"– महात्मा गांधी। इस बात पर प्रकाश डालें कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह कथन का आपके लिए क्या महत्व रखता है? (150 शब्द)

जहाँ अधिकार दावों को दर्शाता है वहीं कर्तव्य किसी दूसरे के प्रति हमारी दायित्व ~~व्यवस्था~~ का द्योतक है वस्तुतः अधिकार एवं कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू है।

आज हम अपने अधिकारों को लेकर के अत्यधिक सजग है ~~तथा~~ लेकिन हम अपने कर्तव्यों को नकारते जा रहे है।

वस्तुतः जब हम अधिकार की मांग कर रहे तो हम व्यक्तिगत हितों की पूर्ति प्राप्त कर रहे है लेकिन चूंकि हम एक सामाजिक ~~[illegible]~~ प्राणी है अतः हमारा हमारे समाज के प्रति भी एक दायित्व बनता है क्योंकि हम निरपेक्ष नहीं रह सकते है यदि हम केवल हमारे अधिकारों की पूर्ति की बात करते रहेंगे तो हम दूसरे व्यक्तियों के अधिकारों का हनन

भी कर सकते हैं अतः हमारा दायित्व बनता है कि हमारे अधिकार की पूर्ति इस तरह से हो कि दूसरों के अधिकार को हानि न पहुंचे।

और यदि हम केवल स्वयं के अधिकारों की ही बात करते रहेंगे तो केवल अधिकार की बात से अराजकता पैदा हो सकती है क्योंकि सभी हम निरपेक्ष हो जाएंगे जबकि हम सापेक्ष हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Should circumstances be the sole criterion for judging the morality of human action or the nature of the action and its purpose must also be considered? Justify your stand with examples. (150 words) 10
क्या परिस्थितियाँ ही मानव कार्यों की नैतिकता की परख करने का एक मात्र पैमाना होना चाहिए या कार्य की प्रकृति और उसके उद्देश्य पर भी विचार किया जाना चाहिए? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने मत की अभिपुष्टि करें। (150 शब्द)

विचारकों के मध्य मानव कार्यों की नैतिकता की कसौटी को लेकर महत्वपूर्ण मतभेद रहे हैं जहां कुछ विचारक यथा बेंथम मिल आदि कार्य के उद्देश्य के आधार पर मानव के नैतिक-अनैतिक व्यवहार को घोषित करते हैं ~~अर्थात~~ वहीं कुछ विचारक यथा कांट इत्यादि कार्य के परिणाम पर ध्यान न देकर कार्य को अपना कर्तव्य नियम या कोड की बात करते हैं।

किन्तु इन विचारकों द्वारा कार्य की नैतिकता ~~अनैतिक~~ अनैतिकता में विकल्प की स्वतंत्रता, विकल्प की उपस्थिति, ज्ञान, उद्देश्य को महत्व दिया गया है अर्थात् इनके होने पर ही ऐच्छिक कर्मों के ही मूल्यांकन की बात की जाती है अर्थात् यदि कोई व्यक्ति शराबी है एवं मानसिक रूप से विचलित नहीं होता जाता लेकिन उस व्यक्ति अपराध

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कारे उनके एक जीव की हत्या करवा देते हैं तो उस व्यक्ति के पहां का नैतिक एवं अनैतिक होने का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है क्योंकि उनके निर्णय की स्वतंत्रता के बाध नहीं किया है

अतः किसी भी कार्य का मूल्यांकन करते समय हमें उद्देश्य एवं प्रकृति के साथ-साथ परिस्थितियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) A person cannot do right in civil service whilst attempting to do wrong in personal life. In context of this statement, examine the relationship between personal and professional ethics. Do civil servants have to be ethical in personal life in order to be professionally ethical? Illustrate. (150 words) 10

अपने व्यक्तिगत जीवन में गलत करने में प्रयासरत व्यक्ति सिविल सेवा में सही कार्य नहीं कर सकता। इस कथन के परिप्रेक्ष्य में व्यक्तिगत और पेशेवर नैतिकता के बीच सम्बन्ध की जांच करें। क्या पेशेवर तौर पर नैतिक होने के लिए सिविल सेवकों को व्यक्तिगत जीवन में भी नैतिक होने की आवश्यकता है? व्याख्या करें। (150 शब्द)

नैतिकता अच्छे-बुरे, उचित अनुचित को निर्धारित करने वाले मानकों का समूह है वास्तव में नैतिकता का ~~[illegible]~~ मानतत्व तर्कपूर्ण औचित्यकरण, एवं सार्वभौमिकता है अतः मानव जीवन में व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन में नैतिकता में साम्य है

व्यक्तिगत जीवन में जो नैतिकता यथा ईमानदारी, ~~[illegible]~~ आदि से जुड़ी हुई हो सकती है वही सार्वजनिक जीवन की नैतिकता उसके पदीय कर्तव्यों अर्थात् जनहित एवं जनलाभ से जुड़ी हुई है।

कई बार हम देखते हैं कि कुछ व्यक्तियों का व्यक्तिगत जीवन बहुत सफल ~~[illegible]~~ नहीं ~~रहता~~ रहा लेकिन सार्वजनिक जीवन में वे ~~महत्वपूर्ण~~ महत्वपूर्ण कार्य करते हैं उदा० यदि हम गांधी जी का

पारिवारिक दृष्टि से देखें तो वे अपने ~~पारिवा~~ पारिवारिक मामलों में सफल नहीं थे उनके पुत्रों ने आत्म हत्यायें भी की

वहीं दूसरा व्यक्ति व्यक्तिगत जीवन में बेहद सफल रहे हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में सफल नहीं हो सके।

लेकिन हाँ, यह जाना है कि यदि व्यक्ति व्यक्तिगत जीवन में सफल है तो उसके सार्वजनिक जीवन में नैतिक होने की संभावना बढ़ जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) What is social accountability? How can it act as a more effective mechanism than the conventional methods of extracting accountability? What steps can a civil servant take to improve the effectiveness of social accountability in India? 10

सामाजिक उत्तरदायित्व से आप क्या समझते हैं?उत्तरदायित्व की सुनिश्चितता के परम्परागत तरीके की अपेक्षा यह एक अधिक प्रभावी व्यवस्था के रूप में किस प्रकार कार्य कर सकता है? भारत में सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रभाविता में अभिवृद्धि हेतु एक सिविल सेवक कौन-से कदम उठा सकता है?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) It is often said that home is the first school and parents are the first teachers. Explain the role of family in inculcating moral values. Analyze how the changing nature of family has affected this role in the context of India. (150 words) 10

प्रायः यह कहा जाता है कि घर प्रथम विद्यालय और माता-पिता प्रथम शिक्षक होते हैं। नैतिक मूल्यों की स्थापना में परिवार की भूमिका की व्याख्या प्रस्तुत करें। भारतीय परिप्रेक्ष्य में इस बात का विश्लेषण करें कि परिवार की बदलती प्रकृति ने किस प्रकार इस भूमिका को प्रभावित किया है? (150 शब्द)

मूल्य रोपण में परिवार की प्राथमिक भूमिका होती है क्योंकि परिवार में माता-पिता भाई बहिन, नाना-नानी आदि के निरंतर सक्रिय उपस्थिता भी होते है। ~~कता भां~~

जिन परिवारों में माता पिता की बच्चों के प्रति धार्मिकता ज्यादा होती है ~~बच्चे~~ माता पिता की बच्चों के प्रति कठोरता की भावना होती है वे ज्यादा • सामाजिक होते है साथ ही संयुक्त परिवारों में भी बच्चों के मूल्य विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती यहाँ बच्चों को शिक्षा एवं स्नेह ज्यादा मिलता है बजाय एकल परिवारों के।

जिन परिवारों में बच्चों को मनोरंजन के माध्यम उचित उपलब्ध होते है वहाँ पर भी नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण विकास हुआ है।

लेकिन वर्तमान ~~व~~ आधुनिकता की दौर में हमारे परिवार संयुक्त से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एकल हो रहे हैं ~~[illegible]~~ तथा साथ ही माता-पिता दोनों कार्यशील होने के कारण बच्चों से अंतःक्रिया नहीं हो पा रही है फलस्वरूप बच्चों में दया, करुणा, जुड़ाव जैसे मूल्य विकसित ही नहीं हो पाते हैं।

साथ ही बच्चों द्वारा अधिक से अधिक टी.वी. से चिपके रह रहे हैं ~~[illegible]~~ क्योंकि परिवारों में अंतःक्रिया नहीं होती साथ ही सोशल ~~[illegible]~~ मीडिया में भी बच्चे गुम हो रहे हैं इन सबकी वजह से माता-पिता एवं बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव का अभाव हो रहा है फलस्वरूप आज के बाल अपराध, युवा आत्महत्या जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** The erosion of civic values from our public life has become a pervasive phenomenon. Discuss the role of value education in tackling this issue in the Indian context. (150 words) 10

हमारे सार्वजनिक जीवन से नागरिक मूल्यों का ह्रास एक व्यापक परिघटना बन गयी है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में इस मुद्दे का समाधान करने के सन्दर्भ में मूल्यप्रद शिक्षा की भूमिका पर चर्चा करें। (150 शब्द)

वर्तमान नागरिक जीवन के मूल्य ह्रास एक महत्वपूर्ण परिघटना है क्योंकि सालों तक बढ़ते हुए भौतिकतावाद, उपभोक्तावाद, वैश्वीकरण ने इस ह्रास को और तेजी प्रदान की है।

नागरिक जीवन में मूल्यों के विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है ~~एक बालक को~~ इस विषय में बचपन में दी गई शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान इस विषय में एक जानी शिक्षक पेस्टोलॉजी ने कहा है "6-7 साल तक एक बच्चे को मुझे दो उसके भविष्य निर्धारित कर दूंगा कि वह शैतान बनेगा या भगवान" चूंकि एक बालक अबोध होता है इस उम्र में जैसी शिक्षा देंगे वह वैसा ही बन जाएगा यदि इस उम्र में मानवीय गुण यथा दया, प्रेम, करुणा, न्याय, संतोष

जाति की शिक्षा देंगे तो उनका विकास भी उसी अनुरूप होगा और यदि हमारी शिक्षा व्यवस्था में रूपान्तरण होगा तो हम ऐसे युवा पा सकते हैं जो मूल्यों की दृष्टि से भिन्न होते हैं।

आज भी अगर हमारे अधिकांश तकनीकी शिक्षा संस्थानों में मानविकी विषयों को नजरअंदाज किया जाता है जिसका परिणाम हम ISIS जैसे आतंकी उच्च शिक्षित युवा, हैकिंग में लगे युवाओं संगठित अपराधों से जुड़े उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के रूप में देख सकते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) "Anyone who doesn't take truth seriously in small matters cannot be trusted in large ones either."- Albert Einstein. Bring out what this statement means to you in the present context. 10

"कोई व्यक्ति जो छोटे मामलों में सत्य को गंभीरता से नहीं लेता, उससे बड़े मामलों में भी ऐसा करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।" – अलबर्ट आइन्स्टाइन। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आपके लिए इस कथन का क्या तात्पर्य है?

हर बड़ा कार्य एक छोटे से कदम से शुरु होता है अर्थात बड़े कार्य की नींव ही छोटा कार्य होता है अतः यदि हम छोटा कार्य भी ढंग से नहीं करेंगे तो निश्चित रूप से हमारा बड़ा कार्य भी अनेक खामियों से भरा होगा।

इस संदर्भ में हमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का उदाहरण दिया जा सकता है कि उन्होंने सभी बड़े कार्य करने से पूर्व छोटे-छोटे कार्य जैसे सफाई, चरखा कातना, अपने शौचालय की सफाई स्वयं द्वारा करने से शुरु करते तथा अपने आंदोलन को एक व्यापक जन भागीदारी वाले आंदोलन में बदलते।

चूँकि सत्य ~~सत्य~~ का गुण सार्वभौमिक है अतः हम यह नहीं कह सकते कि व्यक्ति यहां सत्य नहीं बोलता लेकिन यहां सत्य बोलता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः वर्तमान समय में जब ~~संचार तकनीक~~ एवं वैश्वीकरण के दौर में विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाएं, संस्कृतियां आपस में जुड़ रही हैं उस समय का जगह स्थान का महत्व और बढ़ जाता है।

चाहे प्रशासन हो, व्यवसाय हो, राष्ट्रों के निर्णय हो हर जगह स्थान की मात्रा है जिस स्थान के हम देख सकते हैं सामुद्रिक चौराहा, मलक्का जलडमरू का चौराहा, U-2 चाबहार पोर्ट ([illegible]) इन्होंने सिर्फ तकनीक व्यवसाय, राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय निर्णयों को प्रभावित किया है।

अतः वर्तमान युग में वैश्विक स्तर के स्थान का महत्व और ज्यादा प्रासंगिक हुआ है।

4. (b) "One of the penalties for refusing to participate in politics is that you end up being governed by your inferiors". Explain. Suggest some measures that can be taken to increase political participation in our country. (150 words)10

"राजनीति में भागीदारी निभाने से अस्वीकार करने की सज़ाओं में से एक है अपने से निम्न स्तर के लोगों के द्वारा शासित होना।" इस कथन की व्याख्या करें। हमारे देश में राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए किये जा सकने वाले कुछ उपायों के बारे में सुझाव दें। (150 शब्द)

किसी भी लोकतंत्र की सफलता की कुंजी है जन भागीदारी और यह भी प्रत्येक स्तर में हो।

हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के निवासी हैं, तथा यह त्रिस्तरीय राजनीतिक व्यवस्था के तहत लगभग 10 लाख चुने हुए जन प्रतिनिधि हैं तथा इन जनप्रतिनिधियों द्वारा हमारी संसदीय प्रणाली द्वारा विभिन्न विधानों का निर्माण किया जाता है और इन्हीं विधानों से हम चलते हैं साथ ही ये जन प्रतिनिधि हमारी संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े होते हैं हमारी संस्थाओं के प्रतीक भी हैं।

पिछले कुछ दशकों से देखें तो राजनीति में सामाजिक भागीदारी बढ़ी है जैसे हम चुनाव व्यवस्था, विभिन्न संवैधानिक स्तरों (73वें 74वें संविधान संशोधन), युवा भागीदारी, महिला भागीदारी बढ़ी है जिनके द्वारा चुनाव आयोग के "स्वीप" जैसे कार्यक्रमों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भागीदारी रही लेकिन इन सभी तरफ से राजनीति की गुणवत्ता में ह्रास देखा रहे हैं अपराधी लोग प्रवेश कर रहे हैं जिनके मे बढ़ना का स्तर निम्न हुआ है, राजनीतिक भ्रष्टाचारी में निजी स्वार्थ की प्रवृत्ति भ्रष्टाचारी तथा संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाई

अतः इनके उपाय हेतु एक ~~[illegible]~~ जैसे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक को पास करना चाहिए ताकि महिलाओं की भागीदारी बढ़े, चुनावों में काले धन का रोक लगे, चुनाव आयोग राजनीतिक निधि के नियमित हो जिनको की ऑडिट सार्वजनिक भूमिका निभाता हो (जिनके निधि नियंत्रण का किया है अपने विधायकों की निधि नियंत्रण का है), जिनको विधायकों के लिए नैतिक संहिता का निर्माण हो, हितों का स्पष्ट खुलासा हो, संपत्ति का वार्षिक विवरण जिनमें पूरे परिवार की संपत्ति का ब्यौरा हो प्रकट हो ताकि सत्य लोग सक्रिय व सक्रिय राजनीतिक भागीदारी लिया जाए क्योंकि बढ़ते रहते है भी लोगों को राजनीति से दूर किया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) What do you understand by aptitude? What kind of aptitude is considered important for civil services? What measures have you taken to make yourself fit for being a civil servant? 10

अभिक्षमता से आप क्या समझते हैं? किस प्रकार की अभिक्षमता सिविल सेवा के लिए महत्वपूर्ण समझी जाती है? स्वयं को सिविल सेवक के रूप में उपयुक्त बनाने हेतु आपने कौन-से उपाय किये हैं? (150 शब्द)

विशेष कार्य करने की विशेष योग्यता ही अभिक्षमता कहलाती है. यह किसी व्यक्ति में अंतर्निहित एक संभावना होती है जो उसे विशेष कार्य करने में संभाव्यता प्रदान करती है। जैसे खेल अभिक्षमता, सिविल सेवा अभिक्षमता इत्यादि।

चूँकि सिविल सेवक को प्रशासन, कानून व्यवस्था, विकास संबंधी अनेक महत्वपूर्ण कार्य करने होते हैं अतः सिविल सेवक के लिए देश विदेश की एक सामान्य जानकारी, अंतर्वैयक्तिक कौशल, नेतृत्वकर्ता, तुरंत एवं प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता, वस्तुनिष्ठता, गैर तरफदारी, ईमानदारी, कमजोर वर्गों के प्रति करुणा एवं सहिष्णुता, तदानुभूति इत्यादि कौशलों से युक्त होना चाहिए।

मैंने स्वयं को सिविल सेवक बनाने हेतु समयबद्धता, कार्यों को वरीयतानुसार पूरा करने तथा महत्वपूर्ण मामलों के

तुरंत निर्णय लेने तथा टीम भावना को बढ़ावा देने तथा संगठनिक उद्देश्यों को पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ पूरा करने हेतु तैयार किया है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) "Emotion can lead to our worst decisions or our best ones: The difference is emotional intelligence." In light of the given statement, illustrate how emotional intelligence is critical in decision making. How can it help a civil servant in taking prudent decisions? 10

"भावनाएं हमारे सर्वश्रेष्ठ अथवा सर्वाधिक बुरे निर्णयों के लिए उत्तरदायी होती हैं, अंतर सिर्फ भावात्मक समझ का है।" दिए गए कथन के आलोक में इस बात की दृष्टांत सहित व्याख्या करें कि भावात्मक समझ किस प्रकार निर्णय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण स्थान रखती है? इससे एक सिविल सेवक को किस प्रकार विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सहायता मिल सकती है?

भावनाओं के मामले में समझदार होना ही भावात्मक समझ है अर्थात् अपनी एवं दूसरों की भावनाओं को समझना, मॉनीटर करना, अभिव्यक्त करना, अभिप्रेरित करना, संबंध बनाना ही भावात्मक समझ है।

हमारे जीवन में भावों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है हमारे निर्णयों पर भावनाओं का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है उदा. कई बार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Although most public organizations have a code of conduct for their employees, its impact has been less than satisfactory in combating the misuse of office by public servants. Explain. Provide some suggestions to make the code of conduct a more comprehensive tool in dealing with corruption in public offices. 10

यद्यपि अधिकांश सार्वजनिक संस्थाओं में अपने कर्मचारियों के लिए एक आचार संहिता होती है, तथापि लोक सेवकों द्वारा पद के दुरुपयोग को रोकने में इसका प्रभाव असंतोषजनक रहा है। व्याख्या करें। सार्वजनिक कार्यालयों में भ्रष्टाचार से निपटने हेतु आचार संहिता को और अधिक व्यापक यंत्र के तौर पर प्रयोग हेतु कुछ आवश्यक सुझाव प्रस्तुत करें।

स्वीकृत एवं अस्वीकृत कार्यों की सूची ही आचार संहिता कहलाती है यह सिविल सेवकों को बताती है कि उन्हें क्या करना है, और क्या नहीं करना है जैसे सिविल सेवा नियमावली 1964।

विश्व के कई देशों यथा ब्रिटेन में आचार संहिता को विधान के स्थान पर ऑस्ट्रेलिया में आचार संहिता को वैधानिक रूप से अपनाया गया है वहीं भारत, ब्रिटेन जैसे देशों में इसे एक स्वप्रेरणा के रूप में अपनाया गया है अतः यह ~~अधिक~~ वैधानिक रूप से दुर्बल है।

दूसरा भारत के अपनाए गए आचार संहिता में निषेधों का वर्णन ज्यादा है अर्थात् यह क्या करना चाहिए की अपेक्षा कम करती है।

तीसरा चूँकि भारत एक विकासशील एवं लोककल्याणकारी देश है अतः प्रशासकों की

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कुछ महत्वपूर्ण मामलों में विवेकाधिकार शक्तियां प्राप्त हैं जिनका व्यापक दुरुपयोग होता है तथा साथ ही कुछ ~~मामले~~ कार्य छद्म आवरण में कर दिए जाते हैं जो आवरण सहित मनुष्य गलत नहीं है या नैतिकता की दृष्टि से गलत है।

सौंपा जाता है अभी भी कर्मचारियों की विधायिका में विधायकों के लिए भी आचार संहिता नहीं है।

अतः आचार संहिता को व्यापक बनाने हेतु इसे कानूनी रूप से स्वीकार करना चाहिए तथा इसका उल्लंघन होने पर स्पष्ट दण्डों की व्यवस्था होनी चाहिए तथा इसके साथ-साथ नैतिक संहिता का भी निर्माण किया जाना चाहिए ताकि ~~छद्म~~ ~~छद्म कार्यों~~ विवेकाधिकार शक्तियों पर नियंत्रण हो सके। इसमें "क्या करना चाहिए" का भी विस्तृत उल्लेख हो। इस संदर्भ में द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों का अनुपालन तथा लोक सेवा विधेयक 2007 को जल्द ही संसद से पारित करवाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What do you understand by the term 'Conflict of Interest' in the context of public service? What are the norms prescribed for Civil Services in India to deal with this issue? 10

लोक सेवा के परिप्रेक्ष्य में आप 'हितों का टकराव' शब्द से क्या समझते हैं? इस मुद्दे से निपटने हेतु भारत में सिविल सेवा के लिए क्या मानदण्ड निर्धारित किये गए हैं?

निजी हित एवं सार्वजनिक हितों के परस्पर विरोधाभास ही हितों का टकराव कहलाता है। हित टकराव वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण वैश्विक समस्या है। भ्रष्टाचार की जड़ में हितों का टकराव भी बहुत महत्वपूर्ण जड़ है। सामान्य निजी एवं सार्वजनिक हित टकराव के दौरान लोक सेवकों द्वारा निजी हितों में चला जाना भारत में एक आम परिदृश्य देखने को मिलता है। प्रशासन में फैला भाई भतीजावाद, ~~सावन~~ व ख्यान भाई-चारा आदि में आसानी से देश में हम अक्सर देख सकते हैं साथ ही हाल में संसद में तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन निषेधी संसद की बनी समिति में भी ऐसे हित टकराव देखने को मिली।

भारत में सामान्यतः ~~यह~~ लोक सेवकों से यह अपेक्षा की जाती है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कि हित टकराव के दौरान वह सार्वजनिक हित को वरीयता देगा।

साथ ही लोकसभा में सांसदों को अपने निजी हितों को सदन अध्यक्ष के सामने खुलासा करना होता है तथा बाद में उन्हें किसी समिति का अध्यक्ष या सदस्य बनाए जाने तथा उनके हित संबंधी मुद्दे पर वोटिंग करना या न करने पर सदन अध्यक्ष द्वारा फैसला लिया जाता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. An efficient service delivery is the key to winning the public trust in government. What are the challenges being faced in efficient delivery of public services? Suggest some measures to improve the delivery of public services. 10

सरकार के लिए जन विश्वास प्राप्त करने हेतु कुशल सेवा वितरण महत्वपूर्ण है। लोक सेवाओं के कुशल वितरण में किस प्रकार की चुनौतियाँ सामने आ रही हैं? लोक सेवाओं के वितरण में सुधार हेतु कुछ उपाय सुझाएं।

एक ~~लोककल्याण~~ और समाजवादी लोककल्याणकारी राज्य जिसकी 35% आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती है, उनके लिए सेवा वितरण अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत में लोकसेवा के क्षेत्र में कुशल वितरण एवं गुणवत्ता की समस्या महत्वपूर्ण समस्या है।

प्रशासन की औपनिवेशिक मानसिकता, कमजोर आधारभूत ढांचे, अनुक्रियाशीलता तथा संवेदनशीलता का अभाव, प्रशासन में फैले व्यापक भ्रष्टाचार, समानुभूति का अभाव, सत्यनिष्ठता का अभाव, वस्तुनिष्ठता का अभाव (अर्थात् योग्यता को नजरअंदाज करना) आधारभूत ढांचे के अभाव के फलस्वरूप भारत में लोकसेवाओं की गुणवत्ता, ~~[illegible]~~ लक्षित लोगों तक पहुंच, लीकेज, कालाबाजारी जमाखोरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उदा० - जन वितरण प्रणाली की असफलता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोक सेवा में सुधार हेतु इनमें नागरिक अधिकार पत्र की अनिवार्यता, लोक सेवा की समयबद्ध गारंटी, सूचना अधिकार अधिनियम के उचित क्रियान्वयन द्वारा पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता लाकर तथा दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा सुझाए गए सेवोत्तम मॉडल अपनाकर जिसमें सेवा प्रदाता की एक व्यवस्थित कार्यप्रणाली के अलावा शिकायत निवारण के उचित तंत्र की भी बात है, सत्यनिष्ठा करार, तथा संसद में अटके लोक सेवा एवं वस्तुओं के सुनिश्चित एवं गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता अधिनियम 2010 को पारित करके इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण रूप से कदम आगे बढ़ा सकते हैं।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow:

9. A District Magistrate, posted in a district affected by left wing extremism, was abducted by the extremists while he was on a routine inspection tour to assess the progress of the development work in one of the villages. After abduction, extremists demanded the release of two of their leaders who are accused of involvement in the violent attack on the police convoy few months back. After few days of continued negotiations, the centre and state governments agreed to accept the demands of extremists in return for release of the District Magistrate. During the time when District Magistrate was held captive, he was treated well by the extremists and many extremists and even locals came to visit him in order to point out the problems in the service delivery, excesses of the police and paramilitary forces in a very convincing manner. After being released, the District Magistrate comes to you to seek advice on how to deal with the issues, which arose out of his abduction. Some of the suggestions are as follows:

एक जिला मजिस्ट्रेट, जो वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिले में नियुक्त हैं, उनका अतिवादियों द्वारा तब अपहरण कर लिया गया जब वे एक गाँव से विकास कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन संबंधी एक नियमित निरीक्षण दौरे से लौट रहे थे। अपहरण के पश्चात, अतिवादियों ने कुछ माह पूर्व एक पुलिस काफिले पर हिंसक आक्रमण में संलग्न होने के आरोपी अपने दो नेताओं की रिहाई की शर्त रखी। सतत मध्यस्थताओं के कुछ दिनों के पश्चात, केंद्र और राज्य सरकारें जिला मजिस्ट्रेट की रिहाई के बदले उन अतिवादियों की मांग स्वीकार करने को सहमत हो गयीं। जिला मजिस्ट्रेट के बंदी रहने के दौरान, अतिवादियों द्वारा उनसे अच्छा व्यवहार किया गया और बहुत-से अतिवादी और स्थानीय जनता भी सेवा वितरण में व्याप्त समस्याओं, पुलिस और अर्द्ध-सैनिक बलों की ज्यादतियों को उजागर करने हेतु उनसे मिलने आये। रिहा किए जाने के पश्चात, जिला मजिस्ट्रेट इस मुद्दे पर आपसे विचार-विमर्श करने के लिए आपके पास आ रहे हैं कि उन मुद्दों से कैसे निपटा जाए जो उनके अपहरण के दौरान उठे थे। कुछ सुझाव निम्न हैं:

1. The District Magistrate should file a criminal case against the extremists for his abduction and help the security forces in whatever way he can to catch the culprits and also request for a transfer.

जिला मजिस्ट्रेट को अपने अपहरण के लिए अतिवादियों के विरुद्ध एक आपराधिक मुकद्दमा दायर करना चाहिए और अपराधियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों की यथासंभव सहायता करना चाहिए और साथ ही उन्हें स्थानान्तरण के लिए आग्रह करना चाहिए।

2. The District Magistrate should take up a review of status of developmental work in that region while leading the audit himself; but at the same time work on new innovative strategies so that locals can be made free from the control of extremists, treating the incidence as a wakeup call.

जिला मजिस्ट्रेट को उस क्षेत्र में विकास कार्यों की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए तथा स्वयं लेखा परीक्षण का नेतृत्व करना चाहिए; किन्तु साथ-साथ उन्हें इस घटना को चेतावनी के रूप में प्रयोग करते हुए नवोन्मेषी रणनीतियों पर भी कार्य करना चाहिए ताकि स्थानीय जनता को अतिवादियों के चंगुल से मुक्त किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The District Magistrate should inform about his experience to higher authorities and take the moral responsibility by tendering his resignation as he has not only failed to streamline the public service delivery in the district but also because of him two extremists are free.
जिला मजिस्ट्रेट को अपने अनुभवों के बारे में उच्चतर अधिकारियों को बताना चाहिए और नैतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करते हुए अपना त्यागपत्र सौंप देना चाहिए क्योंकि वह न सिर्फ सार्वजनिक सेवा वितरण को कारगर बना पाने में असफल रहे हैं बल्कि उनके कारण दो अतिवादियों को भी मुक्त करना पड़ा।
Suggest any other possible option(s). Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reasons for it.20
किसी और संभव विकल्प/विकल्पों का सुझाव दें। उन सभी का मूल्यांकन करें और कारण बताते हुए सबसे अच्छी कार्यवाही का सुझाव दें।

विकल्प (1)

इस विकल्प के अनुसार ~~जिला~~ मेरा मानना है कि जिला अधिकारी महोदय को अतिवादियों पर मुकदमा आवश्यक रूप से दर्ज करवाना चाहिए क्योंकि उनका यह कार्य भारतीय संविधान तथा भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार एक गैर कानूनी कार्य था ~~क्योंकि~~ क्योंकि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन अतिवादियों का हौसला और अधिक होगा तथा वे भविष्य में अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों को भी इस तरह ~~से~~ अपहरण करके अपनी गैर कानूनी गतिविधियों को संचालित कर सकते हैं साथ ही जिला अधिकारी महोदय को उन अतिवादियों को पकड़ने में पुलिस वालों की मदद लेनी चाहिए क्योंकि वे उनके विचारों एवं गतिविधियों से अच्छी तरह से वाकिफ हो चुके हैं। लेकिन इस विकल्प की यह बात उचित नहीं है कि जिलाधीश

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यापक स्थानांतरण के लिए आग्रह हो क्योंकि यह तो जनमानस के द्वारा मांगी जाने वाली बात हुई साथ ही उन अधिकारियों का हौसला भी बढ़ेगा और आगे भी वे ऐसी कार्यवाहियों को अंजाम देंगे ताकि प्रशासन ढंग से काम न हो पाए।

विकल्प (2) यह विकल्प महत्वपूर्ण है क्योंकि जिलाधीश महोदय को अपहरण के दौरान सेवा वितरण की खामियों, एवं गुरिल्ला वर्गों की ~~जाति~~ ज्यादतियों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है अतः उन्हें सेवा वितरण के सुधार हेतु विकास कार्यों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए तथा विकास कार्यों में फैले भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु नीति एवं आकस्मिक लेखा परीक्षण का नेतृत्व भी उचित सुझाव है साथ ही जिलाधीश महोदय को इस बात का भी पता चला है कि वितरण सेवा की एवं अन्य प्रशासनिक खामियों की वजह से आम जनता का उनसे [illegible] निकल रहा है अतः उन्हें विभिन्न तकनीकों यथा जी-पी-एस आदि के माध्यम से सार्वजनिक वितरण व्यवस्था में सुधार

इस प्रयास भी उचित कदम होगा तथा लोगों की समस्या निवारण हेतु जिलाधीश महोदय अपने प्रशासन की कार्य संस्कृति में सुधार हेतु विभिन्न फिल्मों, नुक्कड़ नाटकों का प्रयोग कर सकते हैं ताकि अपने प्रशासन के जनता के प्रति संवेदनशील बना सके साथ ही वे पारदर्शिता एवं जवाबदेहीता सुनिश्चित करके जनता में प्रशासन के प्रति भरोसा पैदा कर सकते हैं तथा जनता में जागरूकता हेतु उनका नाम मांग का मैदान भी कर सकते हैं क्योंकि यह प्रयास भी उचित होगा क्योंकि बिना जनता के समर्थन के अतिवादियों का पार नहीं पाई जा सकती साथ ही अतिवादियों के जन समर्थन को घटाने हेतु ताकि वे कमजोर हो के लिए यह विकल्प उचित है।

विकल्प (ii) इस विकल्प में उच्च अधिकारियों को बात बतानी चाहिए क्योंकि यह अधिकारी की सांगठनिक प्रतिबद्धता एवं स्वामिनिष्ठता को प्रदर्शित करती है साथ ही जहां तक इस विकल्प में प्रतीक्षा देने की बात है वह उचित नहीं

है क्योंकि भारत जैसे देश में शान्ति और चुनौतियाँ स्वीकार करने और लोगों के विकास वालियों की प्रतीक्षा देना तो पलायनवाद का प्रतीक है।

मेरा मानना है कि इनका विकल्प बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें विकास योजनाओं के कार्यान्वयन की बात, स्वयं लेखा परीक्षण की बात तथा नवोन्मेषी युक्तियों के प्रयोग से वितरण व्यवस्था को सुधारने की बात तथा साथ ही यहाँ नक्सलियों के बढ़ते प्रभाव को घटाने की बात है। साथ ही मेरा सुझाव है कि इसके लिए हमें एक नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की समग्र रणनीति बनानी चाहिए तथा बातचीत से नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा में लाकर उनका उचित पुनर्वास करने का विकल्प भी मुहैया कराना चाहिए तथा हमें यह संकेत भी देना चाहिए कि ऐसी आपराधिक गतिविधियों को कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. In the face of acute famine in the district, you, as an area officer; have instructed your subordinates to procure food grains from the FCI godowns located in the adjoining districts. This would make the food grains available to the public through PDS shops. Considering the gravity of the situation, this task has to be done immediately, because majority of the people in the district are poor, and therefore can't buy the food at the market prices. However, you were told that all the truck operators have formed a cartel and are asking for three times the usual transportation rate, in order to exploit the situation. This would nullify your effort, as the prices of the food grains would increase due to high transportation charges.

जिले में गंभीर अकाल की स्थिति में, एक क्षेत्रीय पदाधिकारी के रूप में आपने अपने सहायकों को समीपवर्ती जिलों में स्थित भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से खाद्यान्न प्राप्त करने का निर्देश दिया है। इससे जन वितरण प्रणाली के माध्यम से लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध हो पायेगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए इस कार्य को शीघ्रतापूर्वक किया जाना है क्योंकि इस जिले की ज्यादातर जनता निर्धन है और इसलिए वे बाज़ार-मूल्य पर खाद्यान्न नहीं खरीद सकते। यद्यपि आपको बताया गया था कि सभी ट्रक-संचालकों ने एक संघ बना लिया है और स्थिति का लाभ उठाने के लिए वर्तमान ढुलाई दर के तिगुने की मांग कर रहे हैं। इससे आपका प्रयास व्यर्थ हो जाएगा क्योंकि उच्च ढुलाई दर के कारण खाद्यान्न के मूल्यों में बढ़ोतरी हो जायेगी।

Following are some suggested options. Please evaluate the merits and demerits of each of the options:

नीचे कुछ विकल्प सुझाए गए हैं। कृपया प्रत्येक विकल्प के गुण एवं दोष का मूल्यांकन करें:

1. Threaten the truck owners of severe consequences if they do not fall in line and cancel their transportation permits.

ट्रक-स्वामियों द्वारा आपकी बात न मानने के लिए उन्हें गंभीर परिणामों की धमकी देंगे और उनके परिवहन अनुज्ञा-पत्र को रद्द कर देंगे।

2. Transport the food grains by Railways, though it may take a week.

रेलवे द्वारा खाद्यान्नों की ढुलाई करायेंगे, यद्यपि इसमें एक सप्ताह का समय लग सकता है।

3. Agree to pay the truck owners the transportation charges they are demanding, so as to ensure the availability of food grains, but searching for alternative and affordable transportation. However, take legal actions against the truck owners at a later time.

ट्रक मालिकों को उनकी मांग के अनुसार ढुलाई शुल्क के भुगतान को तैयार हो जाएंगे ताकि खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। लेकिन किसी वैकल्पिक रास्ते और कम खर्चीले साधनों की तलाश जारी रखेंगे। यद्यपि, बाद में ट्रक-मालिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करेंगे।

4. Asking the state government for sending some help.

राज्य सरकार को कुछ सहायता प्रदान करने को कहेंगे।

Also indicate (without necessarily restricting to the above options) the course of action you would like to follow, giving proper reasons for the same. (250 words)20

उचित कारण बताते हुए (उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित रहे बिना) उन उपायों के बारे में चर्चा करें जिन्हें आप अमल में लाना चाहेंगे। (250 शब्द)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प (1) यह विकल्प तात्कालिक रूप से उचित नहीं होगा तथा एक प्रशासक की विनम्रता के गुणों तथा तात्कालिक समानुभूति के अभाव की तरफ संकेत करता है क्योंकि अकाल की गंभीर स्थिति है, जनता गरीब है एवं तात्कालिक जरूरत है अतः इस विकल्प को चुनने से कार्य की महत्वपूर्णता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।

विकल्प (2) दूसरे पक्ष को तोड़ने या प्रलोभन के निर्णय में यह विकल्प उचित हो सकता है लेकिन तात्कालिक गंभीरता की दृष्टि से तथा समय विलंब की दृष्टि से यह उचित नहीं होगा तथा यह एक प्रशासक की छवि को धूमिल करता है जोकि समस्या हल के प्रति संवेदनशीलता और बुनियादी मूल्य के प्रति उदासीनता का सूचक है।

विकल्प (3) यह विकल्प महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिकांश जनता गरीब है एवं बाजार मूल्य से अनाज खरीद नहीं

नरसी में फलावाम प्रशासनिक निवेदनशीलता का परिचय देते हुए उनसे होगा कि अनाज वाहकों ढुलाई शुल्क के भुगतान से तैयार हो जाएंगे ताकि खाद्यान्न उपलब्धता सुनिश्चित हो सके या विकल्प रूप इसमें मे एक प्रशासक की मामले की गंभीरता समझने के मूल्य को भी प्रदर्शित करता है

नाव की चूंकि माल ढुलाई तीन गुना दामों में हो रही है अतः सरकारी खर्च बढ़ जाएगा जिससे राजकोषीय हानि की संभावना है अतः वैकल्पिक रूप सड़क यातायात और जल परिवहन विभाग एवं भारतीय खाद्य निगम के वाहनों से ढुलाई का ~~इस बात को~~ विकल्प के लिए भी प्रयास करेंगा।

बाढ़ की बाद में ट्रक मालिकों के प्रति कार्यवाही करना भी ~~का~~ उचित होगा क्योंकि उन्होंने परिस्थितियों का गलत फायदा उठाया बाढ़ की बाद में कार्यवाई से एक और जहां तात्कालिक समस्या हल हुई और मानव सेवा बाधा नहीं आई वहीं कार्यवाई से सारा उन ~~बाद~~ मालिक भविष्य में ऐसी किसी समस्या के ~~दौरान~~ दौरान ऐसा व्यवहार न करें।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प (4) का विकल्प भी कुछ सीमा तक ठीक है कि जब ट्रक मालिक तीन गुना दुलाई होगा तो हैं तब स्थानीय मालिकता चाहती है तथा माल की राज्य सरकार कुछ वैकल्पिक ट्रक भी उपलब्ध कराया जा सकती है लेकिन मेरे दृष्टि से यह सबसे उपयुक्त नहीं है क्योंकि तात्कालिक निर्णय लेना चाहिए क्योंकि अधिकांश जनता गरीब है राज्य सरकार के पास भेजने से यहां देर हो सकती है।

अतः मेरा सुझाव यह है कि तात्कालिक दृष्टि से तीन गुने भुगतान या दुलाई हेतु तैयार होना माल की ट्रक मालिकों से बातचीत के लिए बुलाना तथा उनकी मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करना माल की अन्य वैकल्पिक साधनों का भी साथ-साथ खोज करते रहना तथा माल की राज्य सरकार से तात्कालिक मदद उठाने हेतु निवेदन करना व बातचीत में इस बात का ध्यान रखने का प्रयास करना कि यदि वे अनुचित बातों या मांगें करें तो भविष्य में कठोर कदम भी उदा. पंजीयन रद्द करना जैसे भी उठाये जा सकते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Arvind has recently started working as a cyber security analyst at a government intelligence organisation. During the course of his work, he stumbles upon documents, which reveal that the government is spying on leaders of opposition parties with alleged Maoist links. He discusses this matter with his superior officer who tells him that though the spying was illegal, it was essential for national security. He also tells Arvind that sanction for the spying came from the highest echelons of the government. He further warns Arvind not to divulge facts of the case to anyone else in the organisation and especially no one on the outside as it may lead to his dismissal from the organisation or even his arrest for treason.

अरविन्द ने हाल ही में एक सरकारी खुफिया संगठन में एक साइबर सुरक्षा विश्लेषक के रूप में कार्य करना आरम्भ किया है। अपनी कार्यावधि के दौरान उसका सामना कुछ ऐसे दस्तावेजों से होता है जिनसे पता चलता है कि सरकार माओवादिओं से कथित रूप से जुड़ाव रखने वाले विपक्षी दलों के नेताओं की जासूसी कर रही है। वह इस मुद्दे पर अपने वरीय पदाधिकारी से चर्चा करता है जो उसे बताते हैं कि यद्यपि जासूसी अवैध थी किन्तु यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक थी। वह अरविन्द को यह भी बताते हैं कि जासूसी की अनुमति सरकार के उच्चतम सोपान से मिली है। इसके अतिरिक्त वह अरविन्द को चेतावनी देते हैं कि वह इस मामले से सम्बंधित तथ्यों को संगठन के किसी अन्य व्यक्ति या किसी बाह्य व्यक्ति के समक्ष उजागर न करे। यह उसके संगठन से पदच्युत किये जाने या देशद्रोह के आरोप में उसकी गिरफ्तारी का कारण भी बन सकता है।

However, Arvind being an honest person finds himself in a deep conflict. He feels that the spying, apart from being illegal, could also be misused by the government for settling political scores with its opponents.

हालांकि, अरविन्द जो एक ईमानदार व्यक्ति है, एक आप को गंभीर विरोधाभास में पाता है। वह अनुभव करता है कि जासूसी के अवैध होने के साथ साथ सरकार इसका दुरुपयोग अपने विरोधियों के साथ राजनीतिक हिसाब बराबर करने में भी कर सकती है।

The following are some options that Arvind has. Evaluate the merits and demerits of each of these:

अरविन्द के पास कुछ निम्नलिखित विकल्प हैं। इनमें से प्रत्येक के गुण और दोष का मूल्यांकन करें:

1. Do nothing as he does not want to risk losing his job or end up in jail for treason.

कुछ नहीं करना क्योंकि वह न तो अपनी नौकरी खोने का ख़तरा उठाना चाहता है और न ही देशद्रोह के लिए जेल जाना चाहता है।

2. Talk to the head of the organisation to get his opinion on the matter and then do as he says.

संगठन प्रमुख से कथित मुद्दे पर उसकी राय लेने के लिए चर्चा के तत्पश्चात उसके आदेशानुसार कार्य करना।

3. Send an anonymous letter to the press leaking the details of the case.

प्रेस के पास मामले के ब्यौरे का खुलासा करता हुआ एक अज्ञात पत्र भेजना।

4. Go to the press directly with the details of the case.

मामले के विस्तृत ब्यौरे के साथ सीधे प्रेस के पास जाना।

Also indicate (without necessarily restricting to the above options) what you would like to advise, giving proper reasons. (250 words)20

उचित कारण बताते हुए (उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित रहे बिना) इस बात का संकेत दें कि आपका सुझाव क्या होगा? (250 शब्द)

विकल्प (1) यह विकल्प स्वयं के मीडिया मुखिया की दृष्टि से तो ठीक है लेकिन एक सिविल सेवक की सत्यनिष्ठा, निःस्वार्थनिष्ठता, राजनीतिक तटस्थता जैसे बुनियादी मूल्यों के विपरीत है।

विकल्प (2) यह विकल्प संगठित प्रतिबद्धता की/सत्यनिष्ठा की दृष्टि से तो उचित है लेकिन एक सिविल सेवक के बुनियादी मूल्य विश्वास के कायदों का पालन, गैर तरफदारी, राजनीतिक तटस्थता आदि के विपरीत है।

विकल्प (3) यह विकल्प एक सिविल सेवक की ~~संग~~ संगठित सत्यनिष्ठा / प्रतिबद्धता के विपरीत है क्योंकि वह मामला खुलासा जाना सा सकता है लेकिन अंततः इसके संगठन पर बुरा ही

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव पड़ेगा।

विकल्प (4) यह विकल्प भी नैतिक प्रतिबद्धता एवं अविश्वास को दर्शाता है साथ ही सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 के आचरण के भी विरुद्ध है। हाँ, इससे वह मामले को खुलासा जाना रुक देगा परंतु इससे नैतिक कार्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा तथा संगठन के भविष्य के प्रति उचित नहीं है।

मेरा यहां पर सुझाव यह है कि आबिद को इस मामले को अपने उच्चतम अधिकारी है साथ बातें और के बाद अपने संगठन के और अन्य उच्च अधिकारियों एवं साथ ही साथ जिम्मेदार पदों पर बैठे सभी व्यक्तियों से लिखित में कुछ बात ही इसका प्राप्त प्रमाणों के आधार पर देनी चाहिए तथा मामले पर उपयुक्त कदम उठाने का निवेदन करना चाहिए साथ ही इसकी एक प्रतिलिपि देश के गृहमंत्री एवं प्रधानमंत्री को

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी मंत्री या सांसदों तथा इन सभी के द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाहिए क्योंकि देश का गृहमंत्री एवं प्रधानमंत्री जिम्मेदार लोग होते हैं अतः यदि वह कदम उठायेंगे इन सबकी भागीदारी अन्य अधिकारियों को होने पर वे भी उचित कदम उठायेंगे।

यदि बहुत समय बीत जाने के बाद भी कार्यवाही नहीं होती है तो इस आर्टिकल को संविधान की मूल भावना के सहारा लिया जाए एवं लोक के हित मामले का सार्वजनिक खुलासा करना चाहिए क्योंकि राष्ट्र के लिए संविधान की भावना की रक्षा प्राण देना एवं जेल जाना स्वीकार्य है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are a middle ranked MCD employee, overseeing an anti-encroachment drive in New Delhi in order to broaden a very busy road. Many illegal constructions on the road have been demolished. It was all happening without much protest but when the bulldozer reached near an illegal religious construction, some people belonging to that particular community came out and formed a human chain to stop the demolition. At the same time some people from another religious group came out insisting the immediate demolition of the site. Both groups were about to clash violently. You handled the situation quite well, by pacifying the crowd and calling in enough police force, which was prepared in advance to deal with such a situation, nonetheless, the above incident raises the following serious questions:

आप दिल्ली नगर निगम के मध्य स्तरीय कर्मचारी हैं तथा एक अत्यंत व्यस्त सड़क को चौड़ा करने के लिए एक अतिक्रमण विरोधी अभियान का निरीक्षण कर रहे हैं। सड़क पर बहुतेरे अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया है। यह सब बिना किसी विशेष प्रतिरोध के हो रहा था किन्तु जैसे ही बुलडोज़र एक अवैध धार्मिक निर्माण के पास पहुंचा, उस समुदाय से सम्बंधित कुछ लोग बाहर आये और उन्होंने ध्वस्त करने की कार्यवाही को रोकने के लिए एक मानव श्रृंखला बना ली। उसी समय, अन्य धार्मिक समूह के कुछ लोग भी उस निर्माण को तत्काल हटाये जाने की मांग करते हुए सामने आ गए। दोनों समूहों के बीच हिंसक झड़प होने ही वाली थी। आपने लोगों को शांत करवा कर एवं ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार किए गए पुलिस बल को पर्याप्त संख्या में बुला कर स्थिति को ठीक प्रकार नियंत्रित किया , तथापि उपर्युक्त घटना निम्नलिखित गंभीर प्रश्न खड़े करती है:

(a) What kind of Psycho-emotional and attitudinal factors give birth to this religious competitiveness?

किस प्रकार की मनो-भावनात्मक और अभिवृत्ति संबंधी कारक धार्मिक प्रतिस्पर्द्धा की ऐसी भावनाओं को जन्म देते हैं?

(b) What is the use of emotional intelligence if such a situation arises? Discuss.

यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो भावात्मक समझ का क्या उपयोग हो सकता है? चर्चा करें।

(c) How can religion be used as a uniting force instead of a dividing one?

धर्म को विभाजनकारी शक्ति के स्थान पर एकताबद्ध करने वाली शक्ति के रूप में किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है?

Answer the above questions from an ethical perspective. 20

नीतिपरक दृष्टिकोण से उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर दें।

(a) चूँकि धर्म आस्था एवं विश्वास का विषय है जिस पर लाखों लोगों को जीने का आधार मिलता होता तथा बचपन से ही अपने धर्म के प्रति एक गहरी अनुभूति होती है लेकिन कई बार उपयुक्त राजनीतिक, सामाजिक, भौगोलिक, धार्मिक परिस्थितियाँ न मिलने से बजाय धार्मिक सहिष्णुता के स्थान पर धार्मिक कट्टरता का उद्भव हो जाता है फलस्वरूप यहाँ पर एक समुदाय द्वारा दूसरे समुदाय के प्रति ईर्ष्या की भावना पैदा हो जाती है

(b) ऐसी स्थिति में भावनात्मक समझ का महत्वपूर्ण उपयोग हो सकता है क्योंकि धार्मिक भावनाएं तर्क नहीं बल्कि आस्था एवं विश्वास से जुड़ी हुई है अतः यहाँ इस तरह की अपेक्षा लोगों की मनोभावना को समझकर उपयुक्त हल निकाल सकते है जैसा कि ... म्युनिसिपल अधिकारी द्वारा हो सकते है

(c) धर्म को विभाजनकारी शक्ति के स्थान पर एकताकारी शक्ति के रूप में निम्न प्रकार से उपयोग किया जा सकता है

(1) सभी समुदायों के ~~त्यौहार~~ समय समय पर आपसी स्नेह मिलन ~~समारोह~~ समारोह का आयोजन करके।

(2) विभिन्न फिल्मों, कुम्भ नाटकों, स्थानीय भाषाओं में पैम्फलेटों ~~द्वारा~~ के माध्यम संस्कृति की बातें छपवाकर लोगों को एक कर सकते हैं।

(3) राष्ट्रीय भावना, प्रतीकों एवं सामान्य संस्कृति के विचारों से भी एकत्रीकरण किया जा सकता है।

(4) विभिन्न धार्मिक लोगों के मध्य एक उदाहरण स्थापित करके समुदाय के धर्म और जाति तथा लोगों को दूसरे समुदाय के लोगों के प्रति प्रेरित कर एकताबद्ध भी करते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are the district officer responsible for implementing the government schemes in the district. One of the schemes is to provide financial assistance to poor students completing their Class XII so that they can join college comfortably. But, due to unexpectedly good results there arises a shortage of funds for the scheme. However, the funds are available in another scheme of housing which are unutilized, but need approval from senior officials and may take more than a month and by that time the admissions will be over.

आप एक जिले में सरकारी योजनाओं के कार्यान्वियन के लिए उत्तरदायी एक जिला अधिकारी हैं। योजनाओं में से एक 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर रहे निर्धन छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना है ताकि वे सुविधाजनक ढंग से महाविद्यालयों में नामांकन करा सकें। किन्तु, अनापेक्षित अच्छे परीक्षा परिणामों के कारण इस योजना के लिए निधि की कमी हो जाती है। यद्यपि, एक अन्य गृह निर्माण योजना में निधि उपलब्ध है जिसका उपयोग अब तक नहीं किया गया है, किन्तु उस निधि के उपयोग के लिए वरीय अधिकारियों से स्वीकृति लिए जाने की आवश्यकता है जिसमें एक महीने से अधिक समय लग सकता है, और तब तक नामांकन का समय निकल जाएगा।

Given below are few options that you can take:

नीचे कुछ विकल्प दिए गए हैं जिन्हें आप अपना सकते हैं:

1. Send the request for funds diversion and pursue the case with the senior officials to get it done quickly.

निधि के दिक्परिवर्तन हेतु आग्रह भेजें और इसे शीघ्रता पूर्वक संपन्न करने हेतु वरीय अधिकारियों के पास मामले को आगे बढायें।

2. Promise to deliver the rewards next month as you cannot do anything now.

चूँकि आप अभी कुछ और नहीं कर सकते इसलिए पारितोषिक अगले महीने देने का वचन दें।

3. Prepare some fictitious names that need a house & transfer the funds from housing scheme to this scheme considering the urgency of case and future of children.

कुछ काल्पनिक नाम तैयार करें जिन्हें घर की आवश्यकता हो, और निधि को गृह-निर्माण योजना से निकाल कर प्रकरण की अत्यावश्यकता एवं बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उसे इस योजना में अतंरित कर दें।

Suggest any other possible option(s). Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reasons for it.20

किसी और संभव विकल्प/विकल्पों का सुझाव दें। उनमे से सभी का मूल्यांकन करें तथा कारण बताते हुए सर्वोत्तम कार्यवाही का सुझाव दें।

विकल्प (1) यह विकल्प महत्वपूर्ण विकल्प चूँकि अन्य निधि को खर्च करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति आवश्यक है तथा साथ ही अन्य मामलों में तेजी से आगे बढ़ने की बात की गई है लेकिन यह नागरिक केन्द्रित प्रशासन एवं सुहृदय प्रशासन की धारणा के विरुद्ध है जिसमें ~~[illegible]~~ प्रक्रिया तीव्रता में कार्य के महत्व ~~[illegible]~~ एवं आवश्यकता को ध्यान में रखा जाता है

विकल्प (2) यह विकल्प ~~[illegible]~~ उचित नहीं है क्योंकि यह प्रशासन के बुनियादी मूल्य कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता एवं करुणा ~~[illegible]~~ के विपरीत है साथ ही यह सुहृदय प्रशासन एवं नागरिक केंद्रित प्रशासन के विपरीत है जिसमें नागरिक को केन्द्र में रखने की बात है।

विकल्प (3) यह विकल्प ~~[illegible]~~ एक सामान्य दृष्टि से देखें

तो ठीक लगता है लेकिन मात्र विकल्प से कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि यह विकल्प बुनियादी प्रशासनिक मूल्यों सत्यनिष्ठा, ईमानदारी भेदभाव रहितता, वस्तुनिष्ठता के बिल्कुल विपरीत है अतः एक प्रशासनिक अधिकारी को कभी भी ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए

मेरा सुझाव यह है कि विकल्प (1) के अनुसार उच्च अधिकारियों को लिखकर शीघ्रता से छात्रों के छात्रवृत्ति वितरण का प्रयास करूँगा साथ ही राज्य सरकार से प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाने हेतु भी निवेदन करूँगा। साथ ही छात्रों को वैकल्पिक सहायता के लिए बैंक, अन्य गरीब बच्चों की शिक्षा से समर्पित परोपकारी सेवाभावी निकायों से उनके तात्कालिक सहयोग हेतु विचार करने का आग्रह करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. You are posted in a district as a public servant responsible for looking into the matters of violation of Right to Education Act. You came across a case in which a poor farmer had beaten his daughter for not going to take her fifth class annual exams. Eventually, he tied her up with his motorbike and took her to the examination hall. Corporal punishment to the children by parents or teachers is a punishable offence with three month jail term.

When you enquired about it the poor farmer explained that he had done so for ensuring a better future for her daughter as he does not want his children to live in poverty in which he is living. He also says that his economic condition is poor and if he is taken to jail his children will face severe hardships.

आप एक जिले में लोक सेवक के रूप में नियुक्त हैं जिस पर शिक्षा का अधिकार अधिनियम के उल्लंघन से सम्बंधित प्रकरणों पर दृष्टि बनाए रखने का उत्तरदायित्व है। एक प्रकरण आपके संज्ञान में आया जिसमें एक निर्धन किसान ने अपनी पुत्री की पांचवी कक्षा की परीक्षा न देने जाने पर पिटाई कर दी। अंततः, उसने उसे अपनी मोटरसाइकिल से बांधा और परीक्षा भवन ले गया। माता-पिता या शिक्षक के द्वारा किसी बच्चे को शारीरिक दण्ड दिया जाना एक दण्डनीय अपराध है जिसके लिए तीन महीने की कैद हो सकती है।

आपने जब उक्त प्रकरण की जांच की तो निर्धन किसान ने बताया कि उसने अपनी पुत्री का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने हेतु ऐसा किया। वह नहीं चाहता कि उसके बच्चे भी उसी के समान निर्धनता में जीवन जीयें। उसका यह भी कहना है कि उसकी आर्थिक दशा अत्यंत दुर्बल है और यदि उसे कारागार भेजा गया तो उसके बच्चों को घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

(a) What are the options available to you?

आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons.20

इन विकल्पों में से प्रत्येक का मूल्यांकन करें और आप जिस विकल्प को चुनेंगे, उसका कारण बताएं।

मेरे पास निम्न विकल्प हो सकते हैं

(1) किसान को कारागार में बंद करा दूं

लेकिन यह विकल्प कानून दृष्टि से तो ठीक है कि उसने कानून का उल्लंघन किया है तो दण्ड मिलना चाहिए लेकिन चूंकि किसान निर्धन है ~~तथा हो सकता है~~ परिवार में अन्य सदस्य भी उस पर आश्रित हैं अतः एकदम यह सही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उनका उचित नहीं होगा

विकल्प (v) किसान को साहूकार के कैद का है तथा बालिका को कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में पढ़ने भेजा है।

यह विकल्प कुछ हद तक तो उचित है कि चूंकि किसान ने बाल अधिकारों का हनन किया है तथा लड़की की शिक्षा अधिकार कानून का हनन किया है लेकिन चूंकि वह किसान निर्धन है हो सकता है वह अशिक्षित हो इस वजह से उसने यह कदम उठाया हो साथ ही चूंकि किसान बेहतर भविष्य की बात करता है अतः उसके पीछे सद्भावना भी हो भी सकती है साथ ही बालिका को कस्तूरबा विद्यालय या निकट स्वयं छात्रावास में भेजना उसके भविष्य की शिक्षा के लिए उपयुक्त हो सकता है लेकिन ~~परिवार~~ छोटी उम्र होने से माता पिता से भावनात्मक लगाव ~~[illegible]~~ से माता का रोने में समस्या आ सकती है।

साथ ही चूंकि किसान पर ही अन्य ~~लोगों की~~ परिवार भी आश्रित है अतः उसके जीवन निर्वाह की समस्या हो सकती है बिना प्रयास किए जेल भेजने से

विकल्प (3) किसान को ~~~~ परिवार एवं स्कूल के सभी सदस्यों के साथ बिठाकर पढ़ाई की मूल भावना को नाटक या लघु फिल्म द्वारा प्रदर्शित करना तथा भविष्य में किसान का बच्चों के प्रति अच्छा व्यवहार हो इस हेतु उसे अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र में कार्य समय के अलावा प्रवेश देना तथा साथ ही भविष्य में उचित व्यवहार न देने पर बच्चों के प्रावधान की वैकल्पिक व्यवस्था का आगामी ~~की चेतावनी चेतावनी~~ भेजना का संकेत देना

यह विकल्प मेरी दृष्टि से सर्वोचित उपयुक्त है क्योंकि इसमें निर्धन किसान की मनोवृत्ति परिवर्तन का प्रयास तथा साथ ही स्वयं को शिक्षित करने हेतु अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र में प्रवेश तथा बच्चों के उचित ~~ढंग~~ पालन पोषण की शिक्षा के ~~माध्यम से~~ के महत्व को समझाया गया है साथ ही भविष्य में उचित व्यवहार न होने पर बच्चों के वैकल्पिक प्रावधान की व्यवस्था का उन्हें भेजने का संकेत भी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दिया गया है ताकि वह अपने जीवन को सुरक्षित कर सके अर्थात् यहां जीवन सुरक्षा हेतु कानूनी एवं मनोवृत्ति दोनों स्तरों पे परिवर्तन का प्रयास किया गया है।

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com
Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com